हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com भोपाल, रविवार 4 जनवरी 2026

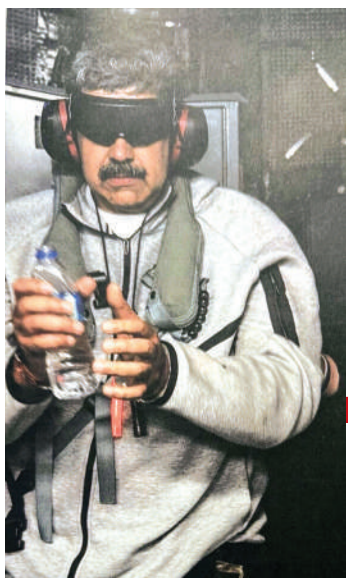

ट्रंप ने मादुरो की तस्वीर पोस्ट की है। जिसमें वे ग्रे रंग का स्वेटसूट पहने हैं। हथकड़ी लगे हाथों में पानी की बोतल पकड़े हैं। आंखों पर काली पट्टी बंधी है, जबकि कान में हेडफोन लगे हुए हैं।

यूएस ने देर रात 7 ठिकानों पर बोला हमला, ट्रंप खुद बोले- सीआईए को दी वेनेजुएला पर कार्रवाई की मंजूरी

तेल की लड़ाई हमले तक आई

वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है, जिसे 303 अरब बैरल से भी ज्यादा आंका जाता है। कई प्रतिबंधों की वजह से यह अब तक अनछुआ भंडार है। इसके अलावा सोने और गैस का भी जबरदस्त भंडार है

राष्ट्रपति निकोलस मादुरो व पत्नी को बंधक बनाकर देश से बाहर ले गए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लीजिए, दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों पर कब्जे की लड़ाई हमले तक जा पहुंची। अमेरिका ने शुक्रवार रात 2 बजे वेनेजुएला के 7 ठिकानों पर टारगेटेड हमले किए। वेनेजुएला की राजधानी में शनिवार तड़के अचानक दहशत का माहौल बना,जब शहर के कई इलाकों में तेज धमाकों की आवाजें सुनी गईं। कम से कम सात जोरदार धमाके सुनाई दिए, वहीं आसमान में नीची उड़ान भरते विमानों की आवाज भी लोगों ने सुनी। राष्ट्रपति मादुरो ने हमले के दौरान देश में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा कर दी। धमाकों की आवाज सुनते ही कई इलाकों में लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। इस दौरान अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर अमेरिका ने राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिया गया है और उन्हें देश से बाहर ले जाया गया है। वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिग्ज ने कहा कि सरकार को राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस के ठिकाने की कोई जानकारी नहीं है। रॉड्रिग्ज ने कहा कि अमेरिका द्वारा कार्रवाई के बाद राष्ट्रपति कहां हैं, यह स्पष्ट नहीं है और सरकार उनकी प्रूफ ऑफ लाइफ की मांग कर रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दावे के बाद वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज ने देश भर में सैन्य बलों की तैनाती की घोषणा की है। उन्होंने अमेरिका के सामने सरेंडर या फिर बातचीत से इंकार किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हम पर हमला किया है लेकिन वे हमें काबू में नहीं कर पाएंगे।

▶▶ शेष पेज 4 पर, ▶▶ पढ़ें पेज 10 भी

एक चैनल का दावा: मादुरो और उनकी पत्नी को बेडरूम से घसीटकर बाहर निकाला

सोशल मीडिया पर राष्ट्रपति मादुरो को पकड़े अमेरिकी सैनिकों का वीडियो वायरल

भारतीयों के लिए परामर्श जारी

भारतीय विदेश मंत्रालय ने शनिवार को भारतीय नागरिकों के लिए परामर्श जारी किया है। नागरिकों को वेनेजुएला में अपनी तमाम गैर जरूरी यात्राओं से बचने की सख्त हिदायत दी गई है। साथ ही अतिरिक्त सतर्कता और सावधानी बरतते हुए आवाजाही को प्रतिबंधित करने को कहा गया है। काराकस में भारत के दूतावास के संपर्क में रहें। इसके अलावा जिसमें फोन नंबर- +58-412-9584288 (वॉट्सअप काल की सुविधा सहित) का इस्तेमाल कर सकते हैं। बता दें कि मामले पर भारत की तरफ से दी गई यह पहली प्रतिक्रिया है।

ट्रंप बोले- अब हमारा है वेनेजुएला

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अब वेनेजुएला पर अमेरिका का कब्जा है। उन्होंने कहा कि जब तक वहां हालात ठीक नहीं हो जाते, वेनेजुएला को अमेरिका ही चलाएगा। ट्रंप ने अमेरिकी सैनिकों की तारीफ कर कहा कि ऐसी बहादुरी दुनिया का कोई और देश नहीं दिखा सकता। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला की आर्मी अमेरिकी सैनिकों के आगे ज्यादा देर तक टिक नहीं पाई।

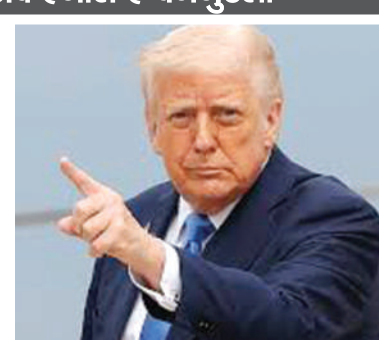

वेनेजुएला बोला- ड्रग सिर्फ बहाना, असल में तेल भंडारों को 'कब्जाना'

वेनेजुएला सरकार उन आरोपों को सिरे से खारिज करती है, जिसके तहत उस पर अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी और अपने नागरिकों के दमन का आरोप लगाया जाता है। वेनेजुएला का आरोप है कि ड्रग्स के दावों को सिर्फ एक बहाने के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन या तख्तापलट करके वेनेजुएला की विशाल तेल संपत्ति पर अमेरिका कब्जा कर सके।

अमेरिका और वेनेजुएला में विवाद क्यों?

1. ड्रग तस्करी करने वाली नावों को निशाना बनाया था

- *सितंबर 2025 में अमेरिका ने दावा किया कि जिन नावों को निशाना बनाया गया, उनमें मादक पदार्थों की तस्करी की जा रही थी। वेनेजुएला ने इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भी उठाया है। अमेरिका ने अब तक वेनेजुएला की नावों में मादक पदार्थ ले जाने जाने से जुड़े सबूत नहीं दिए हैं। मादुरो के शासन में वेनेजुएला के लाखों नागरिकों को अमेरिका आने को मजबूर होना पड़ा है, जिससे अमेरिका में प्रवासी संकट बढ़ा।*

2. कैरिबियाई सागर में तैनात किए अमेरिकी युद्धपोत

- *अमेरिकी रक्षा मंत्रालय- पेंटागन ने अक्टूबर में अमेरिकी नौसेना के सबसे खतरनाक और आधुनिक युद्धपोतों में से एक यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड को कैरिबियाई सागर में तैनात कर दिया। इसके अलावा वेनेजुएला के आसपास 5000 अमेरिकी सैन्यबलों की तैनाती भी की गई है, जबकि अमेरिका के 15,000 बलों को दक्षिण अमेरिका में तैनात किया गया है।*

3. वेनेजुएला की घेराबंदी, तेल टैंकरों की जब्ती

- *अमेरिकी बलों ने कैरिबियाई क्षेत्र में वेनेजुएला के तेल टैंकरों की जब्ती भी जारी रखी है। दरअसल, अमेरिका की तरफ से वेनेजुएला के तेल पर प्रतिबंध लगाए गए हैं।*

यह हमले वैचारिक शत्रुता से प्रेरित

ईरान व रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका इस हमले को लेकर जो भी तर्क दे रहा है वो बेबुनियाद हैं और यह कदम कूटनीति नहीं, बल्कि वैचारिक शत्रुता से प्रेरित है

इन सात ठिकानों को बनाया निशाना

01

कराकस सिटी

02

करलोटा एयरपोर्ट

03

ला कियारा पोर्ट

04

फोर्ट ट्यूना

05

इस्ला मार्गरीटा

06

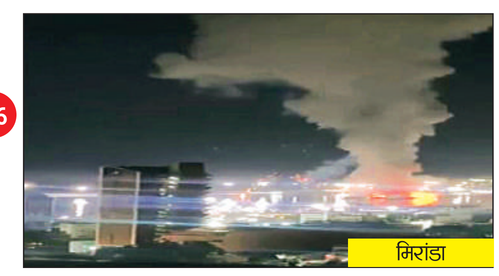

मिरांडा

07

अरागुआ

40 साल का हुआ सेंसेक्स, 10 हजार को बना दिया 15.7 लाख

नई दिल्ली। एशिया के सबसे पुराने स्टॉक एक्सचेंज बीएसई लिमिटेड यानी सेंसेक्स 40 साल का हो गया है। बीएसई सेंसेक्स 1 जनवरी, 1986 को लॉन्च हुआ था और इसने अपने अस्तित्व के 40 साल पूरे किए। सेबी चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने कहा कि जैसे ही भारत का हार्टबीट इंडेक्स, सेंसेक्स अपने लॉन्च के 40 साल पूरे कर रहा है, इसके पीछे का आइडिया उस समय के हिसाब से दूरदर्शी था, जब इकॉनमी काफी हद तक अंदरूनी मामलों पर फोकस करती थी और मार्केट में हिस्सेदारी लिमिटेड और मैनुअल थी। 1986 की शुरुआत में लगभग

▶▶ शेष पेज 4 पर

धनवर्षा के लालच में 6 साल के मासूम का अपहरण

22 दिनों तक की तांत्रिक क्रिया नहीं दिया खाना, चार गिरफ्तार

पुलिस ने खंडवा के पुनासा से आरोपियों को पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरगोन

सनावद से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां छह वर्षीय मासूम का अपहरण कर 22 दिनों तक उसे तांत्रिक क्रियाओं का शिकार बनाया गया। पुलिस ने इस मामले में 'धनवर्षा' का लालच देने वाले पाखंडी तांत्रिक समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना सनावद के खंगवाड़ा फाटे गांव की है। टीआई धर्मेंद्र यादव के अनुसार 10 दिसंबर को छह वर्षीय बालक अपने घर के बाहर खेल रहा था। तभी आरोपियों ने उसे गेंद दिलाने का लालच दिया और उसका अपहरण कर लिया। अपहरण के बाद आरोपित शुभम यादव खंडवा जिले के पुनासा में एक किराए का कमरा लेकर छिप गया था। पुलिस को सूचना मिली थी कि शुभम रात के समय एक बच्चे को साथ ले जाते हुए देखा गया है, जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया।

(इंसेट में) मासूम, पिता ने पुलिस को कहा- धन्यवाद

मासूम को नग्न कर उसे सिंदूर लगाया जाता था

एसडीओपी अर्चना रावत ने बताया कि इस पूरे मामले का मुख्य सूत्रधार सुरेंद्र उर्फ पिंटू बघेल है, जो खुद को तंत्र विद्या में सिद्धि प्राप्त बाबा बताता था। उसने आरोपी रामपाल नरवरे को यह झांसा दिया था कि वह अपनी तांत्रिक शक्तियों से धनवर्षा करा सकता है और जमीन में गड़े हुए धन का पता लगा सकता है। लालच में आकर रामपाल और शुभम ने धनसिंह बडोले से संपर्क किया, जिसने इस पूरी किडनैपिंग की साजिश रची। पकड़े गए आरोपियों ने पुलिस के सामने दिल दहला देने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि गड़े धन को निकालने की प्रक्रिया के तहत बच्चे को 22 दिनों तक बंधक बनाकर रखा गया। इस दौरान मासूम को नग्न कर उसे सिंदूर लगाया जाता था और नींबू की माला पहनाई जाती थी। उसे काला

▶▶ शेष पेज 4 पर

नहीं मिल रहे यात्री: मेट्रो शुरु होने के 14 दिन बाद ही बदल गया टाइम टेबल

अब राजधानी के लोगों में उत्साह नहीं

अब सुबह 9 बजे नहीं, दोपहर 12 बजे से चलेगी, 17 की जगह लगाएगी 13 फेरे ही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

यात्री नहीं मिलने के कारण राजधानी में अब मेट्रो सुबह 9 बजे नहीं, दोपहर 12 बजे से चलेगी। वह 17 की जगह अब 13 फेरे लगाएगी। पांच जनवरी यानि सोमवार से यह टाइम टेबल लागू होगा।

सोमवार से भोपाल मेट्रो ट्रेन का संचालन एम्स मेट्रो स्टेशन से दोपहर 12 बजे से शुरू होगा। जबकि सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन से पहली मेट्रो दोपहर 12 बजकर 40 मिनट पर चलेगी। यानि 75 मिनट के अंतराल पर यह

▶▶ शेष पेज 4 पर

5 जनवरी से 75 मिनट के अंतराल में मिलेगी मेट्रो

बस, उद्घाटन के दिन ही दिख रहा था उत्साह

केवल अवकाश के दिन मेट्रो में पहुंच रहे हैं लोग

ऐसे घटी यात्रियों की संख्या

- 21 दिसंबर को पहला दिन- 7000 यात्री मिले
- 22 दिसंबर- 2896
- 23 दिसंबर- 2163
- 24 दिसंबर- 1787
- 25 दिसंबर- 4264
- 26 दिसंबर- 1473
- 27 दिसंबर- 1200
- 28 दिसंबर- 2349

आठ दिन में 24 हजार से ज्यादा यात्री मिले

मेट्रो में आठ दिन में 24 हजार से ज्यादा यात्रियों ने सफर किया। केवल रविवार को ही यात्रियों की संख्या बढ़ी। आम दिनों में यात्री घटते गए। 14 दिन में 29400 से ज्यादा यात्री मेट्रो को मिले।

दो दिन में 100 से ज्यादा पेड़ काटे, नगर निगम के वाहनों से लकड़ी हटवाने का काम दिनभर चला

मेट्रो ब्लू लाइन के निर्माण कार्य में बाधक पेड़ों को काटने का काम शुरू

निगम का तर्क- पेड़ों की कटाई की हाई पॉवर कमेटी से मंजूरी

रायसेन रोड पर दिन में कई बार यातायात भी हुआ बाधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के गोविंदपुरा से रत्नागिरी तक बीते दो दिन में 100 से ज्यादा पेड़ काटे गए हैं। दरअसल यह पेड मेट्रो की ब्लू लाइन के निर्माण कार्य में बाधक हैं और इन्हें काटने की अनुमति हाई पावर कमेटी ने दी है। नगर निगम के वाहनों से शनिवार को निगम के वाहनों से काटे गए पेड़ों को हटाने का काम चलता रहा। हालांकि इस दौरान रायसेन रोड पर कई बार जाम के हालात बने। इधर पेड़ों की कटाई को देख लोग भी आश्चर्यचकित रह गए क्योंकि अयोध्या बायपास रोड पर पेड़ों की कटाई के मामले को लेकर विरोध हुआ था और एनजीटी ने उस पर 8 जनवरी तक पेड़ों को काटने पर रोक लगा दी थी। गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र के गेट के पास से रत्नागिरी तक 100 से ज्यादा पेड़ काटे जा चुके हैं। इन्हें काटने की अनुमति दी गई है।

निर्माण कार्य के दौरान काटे गए वृक्ष।

मेट्रो की ब्लू लाईन निर्माण के दौरान काटे गए वृक्ष।

नियमानुसार हो रही कटाई

निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने बताया कि मेट्रो लाइन के निर्माण कार्य के लिए जो पेड़ बाधक थे उन्हें काटने के लिए हाई पावर कमेटी ने अनुमति दी है। नियमानुसार ही पेड़ों की कटाई की जा रही है।

निर्माण कार्य के दौरान काटे गए वृक्ष का ठूंठ।

खबर संक्षेप

वार्ड-46 में फिटनेस क्लब का उद्घाटन

भोपाल। राजधानी के वार्ड-46 स्थित सिंधु भवन के पास शिवाजी नगर में सरिता फिटनेस क्लब का उद्घाटन पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, एमआईसी सदस्य सुषमा बाविसा ने किया। इस अवसर पर पार्षद योगेन्द्र सिंह चौहान, अमित शर्मा, देवांशु कसाना, हरिराम प्रजापति, निकेश चौहान आदि मौजूद रहे।

कल से शुरू होगी रायफल शूटिंग प्रतियोगिता

भोपाल। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह 69वीं राष्ट्रीय स्तरीय शालेय क्रीड़ा रायफल शूटिंग प्रतियोगिता 2025-26 का शासकीय सुभाष उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 5 जनवरी को दोपहर 2 बजे शुभारंभ करेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन 5 से 9 जनवरी तक होगा। समारोह में भोपाल नगर निगम महापौर मालती राय भी उपस्थित रहेंगी। शालेय क्रीड़ा रायफल शूटिंग प्रतियोगिता में 14 से 19 आयु वर्ग के बालक-बालिका भाग लेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन लोक शिक्षण, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम में लोक शिक्षण, स्कूल शिक्षा आयुक्त, शिक्षक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहेंगे।

सीएमएचओ को शिकायत कर मरीज ने दी मामले की जानकारी

मॉडल अस्पताल जेपी में मरीज को खाने को दे दी गई फंगस लगी दवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अभी सतना एचआईवी कांड और कोल्ड्रिफ सिरप कांड भूले ही नहीं थे कि राजधानी भोपाल से स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े करने वाला एक गंभीर मामला सामने आ गया। राजधानी भोपाल के मॉडल अस्पताल जेपी में एक मरीज को फफूंद (फंगस) लगी दवा खाने को दे दी गई, जिसके बाद हड़कंप मच गया।

हालांकि सीएमएचओ ने मामले में सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। दरअसल शुक्रवार की शाम ओपीडी में मरीज सतीन सेन हड्डी रोग विशेषज्ञ को दिखाने पहुंच था। उसने पैर में फ्रैक्चर की आशंका जताई थी, जिसके बाद डॉक्टर ने दर्द की दवा दी और एक्स-रे कराने के लिए लिखा। इसके बाद मरीज अस्पताल परिसर में ही बने मेडिकल स्टोर में दवा लेने पहुंचा। अस्पताल की फार्मेसी से मिली डिक्लोफेनाक टैबलेट जब मरीज ने घर जाकर देखी, तो पूरी स्ट्रिप की ज्यादातर गोलियों पर सफेद फंगस जमी हुई थी। मरीज का कहना है कि यदि वह दर्द में जल्दबाजी में दवा खा लेता, तो गंभीर स्वास्थ्य संकट खड़ा हो सकता था।

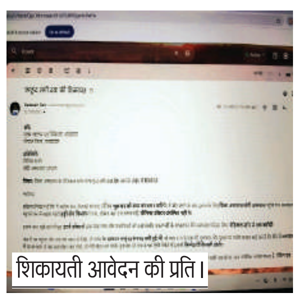
शिकायती आवेदन की प्रति।

फफूंद लगी दवाई।

लापरवाही नहीं, जान से खिलवाड़

मरीज सतीश सेन ने सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा को ई-मेल के जरिए भेजी है और खराब दवा की तस्वीरें भी संलग्न की हैं। शिकायत में इसे लापरवाही नहीं, बल्कि मरीज की जान से खिलवाड़ बताया गया है, जिसमें उसने लिखा कि मैं जब घर पहुंचा तो ध्यान से दवा को देखा तो पाया कि पर फफूंद लगा हुआ था। जो कि स्पष्ट रूप से दवा की गुणवत्ता और सुरक्षा पर सवाल खड़ा करती है। यदि मैं जल्दबाजी में या अनजाने में दवा का सेवन कर लेता, तो मेरी सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता था। ऐसी स्थिति में जिम्मेदारी किसकी होगी?

इंटर्न डॉक्टर ने लिखी दवा

मरीज सतीश सेन ने बताया कि घटना शुक्रवार शाम पांच बजे की है। उनके पैर में चोट लगने के बाद वह इलाज कराने के लिए अस्पताल पहुंचे थे। अस्थि विभाग में पहुंचे तो मौके पर कोई वरिष्ठ डॉक्टर नहीं मिले। इंटर्न डॉक्टर से दिखाया, जिसके बाद उन्होंने दर्द की दवा लिखी।

सख्त कार्रवाई

मरीज ने फंगस लगी दवा मिलने की शिकायत की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच कर रहे हैं। जो भी दोषी होगा। उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डॉ मनीष शर्मा,
सीएमएचओ

प्रदेश के सबसे बड़े भोजपाल महोत्सव मेले का आज अंतिम दिन

'भोजपुरी नाइट' में गोलू राजा बिखेरेंगे सुरों का जादू, भव्य आतिशबाजी के साथ विदा लेगा मेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के भेल दशहरा मैदान पर बीते 52 दिनों से लगा खुशियों का कारवां अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। प्रदेश के सबसे बड़े 'भोजपाल महोत्सव मेले' का रविवार को रंगारंग कार्यक्रमों और भव्य आतिशबाजी के साथ समापन होगा। इस बार मेले ने लोकप्रियता के सभी पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। पिछले 52 दिनों में भोपाल सहित सीहोर, रायसेन, विदिशा और मंडीदीप जैसे पड़ोसी जिलों से 20 लाख से अधिक लोग परिवार सहित मेला देखने पहुंचे।

भोजपाल महोत्सव में कला का प्रदर्शन करतीं कलाकार।

पूजा ठाकरे के गानों पर झूमा भोपाल

मेले की शनिवार शाम प्लेबैक सिंगर पूजा ठाकरे के नाम रही। पूजा ने अपनी सुरीली आवाज और लाइव परफॉर्मेंस से दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने 'केसरिया', 'चलेया', 'पारी हूँ मैं' और 'जब छाए मेरा जादू' जैसे चार्टबस्टर गानों की झड़ी लगा दी। शाम 7.30 बजे मेला अध्यक्ष सुनील यादव, संयोजक विकास वीरानी, महामंत्री हरीश कुमार राम, उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी

गोलू राजा की 'भोजपुरी नाइट'

समापन संध्या को यादगार बनाने के लिए भोजपुरी संगीत के दिग्गज और 'शेरे बिहारे' फेम गोलू राजा मंच संभालेंगे। बिहार के आरा से ताल्लुक रखने वाले गोलू राजा अपनी विशेष कजरी, पूर्वी और पारंपरिक मिठास के साथ 'गवना करवल ए राजा जी' और 'निमिया के डाढ़ मैया' जैसे हिट गीतों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मेला संरक्षक व सांसद आलोक शर्मा होंगे।

साझा संस्कृति का प्रतीक बना मेला

मेला अध्यक्ष सुनील यादव ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा, भोपाल और आसपास के जिलों के लोगों ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाया है। यह केवल एक व्यापारिक मेला नहीं, बल्कि हमारी साझा संस्कृति और भाईचारे का प्रतीक बन चुका है।

उप मुख्यमंत्री ने की फार्मेसी काउंसिल की बैठक के दौरान समीक्षा

दो हजार आवेदकों को घर बैठे मिला फार्मासिस्ट का लाइसेंसः शुक्ल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

फार्मेसी काउंसिल की सभी प्रक्रियाओं को डिजिटल कर दिया गया है। इससे फार्मासिस्ट पंजीकरण और नवीनीकरण की प्रक्रिया आसान होने के साथ-साथ पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही भी सुनिश्चित हुई है। समीक्षा के बाद डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि मध्य प्रदेश फार्मेसी काउंसिल द्वारा प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण राज्य सरकार की डिजिटल गवर्नेंस और नागरिक-केन्द्रित सेवा व्यवस्था को सशक्त करता है। उन्होंने कहा कि परिषद ने मैनुअल और विवेकाधीन प्रणाली से आगे बढ़ते हुए नियम-आधारित, स्वचालित और तकनीक-संचालित व्यवस्था को अपनाया है।

डिजिटल होने से आए यह दो बड़े बदलाव

परिषद के अनुसार साल 2023 में 2,889, साल 2024 में 2,297, जनवरी से मई 2025 के दौरान 970 और जून से दिसंबर 2025 के बीच 5,536 प्रकरणों का निराकरण किया गया। अकेले साल 2025 में ही 6,500 से अधिक मामलों में कार्रवाई पूरी की गई। इसी अवधि में 8,000 से अधिक आवेदन-पत्रों की प्रोसेसिंग हुई।

आयुष कॉलेजों के निरीक्षण से पहले हो प्राचार्यों की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश समेत देशभर के आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्धा व सोवारिग्पा आयुष मेडिकल कॉलेजों की सत्र 2026-27 की मान्यता के लिए निरीक्षण से पहले आयुष मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यों की बैठक आयोजित करने की मांग आयुष मेडिकल एसोसिएशन ने की है। एसोसिएशन के सदस्यों की मांग की है कि प्राचार्यों की बैठक आयोजित कर आयुष कॉलेजों में हो रही विभिन्न परेशानियों व गहन पॉलिसी मैटर के साथ छात्रों-जूनियर डॉक्टर्स, टीचिंग, नॉनटीचिंग, हॉस्पिटल स्टॉफ को हो रही दिक्कतों को गोपनीयता के साथ चर्चा करना चाहिए। एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ राकेश पाण्डेय ने उम्मीद जताई है कि एनसीआईएसएम, एनसीएच व आयुष मंत्रालय के साथ आयुष प्रिंसिपल्स से चर्चा करेंगे तो कुछ न कुछ नया ही निकलकर आएगा। आयुष कॉलेजों में दो लाख छात्र, चालीस हजार चिकित्सा शिक्षक, बीस हजार से ज्यादा चिकित्सक व हजारों कर्मचारी कार्यरत हैं। ज्ञात रहे कि प्रतिवर्ष ही आयुष मेडिकल कॉलेजों का निरीक्षण करके एनसीआईएसएम व एनसीएच केंद्रीय आयुष मंत्रालय की सहमति पर मान्यता प्रदान करता है।

अंतरराष्ट्रीय चरागाह एवं पशुपालक वर्ष 2026 का उद्घाटन

घुमंतु समुदाय के कार्यक्रम का दृश्य।

पदयात्रा के दौरान सज-संवर कर निकले ऊंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अंतरराष्ट्रीय चरागाह एवं पशुपालक वर्ष 2026 के अवसर पर पास्टोरल यूथ एसोसिएशन एवं घुमंतु पशुपालक समुदाय ने शुक्रवार को सुबह 10 बजे रातीबड़ में कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें घुमंतु पशुपालकों ने भागीदारी की। कार्यक्रम में भारत के घुमंतु पशुपालक समुदाय का जीवन व्यापन, पशुपालन, चरागाह और जंगलों के साथ उनके परंपरागत सह-अस्तित्व को प्रस्तुत किया गया। वहीं वन संरक्षण, जैव विविधता और सतत आजीविका में उनके योगदान की कहानियां भी बताई गईं।

घुमंतु समुदाय के कार्यक्रम का दृश्य।

नागरिक कर्तव्यों में शिक्षकों की भूमिका पर व्याख्यान का आयोजन

एनआईटीटीटीआर में व्याख्यानः अधिकार और कर्तव्य एक गाड़ी के दो पहिएः खंडेलवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित एनआईटीटीटीआर (निटर) के भारतीय ज्ञान परंपरा विभाग द्वारा नागरिक कर्तव्यों में शिक्षकों की भूमिका विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता विक्रांत खंडेलवाल, संगठन मंत्री, भारत विकास परिषद रहे।

खंडेलवाल ने भारतीय शिक्षा दर्शन की अवधारणा को विस्तार से प्रस्तुत करते हुए कहा कि संवेदना के बिना निर्माण नहीं हो सकता इसलिए शिक्षकों को संवेदनशील होना अत्यंत आवश्यक है। शिक्षक को अपने कार्य का मूल्यांकन स्वयं करना चाहिए और शिक्षा को न केवल अधिकार, बल्कि कर्तव्य के रूप में भी देखना चाहिए। अधिकार और कर्तव्य एक गाड़ी के दो पहिए हैं, अधिकार तभी सही है जब हम अपने कर्तव्यों को पूरी जिम्मेदारी से निभाते हैं और हम सभी को प्रकृति को वापस देने का मानस बनाना चाहिए। सार्वजनिक जीवन में व्यक्ति का व्यवहार उसकी सही पहचान होता है।

व्याख्यान में मौजूद वक्ता।

शिक्षक समाज में बदलाव लाने का माध्यम

निटर भोपाल के निदेशक डॉ. सीसी त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला नहीं, बल्कि समाज में बदलाव लाने का एक सशक्त माध्यम हैं। शिक्षकों की संवेदनशीलता और कर्तव्यों का निर्वहन ही समाज में आदर्श नागरिकों का निर्माण करता है। हमें अपनी शिक्षा नीति और शिक्षण पद्धतियों को इस दृष्टिकोण से और भी सशक्त करना होगा, ताकि हमारे देश का प्रत्येक नागरिक कर्तव्यपूर्ण और समाज के प्रति जिम्मेदार बने।

एसपीएम में दिखी सामाजिक समरसता

सीनियर सिटीजंस ओल्ड एज होम का विद्यार्थियों ने किया भ्रमण

भ्रमण दल में शामिल पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्नासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों ने सामाजिक जुड़ाव तथा उत्तरदायित्व के तहत लायंस क्लब इंटरनेशनल भोपाल साउथ द्वारा संचालित चूना भट्टी स्थित सीनियर सिटीजंस ओल्ड एज होम आशियाना का भ्रमण किया। उक्त अवसर पर कॉलेज प्राचार्य डॉ. शालिनी सक्सेना विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन एवं मार्गदर्शन हेतु उपस्थित रहीं। विद्यार्थियों ने सामाजिक सरोकारों से प्रेरित होकर एकत्रित अंशदान से बेडशीट्स, पिलो कवर एवं भोजन के लिए राशि प्रदान की। भ्रमण के दौरान बुजुर्गों ने प्रेरणादायक एवं संवेदनाओं को उद्वेलित करने वाले अनुभव विद्यार्थियों से साझा किए।

कल मनाया जाएगा प्रकाश उत्सव, गृह प्रवेश आदि जैसे शुभ और मांगलिक कार्य होंगे शुरू

लोहड़ी, पोंगल और जया एकादशी, नर्मदा जयंती, गुप्त नवरात्रि पर्व भी इसी महीने

जनवरी माह में उत्साहपूर्वक मनाए जाएंगे मौनी अमावस्या मकर संक्राति और बसंत पंचमी सहित कई प्रमुख त्यौहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नए साल 2026 का शुभारंभ हो गया है। साल का पहला माह यानी जनवरी में एक दर्जन से अधिक व्रत व त्योहारों की धूम रहने वाली है। इसी महीने में संक्रांति, लोहड़ी, पोंगल और जया एकादशी, बसंत पंचमी नर्मदा जयंती गुप्त नवरात्रि जैसे प्रमुख बड़े व्रत-त्योहार भी आने वाले हैं।

इन सभी त्योहारों पर पवित्र नदी में स्नान करने और दान-पुण्य का विशेष महत्व बताया गया है। 14 जनवरी को सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करते ही खरमास का समापन हो जाएगा। सूर्यदेव उत्तरायण हो जाएंगे, जिसके बाद गृह प्रवेश आदि जैसे शुभ और मांगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे। इसके अलावा इस महीने में तिल चतुर्थी, प्रदोष, मौनी अमावस्या, तिल कुंद चतुर्थी, जैसे व्रत व पर्व आने वाले हैं। मां चामुंडा दरबार के पुजारी रामजीवन दुबे के अनुसार 5 जनवरी को जहां प्रकाश उत्सव मनाया जाएगा।

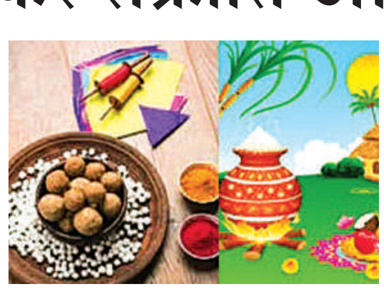
प्रतीकात्मक चित्र।

मकर संक्रांति की धूम

इस साल 14 जनवरी को मकर संक्रांति मनाई जाएगी। इस दिन सूर्यदेव मकर में प्रवेश करेंगे। सूर्य उत्तरायण होने के साथ दिन बदलते हैं और बड़े होने लगते हैं।

मौनी अमावस्या पर पवित्र जलाशयों में **स्नान का विशेष महत्वः** माघ माह के कृष्ण पक्ष की मौनी अमावस्या पर पवित्र जलाशयों में स्नान का विशेष महत्व है। माघ माह में की अमावस्या तिथि की शुरुआत रविवार, 18 जनवरी की रात 12 बजकर 3 मिनट से होगा और इसका समापन 19 जनवरी की रात 1 बजकर 21 मिनट पर होगा।

सुन्दरकांड का भव्य आयोजन
04 जनवरी 2026 शाम 7 बजे
सभी भक्तों से आग्रह है अधिक से अधिक संख्या में आकर भजन का लाभ लें
स्थान : म.नं. 75 गिरधर गार्डन दानिश कुंज कोलार रोड भोपाल मो.: 9329030769, 8839291077
आयोजक : स्मिता गुप्ता एवं मित्र मण्डली

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

राजधानी का करोंद मंडी ब्रिज, सुबह 10:40 बजे का दृश्य

कोहरे ने ली युवक की जान

पिता के साथ परीक्षा देने जा रहा था छात्र, खड़े पिकअप में घुसी बाइक

मंडला। मंडला जिले के चौकी पिंडरई नैनपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे घने कोहरे के कारण एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक नवयुवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान करण यादव (21 वर्ष) पिता बसंत यादव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार करण यादव परीक्षा देने जबलपुर जाने के लिए ट्रेन पकड़ने बाइक से पिंडरई आ रहा था। इसी दौरान तुमेगांव मंदिर के पास सड़क किनारे खड़ी पिकअप वाहन को घने कोहरे के कारण वह देख नहीं सका। बाइक सीधे पिकअप से जा टकराई। हादसे में करण शेष पेज 4 पर

अचानक बढ़ी गलन, घना कोहरा, आज कोल्ड डे...कल से कोल्ड वेव भी

ठंड ने 'थरथरा' दिया

भोपाल में सीजन में पहली बार दिन का पारा 20.2 डिग्री, आज रात के तापमान में 3 से 4 डिग्री तक गिरावट होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेश के मध्य और उत्तरी हिस्से में शनिवार को दिन में बादलों का डेरा रहा। शाम से अचानक बर्फीली हवाओं का असर बढ़ने से कंपकंपाने वाली सर्दी शुरू हो गई। भोपाल में सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा। कुछ जिलों में अति घने से घना कोहरा रहने से विजिबिलिटी शून्य तक रही है। मौसम केंद्र के अनुसार रविवार को कुछ जिलों में घना कोहरा, कोल्ड डे और कोल्ड वेव भी रहेगी। अगले दो से तीन दिन प्रदेशभर में सर्दी तेजी से बढ़ेगी, भोपाल में भी कोहरा और कड़ाके की सर्दी का दौर रहेगा। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के आगे निकल जाने से हवाएं उत्तरी हैं। इससे दोपहर बाद से सर्दी तेजी से बढ़ी है। यह क्रम दो से तीन दिन रहेगा।

आज यहां अति घने से घना कोहरा

रविवार को भोपाल, नर्मदापुरम, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, जबलपुर, रीवा, सीधी में अति घने से घना और भोपाल में मध्यम कोहरा रहा। इन जिलों में दृश्यता 200 से 500 मीटर तक रही। ग्वालियर, भिंड, मुरैना आदि जिलों में अलसुबह अति घने कोहरे में दृश्यता शून्य यानि 50 मीटर तक पहुंच गई। सोमवार को दतिया, टीकमगढ़, निवाड़ी, ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुरकला में अति घना, शिवपुरी, रीवा, मऊगंज, सतना, पन्ना, छतरपुर, नौगांव आदि जिलों में घना कोहरा रहेगा। भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, इंदौर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, गुना, अशोकनगर, सिंगरौली, सीधी, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, कटनी, जबलपुर, दमोह, सागर, मैहर जिलों में मध्यम कोहरे का अलर्ट है।

रात के तापमान में भी तेजी से कमी आएगी

रविवार को दिन में बादलों से भोपाल में दिन का पारा 3.6 डिग्री गिरकर 20.2 डिग्री पर आ गया। यह इस सीजन में सबसे कम दिन का पारा है। रात का पारा बीते तीन दिन में करीब 5 डिग्री बढ़कर 11 डिग्री रहा है। प्रदेश में औसत दिन के पारे में शनिवार को 4 डिग्री की कमी आई, जबकि रात के तापमान 16 जिलों में औसतन डेढ़ डिग्री तक गिरकर 11.4 डिग्री तक रहा है। रीवा में कोल्ड डे रहा। रविवार से अब रात के तापमान में भी तेजी से कमी आएगी। रात का पारा औसतन 3 से 4 डिग्री तक गिर सकता है। रविवार को बादलों के असर से दिन के तापमान में सर्वाधिक कमी नर्मदापुरम में 9.2 डिग्री शेष पेज 4 पर

खबर संक्षेप

डॉक्टर को स्कॉर्पियो से उतारा, गला रेता, मौत

जबलपुर। जिले के ग्वारा गांव में दिनदहाड़े एक डॉक्टर की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान महेंद्र साहू (27) के रूप में हुई है। वह अपने बड़े भाई की स्कॉर्पियो कार (एमपी 04 टीबी 0383) से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए आरोपियों ने कार को घेर लिया। आरोपियों ने महेंद्र साहू को कार से जबरन नीचे उतारा और चाकुओं से गले पर ताबड़तोड़ वार कर उनकी हत्या कर दी।

इंडिगो फ्लाइट में देरी से नाराज यात्रियों ने किया प्रदर्शन

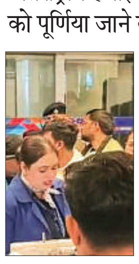

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पर शनिवार को पूर्णिया जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट लेट हो गई। इससे यात्रियों में गुस्सा फैल गया, जिन्होंने कहा कि एक दिन पहले भी सर्विस में दिक्कतें आई थीं। यात्रियों के अनुसार, इंडिगो की फ्लाइट 6ई 9076, जो दिल्ली से पूर्णिया जाने वाली थी, शुक्रवार को कैंसिल होने के बाद शनिवार को भी लेट हो गई, जिससे उन्हें अपने टिकट दोबारा बुक करने पड़े हैं।

मप्र पुलिस में सिंघम बनेंगे अब थर्ड जेंडर

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस में अब किन्नर भी भर्ती हो सकेंगे। गृह विभाग ने पुलिस भर्ती नियमों में संशोधन कर राजपत्र में सूचना जारी की है। इसके अनुसार थर्ड जेंडर को भी पुलिस भर्ती में मौका दिया जाएगा। इनको ओबीसी कैटेगिरी में माना जाएगा। मध्य प्रदेश के पुलिस बेड़े में अब एक नया और गौरवशाली अध्याय जुड़ने जा रहा है। अब हाथों में कानून की रक्षा का डंडा और कमर पर पिस्टल सजी होगी।

सामाजिक सद्भाव बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा

समाज को चलाने-जोड़कर रखने का कार्य 'सद्भावना' से ही संभव

राष्ट्र, धर्म और संस्कृति के स्तर पर हम सभी एक

संघ प्रमुख ने कहा कि हिंदू कोई संज्ञा नहीं, बल्कि एक स्वभाव है, जो मत, पूजा पद्धति या जीवनशैली के आधार पर झगड़ा नहीं करता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित सामाजिक सद्भाव बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि सामाजिक सद्भाव कोई नई अवधारणा नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज का स्वभाव रहा है। समाज में सज्जन शक्ति का जागरण, आचरण में पंच परिवर्तन और निरंतर सद्भावना संवाद आज की अनिवार्य आवश्यकता है। यह बैठक दो सत्रों में आयोजित की गई। प्रथम सत्र का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ हुआ।

मंच पर सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा तथा मध्यभारत प्रांत संघचालक अशोक पांडेय उपस्थित रहे। मध्यभारत प्रांत के 16 शासकीय जिलों के समाज के विभिन्न वर्गों और संगठनों के प्रतिनिधियों की सहभागिता इस बैठक की विशेषता रही। डॉ. भागवत ने कहा कि कानून समाज को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन समाज को चलाने और जोड़कर रखने का कार्य सद्भावना ही करती है। विविधता के बावजूद एकता ही हमारी पहचान है। बाहरी रूप शेष पेज 4 पर, पढ़ें पेज 02 भी

विविधता में एकता को स्वीकार करने वाला समाज हिंदू समाज

संघ प्रमुख डॉ.मोहन भागवत (मध्य में) बाएं पदाधिकारी पांडे व दाएं कथावाचक पं. मिश्रा

मिलना, संवाद करना और एक-दूसरे के कार्यों को जानना ही सद्भावना की पहली शर्त

पंडित मिश्रा ने 'ग्रीन महाशिवरात्रि' जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि घर-घर मिट्टी के शिवलिंग की पूजा सामाजिक समरसता का सशक्त उदाहरण

अखंड भारत में रहने वाले सभी लोगों का डीएनए एक

संघ प्रमुख ने कहा कि समाज में भ्रम फैलाकर जनजातीय और अन्य वर्गों को यह कहकर तोड़ने का प्रयास किया गया कि वे अलग हैं, जबकि सच्चाई यह है कि हजारों वर्षों से अखंड भारत में रहने वाले सभी लोगों का डीएनए एक है। संकट के समय ही नहीं, बल्कि हर समय सद्भावना बनाए रखना आवश्यक है। मिलना, संवाद करना और एक-दूसरे के कार्यों को जानना ही सद्भावना की पहली शर्त है। उन्होंने कहा कि समर्थ को दुर्बल की सहायता करनी चाहिए।

सभी समाजों ने बताया अपना अपना योगदान

कार्यक्रम के प्रारंभ में विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों द्वारा अपने-अपने कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। तेली साहू समाज की ओर से मेवा लाल साहू ने बताया कि समाज 1911 से घर वापसी और आर्थिक उन्नयन के लिए कार्य शेष पेज 4 पर

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा

संघ और शिव के भाव में अद्भुत समानता

पहले सत्र में पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि सभी समाज अपने-अपने स्तर पर कार्य कर रहे हैं, लेकिन यह प्रश्न भी आवश्यक है कि हमने राष्ट्र के लिए क्या किया और राष्ट्र को क्या दिया। उन्होंने कहा कि संघ और शिव के भाव में अद्भुत समानता है। जैसे शिव ने समस्त सृष्टि के लिए विष पीया, वैसे ही संघ प्रतिदिन आरोपों का विष पीकर भी संयम और राष्ट्रहित में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि जन्म चाहे किसी भी जाति में हुआ हो, पहचान अंततः हिंदू, सनातनी और भारतीय की ही है। प्रत्येक भारतीय में राष्ट्रोत्थान और समाजोत्थान की अद्भुत क्षमता है। धर्मांतरण को उन्होंने केवल वर्तमान पीढ़ी ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रभावित करने वाला गंभीर षड्यंत्र बताया और इसके प्रति समाज शेष पेज 4 पर

इंदौर में 18 जनवरी को है मैच

भारत-न्यूजीलैंड तीसरे वन-डे मैच के टिकट 5 मिनट में बिके

सुबह 5 बजे खुली बुकिंग, कई फैंस रह गए खाली हाथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वन-डे सीरीज के तीसरे मुकाबले को लेकर जबरदस्त क्रेज देखने को मिला। इंदौर के होलकर स्टेडियम में 18 जनवरी को होने वाले इस मैच के टिकट महज 5 मिनट में ही बिक गए। शनिवार सुबह लोग नींद से जागते, उससे पहले ही टिकट सोल्ड आउट हो चुके थे। शनिवार सुबह ठीक 5 बजे टिकटों की ऑनलाइन शेष पेज 4 पर

भारतीय टीम का ऐलान श्रेयस की हुई वापसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए शनिवार को भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान किया गया। चोट के बाद वापसी कर रहे शुभमन गिल ही भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। वहीं, श्रेयस अय्यर को उप कप्तानी सौंपी शेष पेज 4 पर

बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर केकेआर से बाहर

बीसीसीआई के निर्देश के बाद शाहरुख की टीम ने निकाला

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के कारण विरोध था

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर कर दिया है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रही हिंसा के बीच उन्हें टीम से हटाने की मांग उठ रही थी। इसके बाद बीसीसीआई ने शाहरुख खान की आईपीएल टीम केकेआर को मुस्तफिजुर रहमान को हटाने का निर्देश दिया था, जिसके बाद यह फैसला लिया गया। केकेआर ने ट्वीट किया- बीसीसीआई के निर्देश के बाद सभी जरूरी प्रक्रियाओं और आपसी परामर्श के बाद मुस्तफिजुर को टीम से बाहर कर दिया गया है। आईपीएल नियमों के अनुसार शेष पेज 4 पर

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा

पत्रकारों ने जब सवाल किया तो पीसी छोड़कर भागे कांग्रेस नेता

भाजपा नेताओं ने कांग्रेस नेताओं को घेरा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। लगातार हिंदू युवकों की लिंचिंग के मामले सामने आ रहे, इसे लेकर भारत में आक्रोश है। कांग्रेस नेताओं की प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी ये मुद्दा उठा।

हालांकि, कांग्रेस नेता जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल ने इस मुद्दे पर बोलने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं वो पीसी छोड़कर उठ गए। इस पर भाजपा ने सवाल उठाए हैं। वहीं, भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शेयर किए गए वीडियो में बांग्लादेश में हिंदुओं को लेकर पूछे गए सवाल को ही काट दिया।

जयराम रमेश पीसी छोड़कर जाते हुए

उसे वीडियो में रखा ही नहीं है। भाजपा नेता प्रदीप भंडारी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि जब बांग्लादेश में हिंदुओं की हालत के बारे में पूछा गया, तो जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल वहां से चले गए। सोचिए, अगर यही सवाल गाजा के बारे में होता तो कितना हंगामा होता, प्रेस कॉन्फ्रेंस होतीं और बयान दिए जाते!

प्रयागराज में माघ मेला-2026 का भव्य शुभारंभ

'पौष पूर्णिमा' स्नान पर्व में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

प्रयागराज। प्रयागराज में शुक्रवार को माघ मेला-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। संगम तट की ओर तड़के सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया, जहां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में आस्था की डुबकी लगाकर लोगों ने पुण्य लाभ अर्जित किया। पहले ही दिन मेले क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। इस दौरान प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आया। माघ मेला 3 जनवरी से 15 फरवरी तक चलेगा पौष पूर्णिमा स्नान पर्व शांतिपूर्ण रहा। मेले की सुरक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व बताई जा रही है। पूरे मेला क्षेत्र में 400 से अधिक एआई-इनेबल्ड सीसीटीवी शेष पेज 4 पर

द्वितीय दिवस पर देश-विदेश के विद्वानों ने रखे विचार

रामायण के मूल्य से हो सकती है रामराज्य की 'संकल्पना' साकार

रामकथा की सर्वकालिक प्रासंगिकता को बताया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

चतुर्थ वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस के द्वितीय दिवस में आयोजित विभिन्न सत्रों में रामायण के सामाजिक, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय, दार्शनिक एवं वैश्विक आयामों पर गहन विमर्श हुआ।

देश–विदेश से आए विद्वानों, शोधकर्ताओं और कलाकारों ने रामकथा की सर्वकालिक प्रासंगिकता को विविध दृष्टिकोणों से प्रस्तुत किया। द्वितीय दिवस के आठवें सत्र में 'रामायण एवं पर्यावरणः संरक्षण और संवर्धन' विषय पर वक्ताओं ने विचार रखे। बांग्लादेश से आए डॉ. सरीन ने कहा कि यदि रामचरितमानस के मूल्यों को व्यवस्थित रूप से समाज में लागू किया जाए, तो आधुनिक युग में भी रामराज्य की संकल्पना साकार हो शेष पेज 4 पर

समारोह में शामिल अतिथिगण

सिंघल प्रशासन अकादमी मसूरी में प्रशिक्षण लेने जाने वाले थे, अब बाद में जाएंगे

इंदौर में पक्ष और विपक्ष के कार्यकर्ताओं के बीच दिनभर चली नोकझोंक

आईएएस क्षितिज सिंघल को इंदौर नगर निगम का कमिश्नर बनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

इंदौर में सीवर का जहरीला पानी पीने से हुई 15 मौतों के बाद राज्य सरकार ने नगर निगम कमिश्नर दिलीप कुमार यादव को तत्काल प्रभाव से हटा दिया था। उनकी जगह पर 2014 बैच के आईएएस क्षितिज सिंघल को नगर निगम कमिश्नर के पद पर पदस्थ किया गया है।

सिंघल अभी तक मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल में एमडी के पद पर पदस्थ थे। सिंघल को एक दिन बाद ही लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी में प्रशिक्षण के लिए जाना था। हालांकि, अब वे प्रशिक्षण बाद में प्राप्त करेंगे। उन्हें तत्काल अपनी ज्वॉनिंग देने के लिए कहा गया है। यादव को लेकर दो तीन दिनों से गतिरोध बना हुआ शेष पेज 4 पर

कांग्रेस द्वारा गठित जांच कमेटी के सदस्य और पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा सहित कई विधायक और नेता प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे, भाजपा ने किया विरोध

क्षितिज सिंघल

आज कांग्रेस भाजपा नेताओं के घर घड़ियाल बजाएगी

कांग्रेस द्वारा गठित जांच कमेटी के सदस्य और पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा सहित कई विधायक और नेता प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे। कांग्रेस के इस दौरे का भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुरजोर विरोध किया, जिसके चलते दोनों दल आमने-सामने आ गए। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने घोषणा की कि इस त्रासदी के विरोध में शनिवार को कांग्रेस पूरे प्रदेश में भाजपा के बड़े नेताओं के घरों शेष पेज 4 पर

चूड़ियां, काले झंडे और धक्का-मुक्की

कांग्रेस नेताओं के पहुंचने से पहले ही भाजपा कार्यकर्ता भारी संख्या में भागीरथपुरा में जमा हो गए थे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उन्हें क्षेत्र में घुसने से रोकने की कोशिश की। माहौल तब और तनावपूर्ण हो गया जब कुछ महिला कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेताओं की ओर चूड़ियां फेंकी और काले झंडे दिखाए। इस दौरान पुलिस को स्थिति संभालने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप और नवाचार आधारित विकास में अंतरराज्यीय सहयोग को मिलेगा बढ़ावा

टीआईई ग्लोबल समिट-2026 जयपुर में आज से आरंभ मध्यप्रदेश का तकनीकी और निवेश दृष्टिकोण होगा प्रस्तुत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि संरचित साझेदारियों के माध्यम से प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप और नवाचार-आधारित विकास में अंतर-राज्यीय सहयोग को बढ़ाया जाएगा। इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रदेश सरकार का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग 4 से 6 जनवरी तक जयपुर में आयोजित राजस्थान डिजीफेस्ट-टीआईई ग्लोबल समिट 2026 के 10वें संस्करण में सिल्वर स्टेट पार्टनर के रूप में शामिल होगा। यह भागीदारी 27 नवंबर को आयोजित एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 के दौरान द इंडस एंटरप्रेन्योर्स (टीआईई) राजस्थान के साथ हस्ताक्षरित समझौते के अनुरूप होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मप्र प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे, जो उभरते और उच्च विकास वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए राज्य के प्रौद्योगिकी एवं निवेश संबंधी दृष्टिकोण को प्रस्तुत करेंगे। राज्य की प्रस्तुति 5 जनवरी को जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र में आयोजित होगी, जहां मुख्यमंत्री प्राथमिकता प्राप्त प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में वैश्विक निवेशकों तथा उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के समक्ष अवसरों की

प्रतीकात्मक चित्र।

विस्तृत रूपरेखा रखेंगे। अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संजय दुबे उच्च स्तरीय राज्य प्रस्तुति देंगे। मुख्यमंत्री इनोवेशन एक्सपो का भ्रमण करेंगे। मप्र पवेलियन का दौरा कर स्टार्टअप्स, इनोवेटर्स एवं उद्योग प्रतिनिधियों से प्रत्यक्ष संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री सीईओ, निवेशकों तथा वैश्विक उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ व्यक्तिगत बैठक कर मध्यप्रदेश में रणनीतिक निवेश के अवसरों एवं दीर्घकालिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा भी करेंगे।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की सिल्वर स्टेट पार्टनर के रूप में होगी सशक्त भागीदारी

नवस्थापित एवं प्रगतिशील नीतिगत व्यवस्था का प्रभावी प्रदर्शन

टीआईई ग्लोबल समिट-2026 में मप्र अपनी नवस्थापित एवं प्रगतिशील नीतिगत व्यवस्था का प्रभावी प्रदर्शन करेगा, जिसमें आईटी एवं आईटी-सक्षम सेवाएं, स्टार्टअप्स, इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिज़ाइन एवं विनिर्माण (ईएसडीएम), एवीजीसी-एक्सआर, ड्रोन, वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) तथा अन्य सहायक ढांचे शामिल हैं। ये नीतियां राज्य को अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों, डिजिटल नवाचार तथा उच्च-मूल्य वाले रोजगार सृजन के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाने और भारत के टियर-2 शहरों के प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

टीआईई जैसे मंच सार्थक वैश्विक जुड़ाव को देते हैं बढ़ावा

अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संजय दुबे ने कहा सिल्वर स्टेट पार्टनर के रूप में टीआईई ग्लोबल समिट के साथ साझेदारी कर हम प्रसन्न हैं। भारत का प्रौद्योगिकी एवं उद्यमिता परिदृश्य अब महानगरों से आगे बढ़ रहा है। प्रगतिशील नीतियों, मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे तथा प्रतिभाओं की प्रचुरता के कारण मप्र स्टार्टअप्स, वैश्विक उद्यमों और भविष्य की प्रौद्योगिकियों के लिए पसंदीदा गंतव्य बनकर उभर रहा है। टीआईई जैसे मंच सार्थक वैश्विक जुड़ाव को बढ़ावा देते हैं। यह साझेदारी अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करेगी, विस्तारयोग्य उद्यमिता को समर्थन देगी तथा मप्र के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को वैश्विक बाजारों और निवेशकों से जोड़ेगी।

खबर संक्षेप

भारत का संकल्प पूरा करने में कार्यकर्ताओं की अहम भूमिकाः डॉ. महेंद्र

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने शनिवार को मुरैना भाजपा जिला कार्यालय में सबलगढ़, जौरा, सुमावली एवं मुरैना विधानसभाओं की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सशक्त, समर्थ और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे विधानसभा, शक्ति केंद्र और मंडल स्तर तक प्रवास कर केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं और भाजपा की विचारधारा से हर घर को जोड़ने का कार्य करें। भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रहे हैं। यह लक्ष्य तभी साकार होगा जब केंद्र और राज्यों में भाजपा की सरकारें निरंतर बनती रहें। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश का समग्र विकास, गरीब, युवा, महिला और किसान का कल्याण तथा आर्थिक सशक्तिकरण यदि कोई राजनीतिक दल कर सकता है, तो वह केवल भारतीय जनता पार्टी है। भाजपा की सरकारें हर वर्ग के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं।

ईसीआई मीडिया अवॉर्ड-2025 के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

भोपाल। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने वर्ष 2025 में बेस्ट कैम्पेन ऑफ वोटर्स, एजुकेशन एण्ड अवेयरनेस कार्यक्रम चलाने वाले मीडिया संस्थानों के लिए 4 श्रेणियों में पुरस्कार देने का निर्णय लिया है। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (टेलीविजन) मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (रेडियो) मीडिया और ऑनलाइन (इंटरनेट)/सोशल मीडिया श्रेणी में वर्ष 2025 में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

आरएसएस ने आयोजित किया मातृशक्ति संवाद, 'नारी तू ही नारायणी' पर हुई चर्चा

बेटियों को लव जिहाद के चंगुल से बचाने के लिए पारिवारिक संवाद जरूरीः भागवत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

लव जिहाद की रोकथाम के प्रयास सबसे पहले हमारे अपने घरों और परिवारों से शुरू होने चाहिए। यह विचार करना होगा कि हमारे परिवार की बेटी किसी अपरिचित के बहकावे में कैसे आ गई। इसका एक बड़ा कारण आपसी संवाद की कमी है। जब परिवार में नियमित संवाद होगा तो धर्म, संस्कृति और परंपरा के प्रति गौरव स्वाभाविक रूप से विकसित होगा। यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने भोपाल में मातृशक्ति संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से भोपाल में स्थित शिवनेरी भवन में शनिवार को स्त्री शक्ति संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने संबोधित किया। कार्यक्रम में मंच पर प्रांत संघचालक अशोक पांडेय एवं विभाग संघचालक सोमकांत उमालकर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की मूल भावना "नारी तू ही नारायणी" के भाव को केंद्र में रखकर आगे बढ़ी। लव जिहाद पर बोलते हुए सरसंघचालक डॉ. भागवत ने कहा कि इसके लिए तीन स्तरों पर प्रयास आवश्यक हैं। पहला, परिवार के भीतर निरंतर संवाद। दूसरा, बच्चियों को सावधानी और आत्मरक्षा का संस्कार देना। तीसरा, इस प्रकार के अपराध करने वालों के विरुद्ध प्रभावी निस्तारण। उन्होंने यह भी कहा कि समाज में कार्यरत संस्थाओं को ऐसी गतिविधियों की जानकारी रखनी चाहिए और समाज को सामूहिक प्रतिकार के लिए खड़ा होना होगा, तभी समाधान निकलेगा।

कार्यक्रम में सरसंघचालक डॉ. भागवत ने दिया मार्गदर्शन

मातृशक्ति संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ. भागवत।

मातृशक्ति संवाद कार्यक्रम में मौजूद मातृशक्ति।

कुटुंब व्यवस्था की धुरी है महिला

परिवार में मुख्य भूमिका महिलाओं की होती है। परंपरागत रूप से कमाई और सीमित समय की सुरक्षा पुरुष का कार्य रहा, लेकिन परिवार को संपूर्ण रूप से संभालने का कार्य महिलाओं ने ही किया है। कुटुंब में संतुलन, संवेदना और व्यवस्था बनाए रखने की दृष्टि मुख्य रूप से महिला की होती है। कुटुंब व्यवस्था को प्रभावी बनाने में महिलाओं की भूमिका निर्णायक है।

बच्चों पर असंभव लक्ष्य न थोपे

डॉ. भागवत ने बच्चों पर असंभव लक्ष्य थोपने से बचने की सलाह दी और कहा कि बच्चों की रुचि को समझकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जीवन में सफलता से अधिक महत्वपूर्ण जीवन की सार्थकता है। उन्होंने कहा कि जहां नारी का सम्मान और स्थान सुरक्षित होता है, वहां समाज स्वतः ही स्वस्थ रहता है।

आधुनिकता की आड़ में जो पश्चिमीकरण थोपा जा रहा है, वह एक अंधी दौड़

आधुनिकता की आड़ में जो पश्चिमीकरण थोपा जा रहा है, वह एक अंधी दौड़ है। इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि हम बचपन से बच्चों को क्या संस्कार दे रहे हैं, इस पर गंभीरता से विचार करें। महिलाओं को आत्मसंरक्षण के लिए सक्षम बनना चाहिए, क्योंकि हमारी परंपरा महिलाओं को सीमित नहीं बल्कि सशक्त और असाधारण बनाती है।

सामाजिक व्यवस्था महिलाओं के कारण सुरक्षित

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि जब हम सभ्य समाज की बात करते हैं तो उसमें महिलाओं की भूमिका स्वतः ही केंद्रीय हो जाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारा धर्म, हमारी संस्कृति और हमारी सामाजिक व्यवस्था महिलाओं के कारण ही सुरक्षित है। अब वह समय चला गया जब महिलाओं को केवल सुरक्षा की दृष्टि से घर तक सीमित रखा जाता था। आज परिवार और समाज दोनों को स्त्री और पुरुष मिलकर आगे बढ़ाते हैं।

राज्य स्तरीय ड्रोन डेटा रिपोज़िटरी का शुभारंभ

ड्रोन एवं जियोस्पेशियल इकोसिस्टम में मप्र बना अग्रणी राज्यः मुख्यमंत्री

शासन की प्रक्रियाओं को सुगम, सुदृढ़ और पारदर्शी बनाती है तकनीक

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देते हुए प्रदेश में देश की पहली राज्य-स्तरीय ड्रोन डेटा रिपोज़िटरी (डीडीआर) शुरू की गई है। इससे मध्यप्रदेश भारत के ड्रोन एवं भू-स्थानिक इकोसिस्टम में अग्रणी राज्य बन गया है।

यह पहल प्रदेश में गवर्नेंस को पूर्णतः डिजिटल बनाने की राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह तकनीक शासन की प्रक्रियाओं को सुगम, सुदृढ़ और पारदर्शी बनाती है। विभागों के बीच ड्रोन-आधारित इंटेलिजेंस को संस्थागत रूप देकर प्रदेश एक अधिक कनेक्टेड, पारदर्शी और भविष्य के लिए तैयार प्रशासनिक ढांचे की ओर तेजी से अग्रसर है।

ड्रोन तकनीक का प्रभावी एवं व्यापक उपयोग

मध्यप्रदेश में ड्रोन तकनीक का प्रभावी एवं व्यापक उपयोग किया जा रहा है। प्रदेश में भूमि सर्वेक्षण, कृषि प्रबंधन, सिंचाई परियोजनाओं, खनन पट्टों की निगरानी, आधारभूत संरचना निर्माण, पर्यावरणीय मूल्यांकन, नगरीय नियोजन तथा आपदा प्रबंधन जैसे विविध क्षेत्रों में उच्च-रिज़ॉल्यूशन ड्रोन सर्वेक्षण किए जा रहे हैं। डीडीआर का शुभारंभ 'एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0' के अवसर पर किया गया था। इसे राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति 2022 तथा डीजीसीए के यूएएस नियम 2021 के अनुरूप विकसित किया गया है।

डेटा दोहराव में कमी और दक्षता में वृद्धि

प्रदेश में पहली बार सभी विभागों के ड्रोन सर्वे डेटा को एक ही प्लेटफॉर्म पर समेकित किया है। इसके परिणामस्वरूप ड्रोन सर्वेक्षणों के दोहराव में 30-50 फीसदी तक कमी आई है। डेटा पारदर्शिता में वृद्धि, विभागीय सहयोग में सुधार,फील्ड-वेरिफिकेशन में सटीकता और निर्णय लेने की गति में अत्यधिक बढ़ोतरी संभव हुई है। अब विभाग स्थान, परियोजना, मेटाडाटा, विषय या उद्देश्य के आधार पर आसानी से आवश्यक भू-स्थानिक डेटा खोज सकते हैं। इससे रियल-टाइम मॉनिटरिंग, लिगेसी डेटा की तुलनात्मक समीक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग आधारित भू-स्थानिक विश्लेषण, स्वचालित कैटलॉगिंग, टाइम-लैप्स परियोजना निगरानी, भविष्य-अनुमान मॉडलिंग और मल्टी-डिपार्टमेंट डेटा इंटीग्रेशन सुगम हुआ है।

ई-टोकन डॉट एमपी कृषि डॉट ओआरजी पर करा सकेंगे रजिस्ट्रेशन

ई-टोकन से किसानों को मिल सकेगी खाद 3 दिन के भीतर पसंद की दुकान से मिलेगी

किसान घर बैठे खाद लेने के लिए ई-टोकन से ले सकेंगे लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में खाद की किल्लत से हुई किसानों की परेशानी को देखते हुए कृषि विभाग ने खाद लेने के लिए ई-टोकन व्यवस्था शुरु कर दी है, जिसकी मदद से किसान घर बैठे खाद लेने के लिए ई-टोकन ले सकेंगे। अगले तीन दिनों में पसंद की दुकान से खाद लिया जा सकेगा, जिससे किसानों को घंटों लाइन में लगने की जरूरत नहीं पड़ेगी। राज्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र बेरखेड़ी कला मे उर्वरक वितरण की ई-विकास प्रणाली संबंधी प्रशिक्षण दिया गया।

जिसमें किसानों को ई-टोकन प्रणाली से जोड़ने और खाद का वितरण करने की जानकारी दी गई। डिप्टी डायरेक्टर कृषि सुमन प्रसाद का कहना है कि किसान जिस समिति का सदस्य है, उसे संबंधित समिति पर ही खाद बुक करना होगा। खरीफ सीजन में ली खाद की लिमिट पूरी हो चुकी है, तो नकद राशि जमा कर लिमिट खुलवाना पड़ेगी। प्राप्त ई-टोकन की वैद्यता 3 दिन की ही रहेगी। किसान घर बैठे ई-टोकन बुक करा सकेंगे। जिन किसानों के पास एंड्रायड मोबाइल नही है, उन्हे कियोस्क सेंटर के माध्यम से ई-विकास पंजीयन कर सकते है, इसके लिए उन्हें फीस चुकाना होगी। नई व्यवस्था से जुड़ने के लिए किसान ई-टोकन डॉट एमपीकृषि डॉट ओआरजी पर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परियोजना के संबंध में दिए दिशा-निर्देश

अटल प्रोग्रेस-वे परियोजना से चंबल क्षेत्र के विकास को मिल सकेगी गति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि क्षेत्रीय विकास में सड़कों की महत्वपूर्ण भूमिका है। अटल प्रोग्रेस-वे परियोजना से प्रदेश के चंबल क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।

इस मार्ग से मुरैना, श्योपुर और भिंड जिले, राजस्थान से निकल रहे दिल्ली-वड़ोदरा एक्सप्रेस-वे और उत्तर प्रदेश के आगरा-लखनऊ हाईवे से जुड़ेंगे। इससे क्षेत्र की कोटा, मुंबई, कानपुर, लखनऊ, आगरा और दिल्ली से कनेक्टिविटी बढ़ेगी तथा यात्रा का समय कम होगा। परिणामस्वरूप क्षेत्र में

अटल प्रोग्रेस-वे की बैठक लेते सीएम।

औद्योगिक गतिविधियों, व्यापार-व्यवसाय, पर्यटन और आवागमन को प्रोत्साहन मिलेगा। किसानों और क्षेत्रीय निवासियों की सहमति और संतुष्टि अनुसार भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया कर परियोजना को जल्द से जल्द पूर्ण किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश अटल प्रोग्रेस-वे परियोजना की मुख्यमंत्री निवास में हुई बैठक में दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पेंच राष्ट्रीय उद्यान-कान्हा टाइगर रिजर्व-बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व और पन्ना राष्ट्रीय उद्यान को जोड़ने वाले मार्ग को टाइगर टूरिज्म कॉरीडोर के रूप में विकसित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 625 किमी लंबे इस मार्ग से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुसार वाइल्ड लाइफ टूरिज्म को प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी। बैठक में अटल एक्सप्रेस-वे के प्रस्तावित दो प्लान का तुलनात्मक प्रस्तुतिकरण किया गया। बैठक में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल और प्रमुख सचिव लोक निर्माण सुखबीर सिंह उपस्थित थे।

किसान कल्याण और कृषि विकास से जुड़े सभी विभाग परस्पर समन्वय से करें कार्यः डॉ. मोहन

कृषि वर्ष-2026 में समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश में लक्ष्य निर्धारित कर गतिविधियां की जाएं संचालित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कृषि तथा संबद्ध क्षेत्रों में अन्य राज्यों में हो रहे सफल नवाचारों की जानकारी से किसानों को रूबरू कराया जाए। किसानों को कृषि में उन्नत राज्यों और इजराइल तथा ब्राजील जैसे कृषि के क्षेत्र में नवाचार करने वाले देशों की यात्रा कराए। समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए किसान कल्याण, सहकारिता, पशुपालन एवं डेयरी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण, ऊर्जा, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, मछुआ कल्याण और मत्स्य विकास तथा सिंचाई विभाग परस्पर समन्वय से कार्य करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह विचार कृषि वर्ष के तहत कृषि और इससे जुड़े सहायक विषयों से संबंधित विभागों की ओर से तैयार की गई कार्य योजना की समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में समीक्षा के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि वर्ष-2026 को प्रदेश में कृषि वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। प्रदेश में विविध जलवायु जोन, पर्याप्त सिंचाई सुविधा, बेहतर रोड नेटवर्क उपलब्ध है। इसका लाभ लेकर किसानों की आय में वृद्धि और कृषि क्षेत्र में रोजगार सृजन के उद्देश्य आधारित गतिविधियां संचालित कर प्रदेश में समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश के लक्ष्य को साकार किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कृषि वर्ष-2026 में होने वाली गतिविधियों के संबंध में ली बैठक

कृषि कार्यों की समीक्षा करते मुख्यमंत्री।

किसानों की आय में वृद्धि और रोजगार सृजन को प्रमुखता से लिया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि वर्ष-2026 में शुरू की जा रही सभी गतिविधियां तीन साल का लक्ष्य निर्धारित कर संचालित की जाएं। किसानों की आय में वृद्धि और रोजगार सृजन के लिए कृषि यंत्रीकरण, कृषकों के क्षमता विकास के लिए प्रशिक्षण और भ्रमण कार्यक्रम, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना, उद्यानिकी विस्तार, एफपीओ निर्माण आधारित गतिविधियों को प्रमुखता दी जाए। इसके साथ ही सस्ती ब्याज दरों पर ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए माइक्रो इरीगेशन, बेहतर बाजार नेटवर्क, किसानों को उनके उत्पाद का वाजिब मूल्य दिलवाने, पशुपालन तथा मछली पालन जैसी गतिविधियों के लिए कृषकों को प्रेरित करने जैसे प्रयास किए जाएं।

अनुसंधान, नवाचार, डिजिटल व्यवस्था सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जलवायु के अनुकूल कृषि प्रबंधन, सस्टेनेबल एग्रीकल्चर, श्रीअन्न उत्पादन के प्रोत्साहन और जैव विविधता तथा परम्परागत कृषि ज्ञान के संरक्षण और प्राकृतिक और जैविक खेती के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार, डिजिटल व्यवस्था सुनिश्चित कर उनकी राष्ट्रीय और वैश्विक उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।

सभी जिलों में फूलों की खेती को करें प्रोत्साहित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में होने वाले गुलाब महोत्सव को पुष्प महोत्सव के रूप में आयोजित किया जाए। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों में उत्पादित होने वाले अन्य फूलों को भी शामिल किया जाए। बैठक में बताया गया कि वर्ष-2028 का इंटरनेशनल रोज़ कॉम्पीटिशन भोपाल में होना प्रस्तावित है। यह भी बताया गया कि सिंहस्थ : 2028 को देखते हुए उज्जैन जिले के 100 एकड़ क्षेत्र में फूलों की खेती को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पराली निष्पादन के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं।

साफ, ग्रेडेड और पैक्ड उपज से बाजारों में बढ़ेगी भागीदारी

मंडियों के आधुनिकीकरण के लिए भी गतिविधियां संचालित की जाएंगी। वर्ष 25-26 में 20, वर्ष 26-27 में 19 और वर्ष 27-28 में 42 मंडियों को ई-नाम मंडियों के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है। ई-नाम या राष्ट्रीय कृषि बाजार भारत में कृषि वस्तुओं के लिए एक ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म है। मंडियों के आधुनिकीकरण से साफ, ग्रेडेड और पैक्ड उपज के कारण उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार होगा।

भाजपा प्रदेश प्रभारी आज से जिलों के प्रवास पर

भोपाल। भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह दो दिवसीय प्रदेश प्रवास पर रहेंगे। 4 जनवरी को मुरैना, भिण्ड व ग्वालियर नगर एवं 5 जनवरी को ग्वालियर ग्रामीण जिले के प्रवास के दौरान विभिन्न जिलों में आयोजित विधानसभाओं की बैठकों को संबोधित करेंगे। भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह 4 जनवरी को सुबह 10.30 बजे दिमनी, सुबह 11.30 बजे अंबाह एवं दोपहर 2 बजे मेहगांव में मेहगांव व गोहद की विधानसभा बैठकों को संबोधित करेंगे। सायं 4 बजे भिंड पहुंचकर भिंड, अटेर व लहार विधानसभा एवं सायं 7 बजे ग्वालियर में ग्वालियर, ग्वालियर पूर्व एवं ग्वालियर दक्षिण विधानसभाओं की बैठकों को संबोधित करेंगे। कल सुबह 11 बजे ग्वालियर ग्रामीण की डबरा, भितरवार व ग्वालियर ग्रामीण विधानसभाओं की बैठकों को संबोधित करेंगे।

भोपाल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, रविवार 4 जनवरी 2026

यादगार-ए-शाहजहांनी पार्क ओवरहैड टैंक में आई दरारें (लाल घेरे में) इंसर्ट में लापरवाही से टंकी पर लिखी गई सफाई की तिथि।

शहर में कहीं पानी की टंकी के लिए सुरक्षा के इंतजाम नहीं, कहीं गंदगी से घिरे हैं, तो कहीं कर्मचारी तक नहीं

ऐसे मिल रहा राजधानी को 'साफ पानी'

ओवरहैड टैंक की सफाई की तारीख में गोलमाल, सितंबर-2025 में सफाई करने की तारीख, आगामी सफाई की तिथि मार्च-25 लिख दी

शहर में पेयजल की पाइप लाइनें, वाल्व सीवेज में डूबे हैं। पाइपलाइनें नालियों से होकर गुजर रही हैं। पानी सप्लाई की पाइपलाइनों में लीकेज होने के कारण गंदा पानी घरों में पहुंच रहा, लोगों के बीमार होने की आशंका

1 कोलार, कलियासोत, कैरवा डैम, बड़ा तालाब, नर्मदा से होती है पानी की सप्लाई

2 साल में दो बार ओवरहैड टैंकों की सफाई का है नियम

3 शहर में नगर निगम के 15 फिल्टर प्लांट हैं

4 कोलार डैम से 170, बड़ा तालाब से 20 एमएलडी, केरवा डैम से 20 एमएलडी पानी की सप्लाई

शंकर नगर में गंदी नाली में लगा पानी का नल।

हरिभूमि लाइव

- झदा पहाड़ी पर वाल्व गाद से घिरा, यादगार-ए-शाहजहांनी पार्क में आठ माह बाद भी सफाई नहीं
- शहर में 173 ओवरहैड टैंक हैं, जिनसे रोजाना 460 एमएलडी पानी सप्लाई होता है
- 18 लाख लोगों को अलग-अलग जल स्त्रोंतों से होता है जलप्रदाय
- ठंकी की दीवारों की सफाई जरूरी

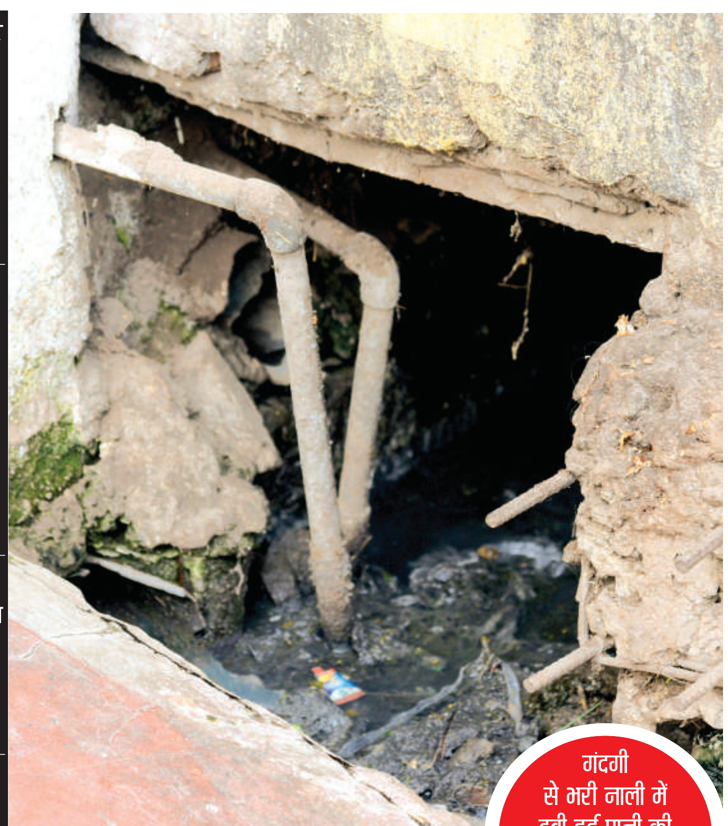

छोला कैंची में नाली के अंदर पानी सप्लाई की पाइपलाइन।

गंदगी से भरी नाली में डूबी हुई पानी की पाइप लाइन

एमएम सिद्दीकी ⏭ भोपाल

राजधानी में नगर निगम के 173 ओवरहैड टैंकों से पूरे शहर में चार जल स्त्रोतों का पानी सप्लाई होता है। इन टैंकों पर कई जगह कर्मचारी तक देखरेख और सुरक्षा के लिए नहीं है, जबकि कुछ टैंक तो गंदगी से घिरे हैं या खुले हुए हैं। साल में दो बार सफाई का नियम होने के बावजूद यादगार-ए-शाहजहांनी पार्क परिसर के ओवरहैड टैंक पर आठ माह पुरानी तारीख लिखी है, यानि आठ माह से इसकी सफाई तक नहीं हुई। हरिभूमि की टीम ने शनिवार को शहर के कुछ ओवरहैड टैंकों पर जाकर स्थितियां देखी तो कई कमियां मिलीं।

ओवरहेड टैंक की सफाई हर छह माह में करने का नियम है। सभी टैंक स्थलों पर इसकी जानकारी दर्ज करना भी जरूरी है, जो अधिकांश जगह दर्ज है। सफाई करने के पूर्व टैंक की दीवारों और फर्श को स्क्रब करने के बाद कीटाणुनाशक (जैसे क्लोरीन या पोटेशियम परमैंगनेट) का घोल डालकर 24 घंटे छोड़ना होता है और अंत में अच्छी तरह धोकर साफ पानी भरा जाता है। यह प्रक्रिया हर छह माह में करना होती है।

साफ पानी की सप्लाई सैंपलिंग चल रही है

शहर में साफ पानी की सप्लाई हो रही है। सैपलिंग की जा रही है। मैदानी अमला पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। शिकायत मिलने पर तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

संस्कृति जैन, आयुक्त, ननि

सख्त निर्देश दिए गए हैं शुद्ध जल प्रदाय हो रहा है

राजधानी में जल कार्य विभाग के अधिकारियों और मैदानी अमले को पूरी तरह से चौकस रहने के निर्देश दिए हैं। शुद्ध जल प्रदाय हो रहा है। शिकायत का तत्काल निराकरण करने को कहा गया है।

मालती राय, महापौर

सफाई हर छह माह में नियमित हो रही है

पानी की टंकियों की सफाई हर छह में नियमित हो रही है। पुरानी पाइप लाइनों को जल्द रिप्लेस किया जाएगा। शहर से लगातार पानी के नमूनों की जांच की जा रही है।

उदित गर्ग, अधीक्षण यंत्री, जल कार्य शाखा

रहवासी बोले- बस्तियों में वहां दिक्कत, जहां सीवेज से घिरी हैं लाइनें

वार्ड नंबर-76 निवासी ओम प्रकाश ने बताया कि सबसे बड़ी समस्या जमीनी स्तर पर है। जिसे देखने की फुर्सत न जनप्रतिनिधियों को है न निगम कर्मियों को। पाइप लाइनें, वाल्व सीवेज में डूबे हैं। लाइनें नालियों से होकर गुजर रही हैं। जमीनी स्तर पर इस सिस्टम को सुधारने की जरूरत है। पाइप लाइन में लीकेज होने के कारण गंदा पानी घरों में पहुंचता है।

रशीदिया स्कूल परिसर

ओवरहैड टैंक तो नया बना है, लेकिन मेन गेट पर ताला, कोई कर्मचारी नहीं

रशीदिया स्कूल में ओवरहैड टैंक तो नया बना है, लेकिन यहां मेन गेट पर ताला लटका मिला। आसपास के लोगों से पूछने पर पता चला कि पानी सप्लाई के समय कर्मचारी आते हैं। यह टैंक स्कूल परिसर के अंदर बना है और बरखेड़ी, जहांगीराबाद जैसे घनी आबादी वाले इलाके में पानी की सप्लाई होती है।

यादगार-ए-शाहजहांनी पार्क ओवरहैड टैंक

गंदगी से घिरा है परिसर, इसको कोई देखने वाला तक नहीं, कर्मचारी गायब

यादगार-ए-शाहजहांनी पार्क परिसर में ओवरहैड टैंक के आसपास सुरक्षा नहीं है। गंदगी है। कोई देखने वाला तक नहीं। यहां गेट पर टैंक की सफाई की तारीख देखकर तो लगता है कि सफाई ही नहीं हुई है। यहां टैंक की सफाई 7 सितंबर 25 लिखी है, जबकि आगामी सफाई की तारीख 8 मार्च 25 दर्ज है।

वेटनरी ओवरहैड टैंक, झदा पहाडी

कोई सुरक्षा कर्मी नहीं, वाल्व गाद से घिरे

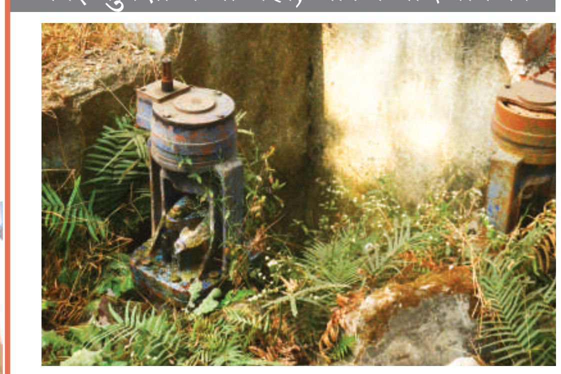

2115 किलो लीटर क्षमता के ओवरहैड टैंक परिसर में चारों तरफ बाउंड्रीवॉल तो है, लेकिन कोई सुरक्षा कर्मी या निगम का कर्मी नहीं है। अंदर झाड़ियां और उबड़-खाबड़ भूमि है। यहां लगे वाल्व गाद से पटे हैं। यहां 28 दिसंबर 2025 को अंतिम बार टैंक की सफाई करने की तारीख दर्ज है। आगामी सफाई की तारीख 2 जून 26 लिखी है।

पुल बोगदा ओवरहैड टैंक

कर्मचारी तैनात मिले, परिसर में जाने की इजाजत नहीं दी

हरिभूमि की टीम पुल बोगदा स्थित ओवरहेड टैंक सफाई व अन्य व्यवस्था देखने पहुंची तो यहां मौजूद कर्मचारियों ने परिसर में जाने से रोक दिया। दरअसल यहां ऊपर जाकर ओवरहेड टैंक की सफाई देखने का अनुरोध किया, लेकिन जल प्रदाय शाखा के क्षेत्रीय एई और जल कार्य विभाग के प्रभारी ने भी इसकी इजाजत नहीं दी।

पार्षदों ने कहा- खुद सफाई करवा रहे हैं, जहां समस्या, वहां अमला लगा है

वार्ड-11 की पार्षद अनीता कनजीं ने बताया कि उनके क्षेत्र में एक माह पहले गंदे पानी की शिकायतें मिली थीं। समस्या का निराकरण करवा दिया गया है। अब वार्ड में पानी को लेकर कोई दिक्कत नहीं है। टंकियों की सफाई हो चुकी है। वार्ड-15 के पार्षद शैलेष साहू ने बताया कि कुछ जगह से शिकायतें मिली थीं, वे खुद मौके पर मौजूद रहकर काम करवा रहे हैं। एक टैंक की सफाई होना है, वो जल्द होगी। वार्ड-19 के पार्षद वसीम उद्दीन का कहना है कि टंकियों की सफाई उनके वार्ड में हो चुकी है। गंदे पानी की समस्या नहीं है।

मंत्री सारंग ने किया आरओबी के निर्माण कार्य का निरीक्षण

नए और पुराने शहर के नौ लाख लोगों को मिलेगा आरओबी का फायदा

देश का पहला सात रेलवे ट्रैक पार करने वाला आरओबी भोपाल में, नवंबर तक की डेटलाइन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी भोपाल में देश का पहला सात रेलवे ट्रैक पार करने वाला रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) बनाया जा रहा है। भोपाल के निशातपुरा में बनने वाला यह आरओबी इस साल नवंबर तक बनकर तैयार हो जाएगा। करीब 100 करोड़ रुपए से बनने वाले इस आरओबी से नए और पुराने शहर के करीब लाख लाख लोगों को फायदा मिल सकेगा।

शनिवार को मंत्री विश्वास सारंग ने आरओबी निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। मंत्री सारंग ने कहा कि यह देश का पहला ऐसा आरओबी होगा, जो एक साथ सात रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजरेगा। यह आरओबी भोपाल स्टेशन के प्लेटफार्म-एक से छोला खेड़ापति हनुमान मंदिर तक पहुंचेगा। निर्माण पूरा होने के बाद करीब नौ लाख लोगों को फायदा मिलेगा।

करीब 100 करोड़ रुपए की लागत से होगा तैयार

भोपाल स्टेशन से छोला खेड़ापति हनुमान मंदिर तक पहुंचेगा

ब्रिज की डिजाइन देखकर अधिकारियों को निर्देश देते मंत्री सारंग।

करोंद-छोला से लेकर एयरपोर्ट तक आसान होगा सफरः मंत्री विश्वास

मंत्री सारंग ने बताया कि आरओबी के बनने के बाद करोंद, बैरसिया, बैरागढ़, विदिशा से आने वाले लोग आसानी से भोपाल रेलवे स्टेशन आ-जा सकेंगे। पुराने शहर से किसी को भेल इलाके में जाना होगा तो यह आरओबी काफी फायदेमंद रहेगा। अरेरा कॉलोनी, शाहपुरा समेत कई इलाकों से आना-जाना आसान हो जाएगा। भविष्य में यही आरओबी एयरपोर्ट तक आने-जाने के लिए भी उपयोग आ सकेगा।

ब्रिज की डिजाइन देखी

मंत्री सारंग ने शनिवार को निर्माण स्थल पर जाकर निरीक्षण किया और अफसरों से चर्चा की। साथ ही ब्रिज की डिजाइन भी देखी। इस दौरान महापौर मालती राय, वीरेंद्र पाठक समेत कई समर्थक भी मौजूद थे। मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि पीडब्ल्यूडी, रेलवे, एफसीआई सहित संबंधित विभागों में समन्वय के लिए एक कमेटी बनाई गई है, ताकि आरओबी के निर्माण कार्य में कोई अड़चन न आए और यह जल्दी बन जाए।

अवैध कॉलोनियों में होने वाली रजिस्ट्रियों को देखकर बढ़ाए रेट

बाजार रेट से महंगी कलेक्टर गाइडलाइन जमीनों के सौदे प्रभावित, सुविधा भी नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी के कोलार, नर्मदापुरम रोड, रातीबड़ रोड, इंदौर रोड सहित परवलिया इलाके में जमीनों के दाम कलेक्टर गाइडलाइन के रेट से अधिक हैं। यहां पर मुख्य सड़क के अंदरुनी इलाकों में चार सौ से छह सौ रुपए प्रति वर्गफीट में प्लॉट मिल रहा है, जबकि इन जगहों पर आठ सौ रुपए वर्गफीट से अधिक दामों पर रजिस्ट्री होती है, ऐसे में अवैध कॉलोनियों में प्लॉट बेचने वाले कॉलोनाइजर्स स्टांप पर सौदे कर लोगों के साथ ठगी कर रहे हैं। जबकि इन कॉलोनियों में सीवेज लाइन, सड़क और अन्य सुविधाएं तक नहीं हैं।

बैरसिया रोड पर प्लॉट 600 वर्गफीट से लेकर 1500 वर्गफीट तक आसानी से 800 रुपए के रेट पर मिल रहे हैं, लेकिन इन कॉलोनियों में सुविधाओं तक नहीं हैं। जबकि यहां का वर्तमान कलेक्टर गाइडलाइन से रेट करीब 900 रुपए वर्गफीट है। इधर कोलार इलाके के चारों सेक्टरों के दाम एक बराबर हैं।

सख्ती के बाद गिर गई प्रॉपर्टी की सेल

कोर्ट का करना पड़ेगा रुख

भौंरी में एक अप्रैल 2025 को जमीनों के दाम तीन सौ फीसदी बढ़ाकर 5 करोड़ 60 लाख रुपए प्रति हेक्टेयर कर दिए गए थे। जिसके बाद किसानों ने हाईकोर्ट का रुख किया। जिसके आधार पर दाम घटाकर 3 करोड़ 60 लाख रुपए कर दिए गए हैं। ऐसे में अन्य जगहों पर भी राहत के लिए किसानों को हाईकोर्ट का रुख करना पड़ेगा।

जैकेट का शेष ...

तेल की लड़ाई ...

चीन, रूस व ईरान से दोस्ती बढ़ाना महंगा पड़ाः दोनों देशों के बीच विवाद की पहली चिंगारी 1999 में भड़की जब वेनेजुएला में वामपंथी राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज की सरकार सत्ता में आई। शावेज ने तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया। इसका असर यह हुआ कि वेनेजुएला के तेल उद्योग में अमेरिकी कंपनियों की भूमिका घट गई। इस बीच वेनेजुएला की वाम सरकार ने क्यूबा, रूस और चीन के साथ ईरान से करीबी बढ़ा ली, जो सीधे तौर पर अमेरिका की शक्ति को चुनौती देने के कदम के तौर पर देखा जाने लगा।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति नहीं हैं मादुरो- मार्को रूबियोः अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रूबियो ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि निकोलस मादुरो वेनेजुएला के राष्ट्रपति नहीं हैं और उनकी सरकार अवैध है. उन्होंने कहा कि मादुरो कार्टेल डे लॉस सोल्स के चीफ हैं, जो एक नार्को टेरर संगठन है और उसी ने वेनेजुएला पर कब्जा कर रखा है।

मादुरो सरकार अमेरिका में ड्रग्स की तस्करी में शामिल : अमेरिकी प्रशासन का दावा है कि वेनेजुएला की निकोलस मादुरो सरकार अमेरिका में ड्रग्स (विशेष रूप से फेंटेनाइल और कोकीन) की तस्करी में शामिल है। ट्रंप प्रशासन ने इसे एक राष्ट्रीय आपातकाल मानते हुए वेनेजुएला को निशाना बनाने की कोशिश की है।

मासूम को नग्न कर ...

कपड़ा ओढ़ाकर तांत्रिक अनुष्ठान किए जाते थे। बच्चे को भरपेट खाना भी नहीं देते थे, जिसके कारण मासूम काफी बीमार हो गया है।

40 साल का हुआ ...

549-570 पॉइंट्स से हाल ही में 86,000 के लेवल तक का छूने वाले सेंसेक्स ने ताबड़तोड़ रिटर्न दिया है। यह 15,594% का एब्सल्यूट रिटर्न इसके 40-साल के परफॉर्मेंस पर हाल की रिपोर्ट्स से मेल खाता है, जो कुल रिटर्न के आधार पर लगभग 15% सीएजीआर के बराबर है

अब सुबह 9 ...

उपलब्ध होगी। इसी तरह एम्स मेट्रो स्टेशन से अंतिम मेट्रो शाम 7 बजकर 30 मिनट पर और सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन से अंतिम ट्रेन 6 बजकर 55 मिनट पर रवाना होगी।

पहले सुबह 9 बजे से मेट्रो का संचालन शुरू होकर रात 7 बजे तक था। एम्स

पेज एक का शेष

पिता के साथ....

को गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के समय बाइक पर उसके पिता बसंत यादव भी सवार थे, जिन्हें मामूली चोटें आई हैं। उन्हें इलाज के लिए सिविल अस्पताल नैनपुर में भर्ती कराया गया है। मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल लाया गया। बताया जा रहा है कि घना कोहरा और सड़क पर खड़ी गाड़ी इस हादसे का मुख्य कारण बने। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

रात के तापमान ....

की रही। दिन का पारा 19.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से 5.4 डिग्री कम। रात का पारा 13.4 डिग्री रहा। जबलपुर में 8.3 डिग्री की रही। यहां दिन का पारा 17.2 डिग्री रहा, जो नॉर्मल से 6.1 डिग्री कम है। रात का पारा 12.5 डिग्री रहा है। उमरिया में 6.5 डिग्री की कमी के साथ 18 डिग्री रहा, जो सामान्य से 6 डिग्री कम है। यहां रात का पारा 11.9 डिग्री रहा। सीधी, रीवा, नरसिंहपुर, मंडला, दमोह में 3 से 6 डिग्री तक कमी आई।

समाज को चलाने-...

से हम अलग दिख सकते हैं, लेकिन राष्ट्र, धर्म और संस्कृति के स्तर पर हम सभी एक हैं। इसी विविधता में एकता को स्वीकार करने वाला समाज हिंदू समाज है। उन्होंने कहा कि हिंदू कोई संज्ञा नहीं, बल्कि एक स्वभाव है, जो मत, पूजा पद्धति या जीवनशैली के आधार पर झगड़ा नहीं करता।

सभी समाजों ने ...

कर रहा है। जैन मिलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष देवेंद्र जैन ने पर्यावरण संरक्षण, गोशाला संचालन, स्वास्थ्य सेवा, रक्तदान और शिक्षा के क्षेत्र में चल रहे कार्यों की जानकारी दी। मीणा समाज सेवा संगठन के रामनिवास रावत ने प्रकृति संरक्षण, पौधारोपण और पर्यावरण जागरूकता के प्रयासों का उल्लेख किया। अखिल भारतीय यादव महासभा के कृष्णा संघर्ष यादव ने शिक्षा, स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और पर्यावरण संरक्षण में किए जा रहे प्रयासों को साझा किया। सोंधिया राजपूत समाज के प्रताप सिंह सिसोदिया ने फिजूलखर्ची रोकने, सामूहिक विवाह, शिक्षा, संस्कार और जैविक खेती को बढ़ावा देने की जानकारी दी। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के सुनील श्रीवास्तव ने वैवाहिक परिचय सम्मेलन, रोजगार मेले और मंदिर जोड़ो अभियान का उल्लेख किया। जाटव समाज के रामावतार मौर्य ने समाज में नवचेतना, धर्मांतरण रोकने और सामाजिक अधिकारों के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। माहेश्वरी समाज की रंजना बहेती ने 'बेटी ब्याहो और बहू पढ़ाओ' जैसे अभियानों और महिला आत्मरक्षा कार्यक्रमों का उल्लेख किया।

संघ और शिव ....

को सजग रहने का आह्वान किया। पंडित मिश्रा ने 'ग्रीन महाशिवरात्रि' जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि घर-घर मिट्टी के शिवलिंग की पूजा सामाजिक समरसता का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव बैठक का मूल उद्देश्य यही है कि हम अपने साथ-साथ अपने पड़ोसी और समाज को भी लेकर आगे बढ़ें। जैसे लंगर में जाति नहीं पूछी जाती, वैसे ही राष्ट्र निर्माण के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए।

भारत-न्यूजीलैंड ...

बिक्री शुरू हुई थी। सुबह 5:15 बजे से पहले ही सभी टिकट बुक हो गए। मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) ने पहले ही साफ कर दिया था कि मुकाबले के लिए एक भी टिकट ऑफलाइन नहीं मिलेगा।

भारतीय टीम का...

गई है। टी20 विश्व कप को देखते हुए हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है। यह सीरीज 11 जनवरी से वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होगी। चोट के बाद श्रेयस अय्यर की वापसी हुई है। दूसरा वन डे 14 जनवरी को राजकोट में होगा।

बीसीसीआई के निर्देश...

बीसीसीआई ने केकेआर को एक रिप्लेसमेंट खिलाड़ी लेने की अनुमति दी है। इससे जुड़ी आगे की जानकारी समय आने पर साझा की जाएगी।

'पौष पूर्णिमा' स्नान ...

कैमरे लगाए गए हैं, जिनके जरिए हर गतिविधि पर 24 घंटे नजर रखी जा रही है। इसके अलावा ड्रोन के माध्यम से भी भीड़ और यातायात की लगातार निगरानी की जा रही है। जल सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के गोताखोरों को संगम और आसपास के घाटों पर तैनात किया गया है। किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए एटीएस, बम डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीएस) और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की भी तैनाती की गई है।

रामायण के मूल्य ...

सकती है। थाईलैंड की डॉ. करुणा शर्मा ने रामायण के अंतिम प्रसंगों में रावण (थोसाकन) की मनःस्थिति का विश्लेषण करते हुए रामचरितमानस और थाई रामायण रामाकियन के अंतर बिंदुओं पर प्रकाश डाला। प्रो. निशा पांडे ने कहा कि रामायण का प्रत्येक पात्र धर्म, कर्तव्य और राजनीति के संतुलित जीवन का मार्ग दिखाता है। उन्होंने धर्म के पांच स्तंभों के माध्यम से सामाजिक विकास और धर्म की पुनर्स्थापना पर बल दिया। 'रोम में राम' विषय पर श्री नमः शिवाय अरजरिया, जिला पंचायत सीईओ (छतरपुर) ने बताया कि ईसा पूर्व 950–70 ई.पू. के कालखंड की एट्रस्केन सभ्यता की पेंटिंग्स इटली के संग्रहालयों में उपलब्ध हैं, जिनमें रामकथा के संकेत मिलते हैं। उन्होंने विभिन्न देशों की रामायण परंपराओं में पात्रों के दार्शनिक पक्षों की विवेचना की। डॉ. वीनू अरुण (मॉरीशस) ने रामायण शोध संस्थान द्वारा युवाओं के बीच किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। थाईलैंड से आए मिस्टर किट्टी पोंग ने हिंदी में वक्तव्य देते हुए बताया कि थाई रामायण रामाकियन को बच्चों और युवाओं को नृत्य के माध्यम से सिखाया जाता है तथा रामानंद सागर की रामायण का थाई भाषा में अनुवाद भी किया गया है।

आईएएस क्षितिज ...

था। यहां तक कि खुद महापौर पुष्यमित्र ने यादव की शिकायत करते हुए आरोप लगाया था उनकी बातें ही नहीं सुनी जा रही है, ऐसे में महापौर रहने का कोई मतलब नहीं रहता। इसके बाद ही सरकार ने उन्हें हटाने का निर्णय ले लिया।

आज कांग्रेस भाजपा ...

के बाहर घड़ियाल बजाकर सोई हुई सरकार को जगाने का काम करेगी। हालांकि, कमेटी के सदस्य जयवर्धन सिंह इस दौरे में शामिल नहीं हो सके।

सेलकॉर कंपनी के प्रोडक्ट तक आम आदमी की पहुंचः अग्रवाल

भोपाल। भारतीय बाज़ार में तेजी से उभरती हुई सेलकॉर कंपनी ने आज अपनी पकड़ शहर-शहर के साथ गांव-गांव में भी मजबूत कर ली है। शनिवार को भोपाल में सेलकॉर कंपनी के डायरेक्टर निखिल अग्रवाल कूलर लांचिंग में आए।

उन्होंने बताया कि सभी फाइनेंस कंपनी के साथ हमारा एसोसिएट है, जिससे आसानी से कंज्यूमर को प्रोडक्ट्स मिल जाता है। कंपनी के नेशनल सर्विस हेड सौरभ चौहान ने बताया कि हम घर-घर पहुंच सेवा देते हैं और 24 घंटे में शिकायत भी दूर कर देते हैं। जिससे कंज्यूमर खुश होता है और रिटेल बंधु का विश्वास बढ़ता है। त्रिवेणी प्रसाद एमपी सीजी के रीजनल सेल्स मैनेजर ने बताया कि हमारे पास एलईडी के सम्पूर्ण रेंज 32 से 98, वाशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर, एसी, स्पीकर, कूलर, मोबाइल, प्रेस, मिक्सर आदि प्रोडक्ट्स है जो आसानी से पास की किसी भी दुकान से खरीद सकते हैं।

'शौर्य के कदम, क्रांति की ओर' यात्रा का स्वागत

भोपाल। एनसीसी पीएम रैली 2026 के अंतर्गत पुणे से दिल्ली तक साइकिल अभियान 'शौर्य के कदम, क्रांति की ओर' का आरकेडीएफ विश्वविद्यालय में स्वागत किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि एडिशनल डायरेक्टर जनरल जेपी सिंह, एपी सिंह, अध्यक्ष, ह्यूमन राइट्स कमीशन, प्रो. विजय अग्रवाल, कुलपति, आरकेडीएफ विश्वविद्यालय आदि उपस्थित रहे।

लोडिंग वाहन की टक्कर से पलटा ई-रिक्शा, बुजुर्ग चालक की मौत

भोपाल। टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित टीनशेड कलारी के पास शनिवार सुबह पीछे से आ रहे तेज रफ्तार लोडिंग वाहन की टक्कर से ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में रिक्शा चला रहे 65 साल के बुजुर्ग चालक मकान नंबर 50, जहांगीराबाद निवासी मोहम्मद कमर खान (65) सिर में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें एंबुलेंस की मदद से जेपी अस्पताल रवाना किया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई थी। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, मध्यप्रदेश
भू-तल, विन्ध्याचल भवन, भोपाल
पिन - 462004

:: संक्षिप्त निविदा सूचना ::

भोपाल, दिनांक 31/12/25

क्रमांक /6283/2025/आसांसं/प्रषा/स्टोर, आयुक्त, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, विन्ध्याचल भवन, भोपाल हेतु टेबलेटों का क्रय GEM के माध्यम से बिड क्रमांक GEM/2025/B/7040625 दिनांक 30.12.2025 को प्रसारित की जा चुकी है। अतः इच्छुक निविदाकारों द्वारा निविदा शर्तों, आदि का अवलोकन विभाग की वेबसाईट www.des.mp.gov.in पर किया जा सकता है।

निविदाओं को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार आयुक्त, आर्थिक एवं सांख्यिकी म.प्र. भोपाल को रहेगा।

उपसंचालक (प्रशा.)
आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय
म.प्र.

G-23808/25 " स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता "

आम सूचना
(खसरा क्रमांक 206/1 रकबा 0.770 हैक्टेयर ग्राम बमूलिया पवार, जिला रायसेन म.प्र. के संबंध में)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्री खेमचंद बाथम आ. स्व. श्री पन्ना लाल बाथम निवासी:–301, सर्वधर्म कॉलोनी, आई.आई.पी.एम. कॉलेज, सेक्टर–बी, कोलार रोड, जिला भोपाल म.प्र. से उनके स्वत्व–स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि खसरा क्रमांक –206/1 रकबा 0.770 हैक्टेयर स्थित ग्राम–बमूलिया पवार, पटवारी हल्का क्रमांक–3/6, तहसील गौहरगंज, जिला रायसेन म.प्र. को क्रय करने हेतु अग्रिम राशि का भुगतान कर दिया है, जिस का विधिवत् विक्रय पत्र इस आम सूचना के प्रकाशन की अवधि के बाद कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर किया जावेगा। यदि उक्त सम्पत्ति अथवा उसके किसी भाग पर किसी भी अन्य व्यक्ति का कोई स्वत्व –स्वामित्व, आधिपत्य विक्रय अनुबंध पत्र, विक्रय पत्र, बंधक या किसी भी प्रकार का कोई अंतरण हो तो वह मुझे इस आम सूचना के प्रकाशन से सात दिन की अवधि में लिखित दस्तावेजों सहित आपत्ति मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें यदि मुझे इस अवधि में कोई लिखित आपत्ति प्राप्त नहीं हुई तो मेरे पक्षकार उक्त सम्पत्ति को क्रय करने के लिए निर्धारित समयावधि में विक्रय पत्र का पंजीयन करवा लेंगे तथा उस परिस्थिति में बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

मनीष रावतिया अधिवक्ता
232, जोन-1,एम.पी.नगर भोपाल,
मोबा. नं. : 9826295991

आम सूचना

एक किता भूखण्ड क्र.-30, स्थित ग्राम पुरामनभवन, तहसील हुजूर, जिला भोपाल में स्थित का मूल दस्तावेज विक्रय पत्र गुमने के संबंध में

सर्व साधारण को यह सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकार नीरज कुशवाहा पत्नी श्री संजय कुशवाहा, निवासी-1212, आरिफ नगर, बैरसिया रोड, भोपाल के स्वतंत्र स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक किता भूखण्ड क्र.-30 जो कि खसरा क्र. -76/1/1/1 (एस) का अंश भाग होकर ग्राम पुरामनभवन, तहसील हुजूर, जिला भोपाल में स्थित हैं, उक्त भूखण्ड का मूल विक्रय पत्र जिसका उप-पंजीयक कार्यालय, भोपाल-1 में ई. पंजीकरण संख्या-MP059692024A1252849 एवं पंजीकरण तिथि-28/02/2024 के तहत दर्ज हैं, जो कि मेरी पक्षकार के नाम पर हैं, वह मेरी पक्षकार से कही गुम हो गया हैं, मेरी पक्षकार घोषणा करती हैं कि उनके द्वारा उक्त भूखण्ड को कहीं दान, बन्धक, गिरवी, हस्तांतरण, विक्रय, अनुबंधित आदि नही किया गया है, यदि किसी व्यक्ति द्वारा उक्त दस्तावेज का दुरूपयोग किया जाता है अथवा किसी प्रकार का कोई विधि विरूद्ध कार्य करते हुये दान, बन्धक, गिरवी, हस्तांतरण, विक्रय, अनुबन्धित करता है तो दाण्डिक कार्यवाही की जावेगी, यदि किसी व्यक्ति को मेरे पक्षकारगण के उक्त मूल दस्तावेज प्राप्त हो तो वह मेरे नीचे उल्लेखित पते पर सूचना देवें।

सुनील कुमार जैन (अधिवक्ता)
कार्या.- "आर. के. जैन लॉ चेम्बर"
67, आदर्श हास्पटिल के पास,
थाना रोड, शाहजहॉनाबाद, भोपाल
462001 (म.प्र.)
मो.नं. 9131859720

आम सूचना

एक किता तीन बी.एच. के. फ्लेट क्रं.-402 स्थित-The Bellaire Mint, IRIS Block, ग्राम गोंदरमउ, तहसील हुजूर, जिला भोपाल का मूल दस्तावेज विक्रय पत्र गुम हो जाने के संबंध में-

सर्व साधारण को यह सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकार श्रीमती रश्मी केसवानी पत्नी श्री मनीष केसवानी, निवासी-फ्लेट क्रं.-402, आईरिस अपार्टमेंट, द ब्लेयर कैंपस, एयरपोर्ट रोड, गांधी नगर, भोपाल के स्वतंत्र स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक किता तीन बी.एच. के. फ्लेट क्रं.-402 जो कि The Bellaire Mint के IRIS ब्लाक के चतुर्थ तल पर निर्मित होकर ग्राम गोंदरमउ, तहसील हुजूर, जिला भोपाल में स्थित हैं, जिसके दस्तावेज विक्रय पत्र का विधिवत पंजीयन उप-पंजीयक कार्यालय, भोपाल-1 में ई.पंजीकरण संख्या-MP059692022A1870458 एवं पंजीकरण तिथि-25/08/2022 के तहत मेरी पक्षकार के नाम पर दर्ज हैं, उक्त दस्तावेज विक्रय पत्र (रजिस्ट्री) मेरी पक्षकार से कहीं गुम हो गया है, मेरी पक्षकार घोषणा करती हैं कि उनके द्वारा उक्त फ्लेट कहीं दान, बन्धक, गिरवी, हस्तांतरण, विक्रय, अनुबंधित आदि नही किया गया है, यदि किसी व्यक्ति द्वारा उक्त दस्तावेज का दुरूपयोग किया जाता है अथवा किसी प्रकार का कोई विधि विरूद्ध कार्य करते हुये दान, बन्धक, गिरवी, हस्तांतरण, विक्रय, अनुबन्धित करता है तो दाण्डिक कार्यवाही की जावेगी, यदि किसी व्यक्ति को मेरी पक्षकार के उक्त मूल दस्तावेज प्राप्त हो तो वह मेरे नीचे उल्लेखित पते पर सूचना देवें।

सुनील कुमार जैन (अधिवक्ता)
कार्या.- "आर. के. जैन लॉ चेम्बर"
67, आदर्श हास्पटिल के पास,
थाना रोड, शाहजहॉनाबाद, भोपाल
462001 (म.प्र.)
मो.नं. 9827016994

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर

AN ISO 9001: 2015 CERTIFIED OFFICE
इंदिरा गांधी मार्ग, साउथ सिविल लाईन, जबलपुर, (म.प्र.) पिन-482001
Phone No. 0761-2621541 E-mail:- cepwdcentral@nic.in
निविदा सूचना क्रमांक 16/सा/2025-26 // निविदा आमंत्रण सूचना // जबलपुर, दिनांक 29.12.2025

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। यह निविदा वेबसाइट http://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

सं क्रं	टेन्डर आई.डी.	जिला/ लो.नि.वि. संभाग	कार्य का नाम	आमंत्रण	कार्य की अनुमानित राशि रू. (लाख में)	अमानत राशि रू.	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_ PWDRB_ 471241_1	जबलपुर क्रं.-1	कटंगा तिराहा से छोटी लाईन फाटक तक लंबाई 1. 60 कि.मी. मार्ग का केबिल डक्ट के साथ सुदृड़ीकरण एवं नाली निर्माण अण्डर ग्राउण्ड एच.टी. एल.टी. लाईन तथा इन्यूमिनेशन कार्य सहित।	प्रथम	1368.04 लाख	10,00,000/-	30,000/-	12 माह वर्षाऋतु सहित
2	2025_ PWDRB_ 471506_1	जबलपुर क्रं.-1	सांई मंदिर, आदर्श नगर से ग्वारीघाट मार्ग तक व्हाईट टॉपिंग कार्य लंबाई 3.10 कि.मी. (4 लेन) का कार्य विद्युतीकरण सहित।	प्रथम	1547.18 लाख	10,00,000/-	30,000/-	12 माह वर्षाऋतु सहित
3	2025_ PWDRB_ 471510_1	मण्डला	मगरधा से बोधा बांध तिलहरी मार्ग का निर्माण लं. 4.50 कि.मी. का कार्य विद्युतीकरण सहित।	प्रथम	770.45 लाख	7,70,500/-	20,000/-	08 माह वर्षाऋतु सहित
4	2025_ PWDRB_ 471483_1	नरसिंहपुर	नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत ढोंडा (हेमरा) से केसला मार्ग लं. 4.75 कि.मी. का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित।	द्वितीय	608.17 लाख	6,08,500/-	20,000/-	07 माह वर्षाऋतु सहित
5	2025_ PWDRB_ 471484_1	नरसिंहपुर	गाडरवारा उपसंभाग के अंतर्गत सिहोरा से मेहगवां भार्ग लं. 7.00 कि.गी. का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित।	द्वितीय	726.52 लाख	7,27,000/-	20,000/-	07 माह वर्षाऋतु सहित
6	2025_ PWDRB_ 471485_1	नरसिंहपुर	गाडरवारा उपसंभाग के अंतर्गत बम्होरीकलां से सुपारी मार्ग लं. 4.30 कि.मी. का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित।	द्वितीय	508.35 लाख	5,08,100/-	20,000/-	06 माह वर्षाऋतु सहित

टीपः- निविदा का विस्तृत विवरण म.प्र. शासन की निविदा पोर्टल http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान करने पर प्राप्त हो सकेंगे। निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने की अंतिम तिथि 15.01.2026 समय 5:30 PM तक है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त बेवसाईट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही किया जावेगा।

मुख्य अभियंता. लो.नि.वि.
जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर

G-23799/25 " स्वच्छता ही सेवा "

R- 04/12/25 to 17/01/26

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

– व्यावस्थापक

राशिफल

मेष आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। परिवार का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ सन्तोषजनक रहेगा।

वृष रहन–सहन अव्यवस्थित हो सकता है। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। मानसिक शान्ति रहेगी।

मिथुन नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। यात्रा पर जाना पड़ सकता है। खर्चों से परेशान हो सकते हैं। परिश्रम की अधिकता रहेगी। मांगलिक कार्य होंगे।

कर्क कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। सेहत का ध्यान रखें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कुटुम्ब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। परिश्रम अधिक होगा।

सिंह लेखनादि–बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। धार्मिक संगीत के प्रति रुचि हो सकती है।

कन्या मित्रों का सहयोग मिल सकता है। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। मन अशान्त रहेगा। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

तुला पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार में सुख–शान्ति रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मान–सम्मान में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा। वस्त्रों आदि के प्रति रुझान बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी।

धनु किसी पुराने मित्र से पुन:सम्पर्क हो सकता हैं। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार रहेंगे। स्वास्थ्य विकार रहेंगे।

मकर नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती हैं।

कुंभ स्थान परिवर्तन भी सम्भव है। खर्च बढ़ेंगे। मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु अपनी भावनाओं को वश में रखें। क्रोध की तीव्रता में कमी आएगी।

मीन कारोबार में विस्तार के लिए निवेश कर सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। माता से भी धन प्राप्ति हो सकती है। धन की स्थिति में सुधार होगा। मान सम्मान बढ़ेगा।

शब्द पहेली - 6098

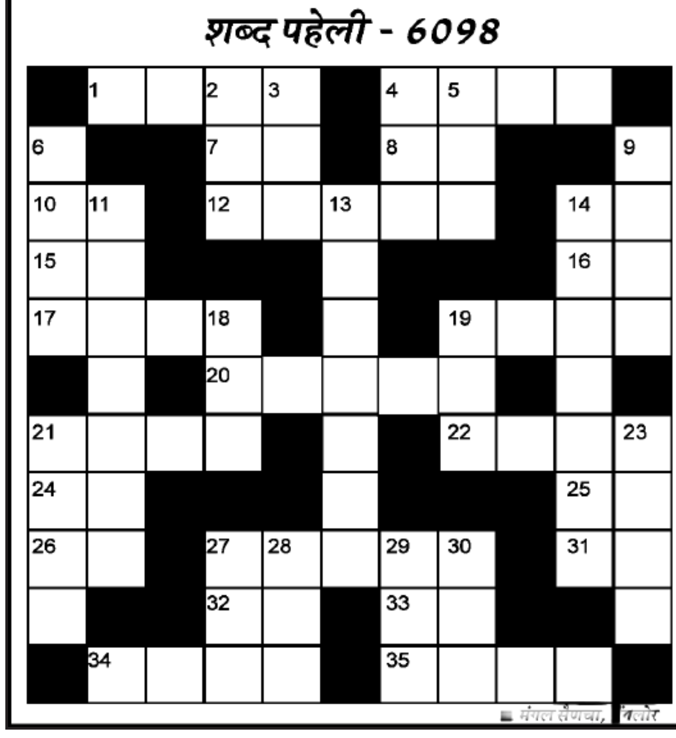

बाएँ से दाए-
1.एक असुर जिसे शिव ने वरदान दिया था -4
4.दान देने वाला-4
7.सवारी गाड़ी-2
8.संख्या,रत्न-2
10.जाप,मंत्र पाठ-2
12.आक्रमणकारी-5
14.अपशिष्ट पदार्थ-2
15.दिन,प्रहार-2
16.भीगा हुआ-2
17.शिशु,पैदा हुआ बच्चा-4
19.कीमती-4
20.आलसी,निष्ठाहीन-5
21.जिसे दीक्षा नहीं दी गई हो-5
22.गारंटी,मुचलका-4
24.रिश्तेदार-2
25.शेर,नाहर-2
26.पिटाई,चोट-2
27.निम्नता,न्यूनता-5
31.परिणाम,निष्कर्ष-2
32.महेंद्रसिंह धोनी को इस नाम से भी जानते हैं-2
33.मूल,कंद-2
35. पितृपक्ष-2

ऊपर से नीचे
2.सवेरा,भोर-3
3.सांभर जैसा आहार -3
4.दैत्य,असुर-3
5.शहर-3
6.तरुण,जवान-4
9.एक महीन व कीमती कपड़ा-4
11.ईश्वर,रब-7
13.डांट,फटकार, भर्त्सना -3,4
14.भारत के पुर्व प्रधानमंत्री-5,2
18.अधीन-3
19.निवेदन,प्रार्थना-3
21.असमतल-4
23.धमाका, सनसनी-4
27.करिश्मा-3
28.बारीक-3
29.कपड़े धोनेवाला-3
30.पिटाई करना, भांपना-3

शब्द पहेली - 6097 का हल

सूडोकु नवताल - 6108

★★★★☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6107 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

इस साल लार्ज-कैप पर फोकस करें व सेक्टर चयन में बरतें समझदारी

▶▶ स्मार्ट निवेशकों को 2026 के लिए निवेश के टिप हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप सबसे बेस्ट

▶▶ 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा, इसमें अच्छा रिटर्न देने की क्षमता

▶▶ बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ सेक्टर रहेंगे

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेश के नजरिये से देखा जाए तो वर्ष 2025 बेहद उतार-चढ़ाव वाला साल रहा। मिडकैप और स्मॉलकैप फंड्स ने जहां निवेशकों को निराश किया, वहीं लार्ज कैप फंड्स ने फायदा पहुंचाया है। अब बाजार के जानकारों का कहना है कि वर्ष 2026 के लिए निवेशकों निवेश के लिए धैर्य के साथ बेहतर रणनीति बनानी होगी, ताकि उनकी ग्रोथ बरकरार रह सके। अब 2026 में महंगाई के नियंत्रण में रहने, ब्याज दरों में संभावित कटौती और भू-राजनीतिक जोखिमों के धीरे-धीरे कम होने से बाजार के माहौल में सुधार की उम्मीद है। जानकारों ने 2026 में लार्ज-कैप शेयरों पर फोकस करने की सलाह है। हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता, बेहतर बैलेंस शीट और मजबूत अर्निंग हासिल करती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पोर्टफोलियो का लगभग 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा. मिड और स्मॉल-कैप में अवसर हैं, लेकिन केवल चुनिंदा और मजबूत कंपनियों में ही निवेश करना चाहिए। बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ के सेक्टर रहेंगे। ऐसे में इन सेक्टरों पर निवेश के लिए फोकस किया जा सकता है।

यह वर्ष सावधानी के साथ अवसर वाला

नए साल की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए ज्यादा बैलेंस और उम्मीदों से भरी दिख रही है। 2025 में ग्लोबल टेंशन, हाई वैल्यूएशन और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद भारतीय बाजार घरेलू निवेशकों की मजबूत भागीदारी से टिका रहा। यह साल "सावधानी के साथ अवसर" वाला माना जा सकता है। एक ब्रोकरेज हाउस ने 2026 की इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी पर अपनी एक रिपोर्ट दी है। इसमें कहा गया है कि निवेशकों को लार्ज कैप फंड्स पर फोकस करना चाहिए, चूंकि लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता प्रदान करती हैं।

निवेश के लिए यह दी सलाह

ब्रोकरेज हाउस ने गोल्ड और सिल्वर में एलोकेशन घटाकर 5 फीसदी और डेट कैटेगरी (बॉन्ड/फिक्स्ड इनकम) में 10 फीसदी करने की सलाह दी है, ताकि स्थिरता और जोखिम संतुलन बना रहे। जैसे-जैसे वैश्विक जोखिम कम होंगे, इक्विटी की ओर झुकाव बढ़ेगा। निवेशक 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखें। इसके अलावा गोल्ड, सिल्वर में 5% और डेट कैटेगरी में 10% निवेश की सलाह दी जाती है। इससे आपका पोर्टफोलियो बैलेंस रहेगा और निवेश में मुनाफा होगा, नुकसान नहीं।

इन सेक्टर पर करें फोकस

सेक्टर लेवल पर, बैंकिंग और फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी 2026 के प्रमुख ग्रोथ सेक्टर माने गए हैं। ब्याज दरों में कटौती से बैंकों को क्रेडिट ग्रोथ का फायदा मिलेगा, जबकि सरकारी कैपेक्स और निजी निवेश में सुधार से इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों को सपोर्ट मिलेगा। टैक्स राहत, कम महंगाई और 8वें वेतन आयोग जैसी उम्मीदों से उपभोक्ता खर्च बढ़ने की संभावना है।

टिकाऊ ग्रोथ वाला साल

कुल मिलाकर, 2026 को "धीरे लेकिन टिकाऊ ग्रोथ" का साल माना जा रहा है। निफ्टी-50 के लिए दिसंबर 2026 तक लगभग 29,150 का लक्ष्य रखा गया है, जो करीब 12% सालाना रिटर्न का संकेत देता है। हालांकि हाई वैल्यूएशन, विदेशी निवेशकों की वापसी में देरी और वैश्विक घटनाक्रम जोखिम बने रहेंगे। इसलिए 2026 की सबसे अच्छी निवेश रणनीति होगी-लार्ज-कैप पर फोकस, सेक्टर चयन में समझदारी, और डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो के साथ धैर्य।

क्या हैं लार्जकैप फंड्स

लार्ज-कैप फंड्स उन कंपनियों में निवेश करते हैं, जिनकी मार्केट कैपिटलाइजेशन 20,000 करोड़ रुपये से अधिक होती है। ये फंड्स स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाने जाते हैं, जो उन्हें लंबी अवधि के निवेशकों के लिए उपयुक्त बनाते हैं।

टॉप लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड्स

- ▶▶ निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 27% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- ▶▶ आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- ▶▶ एचडीएफसी लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%
- ▶▶ इन्वेस्को इंडिया लार्जकैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 22% और 10-वर्षीय रिटर्न 15%
- ▶▶ टाटा लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 21% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%

लार्ज-कैप फंड्स के फायदे

- ▶▶ स्थिरता और कम जोखिम
- ▶▶ लंबी अवधि के निवेश के लिए उपयुक्त
- ▶▶ अनुभवी फंड मैनेजर्स द्वारा प्रबंधित
- ▶▶ विविध पोर्टफोलियो

बिना बिल घर में रख सकते हैं कितना सोना, समझ लें नियम

■ शादी, विरासत और गिफ्ट में मिले गोल्ड पर ऐसे हैं टैक्स के नियम

■ अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत बताए

जानकारी
बिजनेस डेस्क

भारत में शादी ब्याह का सीजन चल रहा है। इसका मतलब है कई पारिवारिक कार्यक्रम और साथ ही घरों में लॉकर से सोना निकालकर दुल्हन के गहनों में शामिल किया जाना। आम धारणा के उलट, भारत में किसी व्यक्ति या परिवार के पास सोने की मात्रा पर कोई कानूनी सीमा नहीं है। शर्त सिर्फ यह है कि सोना खरीदने या पाने का स्रोत बताया जा सके। ज्यादातर लोग जिन सीमाओं का जिक्र करते हैं, वे सीबीडीटी (सीबीडीटी) की नॉन-सीजर गाइडलाइंस से जुड़ी हैं। ये गाइडलाइंस आयकर विभाग की तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान लागू होते हैं। ये सोना रखने की सीमा नहीं हैं, बल्कि वह मात्रा है, जिनके भीतर होने पर, दस्तावेज न होने की स्थिति में भी आमतौर पर गहने जब्त नहीं किए जाते।

ये बातें नजरअंदाज न करें

ये लचीले नियम सिर्फ व्यक्तिगत और घरेलू इस्तेमाल के गहनों पर लागू होते हैं, न कि इन मामलों में निवेश के तौर पर जमा किया गया सोना, बड़ी मात्रा में रखे गए बुलियन, सिक्के या सोने की ईंटें, बिना वित्तीय स्रोत बताए ट्रेडिंग या सट्टे के लिए जमा किया गया सोना अगर सोने की मात्रा तय सीमा से ज्यादा है और उसका स्रोत नहीं बताया जा सकता, तो अतिरिक्त सोना अघोषित निवेश माना जा सकता है। ऐसे में भारी टैक्स और जुर्माना लगाया जा सकता है।

फाइनेंशियल एक्सपर्ट के अनुसार आज के समय में इसका मतलब रुपये के लिहाज से क्या होता है। एक सामान्य परिवार, जिसमें पति, पत्नी और एक अविवाहित बेटी शामिल हों, उसके लिए कानूनी रूप से स्वीकार्य सोने की मात्रा इस प्रकार है। पत्नी 500 ग्राम, पति 100 ग्राम, बेटी 250 ग्राम। इस तरह कुल सोना 850 ग्राम होता है।

कितना सोना रखना कानूनी रूप से सही

अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत समझा सकता है, तो उन्हें रखने पर कोई पाबंदी नहीं है। इसमें विरासत में मिला सोना भी शामिल है। हालांकि, एक तय मात्रा तक सोना रखने के लिए स्रोत बताने की जरूरत नहीं होती।" विवाहित महिला 500 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है, अविवाहित महिला 250 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है। वहीं, पुरुष 100 ग्राम तक सोने के गहने रख सकते हैं। हिंदू अविभाजित परिवार सोने की मात्रा का आकलन परिवार की आय और सामाजिक स्थिति के आधार पर किया जाता है।

यह स्पष्टता क्यों जरूरी?

यह अंतर परिवारों के लिए बेहद अहम है, क्योंकि इससे टैक्स सर्च के दौरान बेवजह की घबराहट से बचाव होता है। भारतीय संस्कृति और परंपरा में गहनों के महत्व को मान्यता मिलती है। वैध घरेलू संपत्ति और अघोषित आय के बीच साफ फर्क किया जा सकता है। गलत जानकारी के कारण होने वाली महंगी कानूनी या अनुपालन संबंधी गलतियों से बचाव होता है। अधिकांश गलतियां दो छोरों पर होती हैं या तो लोग मान लेते हैं कि बिना बिल का कोई भी सोना अवैध है, या फिर बड़ी मात्रा में रखे गए, बिना स्रोत बताए गए सोने के लिए जरूरी दस्तावेजों को पूरी तरह नजरअंदाज कर देते हैं।

चांदी में 2026 में भी बड़ी संभावनाएं लेकिन संभलकर करना होगा निवेश

● बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश हो सकता है रिस्की ● अगले 1-2 साल में 90—100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव ● एमसीएक्स पर डेढ़ माह में चांदी करीब 50% तक उछली

सुझाव
बिजनेस डेस्क

पिछले डेढ़ महीने में चांदी ने जो रफ्तार दिखाई है, उसने निवेशकों को चौंका दिया है। इस दौरान एमसीएक्स पर चांदी करीब 50% तक उछल चुकी है और अब सवाल यही है कि क्या यह सिर्फ एक तेज रैली है या इसके पीछे कोई गहरी वजह छिपी है? हकीकत यह है कि यह उछाल अफवाहों या सट्टेबाजी का नतीजा नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर चांदी की भूमिका में आए बड़े बदलाव का संकेत है। फिलहाल इस सुपर रैली के बाद निवेशकों को चांदी में क्या करना चाहिए। जानकारों का कहना है कि चांदी 2026 में भी निवेशकों की चांदी करवाएगी, लेकिन इसके लिए लोगों को संभलकर निवेश करना होगा और रणनीति बनानी होगी, ताकि बाद में पछताना न पड़े। सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि चांदी की भूमिका वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90—100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है। यह निवेशकों को मालामाल कर सकती है।

चांदी की भूमिका में बड़ा बदलाव

जानकारों का कहना है कि कई सालों तक चांदी को या तो गहनों के लिस मेटल माना गया या फिर ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाला मेटल, लेकिन अब यह सोच बदल चुकी है। आज चांदी रणनीतिक इंडस्ट्रियल मेटल बन चुकी है। रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रिफिकेशन, डिजिटल इकॉनमी और रक्षा क्षेत्र में बढ़ती जरूरतों ने चांदी को उत्पादन के लिए अनिवार्य बना दिया है। यही वजह है कि इसकी मांग अब अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी बनती जा रही है।

इंडस्ट्रियल डिमांड क्यों है मजबूत

चांदी की सबसे बड़ी ताकत है इसकी बेहतरीन इलेक्ट्रिकल कंडक्टिविटी, जो इसे सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर्स, पावर ग्रिड और डिफेंस सिस्टम्स में बेहद जरूरी बनाती है। इन क्षेत्रों में कीमत से ज्यादा भरोसे और प्रदर्शन को अहमियत दी जाती है। इसका मतलब यह है कि दाम बढ़ने के बावजूद कंपनियां चांदी खरीदना बंद नहीं कर सकतीं। इसी वजह से चांदी की मांग अब प्राइस इनेलास्टिक हो गई है और गिरावट पर तुरंत सपोर्ट देखने को मिलता है।

ये रैली, पिछली रैलियों से क्यों अलग

लंबे समय तक चांदी की कीमतें फ्यूचर्स और पेपर ट्रेडिंग से तय होती रहीं, लेकिन जैसे ही ग्लोबल स्तर पर दाम संवेदनशील स्तरों तक पहुंचे, फिजिकल उपलब्धता का सवाल खड़ा हो गया। सप्लाई टाइट हुई, सेलर्स पीछे हटे और खरीदार मजबूर होकर ऊंचे दाम पर खरीदने लगे. नतीजा तेज सिंगल-डे मूव्स और लगातार ऊंची क्लोजिंग, जो यह दिखाते हैं कि बाजार अब राय नहीं, बल्कि हकीकत के आधार पर कीमत तय कर रहा है। आगे चलकर चांदी में संभावनाएं बनी हुई हैं। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की कमी बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90-100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है, लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि चांदी बेहद अस्थिर (वोलेटाइल) कमोडिटी है। 1980 और 2011 की तरह तेज रैली के बाद गहरी गिरावट भी आ सकती है। लंबे समय में 40 डॉलर प्रति औंस एक अहम सपोर्ट जोन माना जाता है। इसलिए चांदी में निवेश मौका जरूर है, लेकिन बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश रिस्की हो सकता है।

चांदी में निवेश के विकल्प

- **फिजिकल चांदी :** आप बाजार से चांदी के सिक्के, गहने या बार खरीद सकते हैं। इसमें चोरी या शुद्धता की चिंता रहती है, इसलिए बीआईएस हॉलमार्क्ड चांदी ही खरीदना चाहिए।
- **सिल्वर ईटीएफ :** ये एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों पर आधारित है। इसमें पैसा चांदी की कीमत के हिसाब से बढ़ता-घटता है। ये स्टॉक एक्सचेंज पर शेयरों की तरह ट्रेड होते हैं।
- **म्यूचुअल फंड्स :** चांदी से जुड़े म्यूचुअल फंड्स भी अच्छे विकल्प हैं। कमोडिटी फंड, खनन कंपनियों के शेयर और एमसीएक्स फ्यूचर्स-ऑप्शन्स भी विकल्प हैं।
- सोवरिन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) की तरह सिल्वर बॉन्ड : सरकार द्वारा जारी किए जाते हैं, जो चांदी की कीमतों से जुड़े होते हैं।

अलर्ट हर व्यक्ति कमाई को सही तरीके से निवेश कर बन सकता है मजबूत

बचत करने के लिए स्पष्ट योजना बनाएं और भविष्य को सुरक्षित करें

मनी मैनेजमेंट के टिप्स अपनाएं जेब नहीं होगी खाली, सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में

समझदारी
बिजनेस डेस्क

आज के समय में बहुत से लोग अच्छी कमाई करते हैं, लेकिन हर महीने यह महसूस करते हैं कि पैसा जैसे जेब से गायब हो जाता है। उनके पास कोई स्पष्ट योजना नहीं होती कि पैसा कहां जा रहा है और आखिर बचत कैसे करनी चाहिए। यह समस्या आज के समय में लगभग हर घर में देखने को मिलती है। कई लोग सही तरीके से पैसे को मैनेज नहीं करते, जिसकी वजह से ठीक-ठाक कमाई होने के बावजूद आर्थिक तनाव बना रहता है। अधिकतर लोगों में यही गलती रहती है कि वो कमाते तो ठीक-ठाक हैं, लेकिन पैसों को संभालने का कोई सिस्टम नहीं बनाते। इससे हर महीने के अंत में पैसे के मामले में निराशा होती है। अगर सही मनी मैनेजमेंट टिप्स अपनाए जाएं, तो कमाई को सही दिशा में लगाया जा सकता है और खुद को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ टिप्स जो आपको सही मनी मैनेजमेंट के गुर सिखाएंगे।

खर्च करने से पहले बचत को ऑटोमैटिक बनाएं

पहला और सबसे महत्वपूर्ण सुझाव है कि सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें। ज्यादातर लोग महीने का पूरा बजट बनाने के बजाय जितना बचेगा उतना बचत में डालते हैं, लेकिन यह तरीका अक्सर काम नहीं करता।

उनका सुझाव है कि महीने के पहले दिन ही अपने अकाउंट से एक तय रकम ऑटोमैटिक ट्रांसफर करें। यह रकम बचत खाते या निवेश खाते में जा सकती है। इससे न सिर्फ बचत हो जाएगी, बल्कि मन में पैसों को लेकर तनाव भी कम होगा। ऑटोमैटिक बचत करने वाले लोग महीने के अंत में पैसे के मामले में ज्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं और बड़े खर्चों के लिए भी तैयार रहते हैं।

हर खर्च को एप में ट्रैक करें

दूसरा टिप है बजटिंग ऐप्स का इस्तेमाल करना। कई लोग खर्च सिर्फ याददाश्त या नोटबुक पर रखते हैं, लेकिन इस तरह उनका सही हिसाब नहीं बन पाता। बजटिंग ऐप्स के माध्यम से हर छोटा-बड़ा खर्च रिकॉर्ड करें। जब लोग हर खर्च को ऐप में नोट करते हैं, तो उन्हें पता चलता है कि पैसा वास्तव में कहां जा रहा है। छोटे-छोटे खर्च जैसे कैफे में कॉफी, ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन या अनावश्यक शॉपिंग मिलकर बड़ी रकम बनाते हैं।" ऐप्स आपको खर्च के हिसाब से रिपोर्ट भी देते हैं, जिससे पता चलता है कि किस जगह से बचत की जा सकती है।

कैशबैक और रिवॉर्ड्स से स्मार्ट कमाई करें

तीसरा टिप है कैशबैक और रिवॉर्ड। आजकल लगभग हर बैंक, क्रेडिट कार्ड और पेमेंट ऐप में रिवॉर्ड पॉइंट्स, कैशबैक और रेफरल बोनस होते हैं। छोटे-छोटे ऑफर्स को इग्नोर करने से आप अपनी कमाई का हिस्सा गंवा सकते हैं। यूपीआई ऑफर्स, क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड्स और रेफरल बोनस को जोड़कर देखें, तो सालाना लाखों रुपये तक की बचत या स्मार्ट रिटर्न संभव है। यह तकनीक केवल उन लोगों के लिए नहीं है जो बड़ी कमाई करते हैं, बल्कि छोटे खर्च वाले लोग भी इसका फायदा उठा सकते हैं।

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD

मण्डलीय कार्यालय : ऑफिस काम्पलेक्स, गौतम नगर, भोपाल
फोन : 0755-2784821, 2600714, 2583669, 2602347

ई-नीलामी विक्रय सूचना

परिशिष्ट - IV क [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8(6) के अन्तर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु विक्रय सूचना

आम जनता को साधारणतः एवं निम्न वर्णित ऋणियों / बंधककर्ताओं एवं जमानतदारों को विशेषतः सूचित किया जाता है कि निम्नवर्णित संपत्तियाँ **इंडियन बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के पास बंधक है तथा **इंडियन बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे वर्णित संपत्तियों का **भौतिक कब्जा** ले लिया गया है। निम्नवर्णित संपत्तियों का विक्रय निम्न वर्णित दिनांक को **इंडियन बैंक, विदिशा शाखा (सुरक्षित लेनदार)** के निम्न वर्णित बकाया राशि को ऋणियों / बंधककर्ताओं एवं जमानतदारों से वसूल करने हेतु "जहां है, जैसा है" एवं "जो कुछ भी है" के आधार पर किया जा रहा है।

ऋणी/ जमानतदार/ बंधककर्ता का नाम	चल/अचल संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति मालिक का नाम	मांग सूचना दिनांक / कब्जा दिनांक / बकाया राशि	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड वृद्धि राशि
मृतक- **स्व. लक्षमण बाथम** के कानूनी अधिकारी द्वारा प्रतिनिधित्व, 1.श्रीमती आशा बाथम पत्नि स्व. लक्ष्मण बाथम 2. चन्द्रशेखर बाथम पुत्र लक्ष्मण बाथम, 3. सतीश बाथम पुत्र लक्ष्मण बाथम, 4. रूपेश बाथम पुत्र लक्ष्मण बाथम 5. मनीष बाथम पुत्र लक्ष्मण बाथम 6. राजेन्द्र बाथम पुत्र लक्ष्मण बाथम 7. सोनिया बाथम 8. डॉली रायकवार पत्नि अनिल रायकवार	Property ID No. IDIB10589453581 संपत्ति का समस्त भू भाग एवं मकान निर्मित प्लॉट क्रमांक 5 आरएमपी नगर फेस-1, टीला खेड़ी रोड विदिशा, तहसील विदिशा एवं जिला विदिशा क्षेत्रफल 750 वर्गफीट संपत्ति मालिक- स्व.श्री लक्ष्मण बाथम पुत्र नंदराम बाथम (मृतक) पता: प्लॉट क्रमांक 5 आरएमपी नगर फेस-1, टीला खेड़ी रोड विदिशा, चर्तुसीमाएं- (बिक्री विलेख के अनुसार) पूर्व में: प्लॉट क्रमांक 16 मंजू श्रीवास्तव, पश्चिम में: प्रस्तावित सड़क, उत्तर में: प्लॉट क्रमांक 6 सुरेश शर्मा का मकान, दक्षिण में: प्लॉट क्रमांक 4 बुलाखी लाल भार-ज्ञात नहीं	14/06/2024 / 03/10/2024 / ₹ 6,47,707/- + दिनांक 15.06.2024 से ब्याज एवं अन्य खर्च	₹ 12,03,000/- / ₹ 1,20,300/- / ₹ 10,000/-

ई-नीलामी की दिनांक एवं समय : 21/01/2026, को सुबह 11.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक ई-नीलामी प्लेटफार्म : http://BAANKNET.com पर संपन्न होगी।

सम्पर्क : 1. श्री प्रवाकर साहू, प्राधिकृत अधिकारी, 8780783580

बैंक वेबसाइट / ई-ऑक्शन वेबसाइट एवं संपत्ति के विवरण हेतु संबंधित प्रापर्टी आईडी का QR Code देखें।

Bank Website : www.indianbank.in E-auction website Property ID No. IDIB10589453581

निविदाकर्ता को सूचित किया जाता है वे ऑनलाइन नीलामी में भाग लेने हेतु हमारे ई-नीलामी सर्विस प्रदाता PSB alliance Pvt. Ltd., की वेबसाइट http://BAANKNET.com देखें। तकनीकी सहायता हेतु कृपया सम्पर्क करें 8291220220, email ID: support.ebkray@psballiance.com. इच्छुक निविदाकर्ता / क्रेता ई-नीलामी प्रक्रिया में ई-नीलामी सर्विस प्रदाता की वेबसाइट http://BAANKNET.com द्वारा भाग ले सकते हैं।
ई-नीलामी के इच्छुक भागीदार http://BAANKNET.com से विक्रय सूचना, ई-नीलामी की नियम एवं शर्तें नीलामी पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न ई-नीलामी के परिचालन भाग पर उपयोगकर्ता मेनुअल की प्रतियाँ निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं।
निविदाकर्ताओं से निवेदन किया जाता है संपत्ति के बारे में जानकारी हेतु प्रोपर्टी आईडी नं. से वेबसाइट http://BAANKNET.com देखें।
दिनांक : 30.12.2025, स्थान: भोपाल प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

भारत की स्वदेशी रक्षा प्रणाली पिछले एक दशक में 'आयात निर्भरता' से 'आत्मनिर्भरता' की ओर तीव्रतापूर्वक बढ़ी है। देश ने रक्षा क्षेत्र में न केवल अपनी तकनीकी व प्रौद्योगिकीय क्षमता को सिद्ध किया है, बल्कि हमारा देश वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख रक्षा निर्यातक के रूप में भी उभरा है। ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। भारत अब इसके हाइपरसोनिक संस्करण ब्रह्मोस-दो पर काम कर रहा है, जो मैक 7 से अधिक गति प्राप्त करने में सक्षम है। सन् 2029 तक रक्षा सामग्री उत्पादन का लक्ष्य तीन लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। रक्षा सामग्री का कुल निर्यात 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें विगत वर्ष की तुलना में बारह फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। ब्रह्मोस मिसाइल जैसे सौदे और स्वदेशी उत्पादन पर फोकस किए जाने के कारण आज भारत डिफेंस सेक्टर में ग्लोबल पावर बन कर उभर रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' के सफल परीक्षण से हमारे पारंरिक शत्रु सकते में हैं। भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए जिस तेजी के साथ स्वदेश में ही आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण कार्य आरंभ किया गया है, यकीनन वह दिन दूर नहीं है, जब भारत रक्षा क्षेत्र के उत्पादन में अपने पैरों पर पूर्णतया खड़ा हो जाएगा। भारत की रक्षा क्षेत्र में इसी उपलब्धि का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

रक्षा उत्पादन का स्वदेशीकरण

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

वरिष्ठ स्तंभकार

भारत की रक्षा व्यवस्था के जटिल यक्ष प्रश्न की विवेचना करनी है तो फिर सबसे पहले अत्यंत शक्तिशाली चीन की सैन्य चुनौती हमारे समक्ष उपस्थित हो जाती है। सन् 1947 में आजादी हासिल करने के पश्चात शांति और अहिंसा का परचम लहराते हुए तत्काल तौर पर भारतीय हुकूमत द्वारा अपनी रक्षा व्यवस्था पर समुचित ध्यान केंद्रित नहीं किया गया था। परिणामस्वरूप 1962 में विस्तारवादी फितरत के चीन द्वारा जब भारत पर भीषण आक्रमण अंजाम दिया गया तो फिर भारत को शर्मनाक तौर पर सैन्य पराजय का सामना करना पड़ा। इस ऐतिहासिक पराजय के तत्पश्चात भारत ने अपनी रक्षा व्यवस्था पर समुचित ध्यान देना प्रारंभ किया और सन् 1965 के भारत-पाक युद्ध में भारत ने अपनी फतह का झंडा लहरा दिया। भारत वस्तुतः पाकिस्तान को चार विकट युद्धों में पराजित कर चुका है। यहां तक कि सन् 1971 में बांग्लादेश युद्ध में पाकिस्तान को दो भागों में विभाजित भी कर चुका है। विगत तकरीबन 36 वर्षों से कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा संचालित प्रॉक्सी वार का भी अत्यंत कामयाबी से मुकाबला कर रहा है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सैन्य शक्ति ने पाकिस्तान में संचालित आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने में जबरदस्त कामयाबी हासिल की है।

2026 में भारत अपने गतिशील कदमों से आगे बढ़ रहा है, किंतु सन् 2025 को भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष के तौर पर सदैव स्मरण किया जाएगा, क्योंकि इस वर्ष को आधिकारिक तौर पर रक्षा क्षेत्र में बुनियादी सुधारों का वर्ष घोषित किया गया था। रक्षा क्षेत्र में देश ने आत्मनिर्भरता, ऑपरेशनल स्वायत्तता, रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन, रक्षा सामग्री के निर्यात और संस्थागत सुधारों में अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त की है। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण और वैश्विक रक्षा कूटनीति में इस वर्ष ने एक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की एक शानदार और आकर्षक तस्वीर पेश की है।

विदेशी सैन्य निर्भरता

आजादी के तत्पश्चात एक लंबे ऐतिहासिक दौर तक भारत को अपनी सेना के लिए आधुनिकतम सैन्य अस्त्र शस्त्रों की खातिर विदेशी सैन्य शक्तियों पर, विशेष कर सोवियत रूस पर निर्भर बना रहना पड़ा। लड़ाकू विमानों से लेकर टैंक, तोप, बारुद तक भारत की सैन्य निर्भरता रूस पर कायम रही। भारत में सन् 1988 में सोवियत रूस में निर्मित मिसाइल पृथ्वी का कामयाब परीक्षण किया गया। सन् 1990 में सोवियत रूस में निर्मित मिसाइल आकाश का सफल परीक्षण किया गया और वर्ष 2008 में इसे भारतीय वायु सेना को प्रदान किया गया। सन् 2001 में भारत द्वारा रूस के टेक्नोलॉजिकल सहयोग से निर्मित की गई ब्रह्मोस मिसाइल को भारतीय रक्षा व्यवस्था में शामिल किया गया। 21वीं शताब्दी के प्रारंभिक काल से ही भारत ने अपनी रक्षा उद्योगों में आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के स्वदेश में ही निर्माण का कार्य प्रारंभ किया। भारत के डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) द्वारा भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के निर्माण में विशिष्ट किरदार निभाया गया है। सैन्य रक्षा उद्यमों में रक्षा सामग्री का स्वदेश में निर्माण करने के अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य में भारत सरकार द्वारा प्राइवेट सेक्टर को भी निवेश करने की अनुमति प्रदान कर दी गई।

एयर डिफेंस सिस्टम

26 जनवरी 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा डिफेंस मिशन सुदर्शन चक्र के तहत रूस द्वारा प्रदत एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 का भारत में ही निर्माण करने का ऐलान किया गया। उल्लेखनीय है कि रूस द्वारा सन् 2018 में भारत को एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम निर्माण टेक्नोलॉजी के साथ प्रदत्त किया गया था। अमेरिका द्वारा इजराइल को प्रदत्त आयरन डोम की तुलना में एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम रक्षा विशेषज्ञों द्वारा कहीं अधिक कारगर करार दिया जाता है। भारत और इजराइल रक्षा सहयोग के तहत बराक-8 और स्पाइडर मिसाइल प्रोजेक्ट स्थापित किए जा रहे हैं। 2026 में भारत अपने गतिशील कदमों से अग्रसर हो रहा है, किंतु सन् 2025 को भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष के तौर पर सदैव स्मरण किया जाएगा, क्योंकि इस वर्ष को आधिकारिक तौर पर रक्षा क्षेत्र में बुनियादी सुधारों का वर्ष घोषित किया गया था। रक्षा क्षेत्र में भारत द्वारा आत्मनिर्भरता, ऑपरेशनल स्वायत्तता, रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन, रक्षा सामग्री के निर्यात और संस्थागत सुधारों में अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त की है। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण और वैश्विक रक्षा कूटनीति में इस वर्ष ने एक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की एक शानदार और आकर्षक तस्वीर पेश की है।

रक्षा उत्पादन उच्च स्तर पर

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का रक्षा उत्पादन सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचकर 1.51 लाख करोड़ रुपये हो गया, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में अट्ठारह फीसदी अधिक रहा और वित्तीय वर्ष 2019-20 की तुलना में नब्बे फीसदी की वृद्धि हासिल की है। रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने सत्तर फीसदी का योगदान दिया, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़कर तेईस फीसदी हो गई। रक्षा सामग्री का कुल निर्यात 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें विगत वर्ष की तुलना में बारह फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। जिसमें निजी क्षेत्र और डीपीएसयू द्वारा क्रमशः 15,233 करोड़ रुपये और 8,389 करोड़ रुपये का योगदान रहा। सन् 2029 के लिए रक्षा सामग्री के निर्यात लक्ष्य 50,000 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में रक्षा मंत्रालय को रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में दस फ़ीसदी अधिक और कुल बजट का चौदह फ़ीसदी हैं, जोकि सभी मंत्रालयों में सबसे अधिक है। पूंजीगत व्यय 1.80 लाख करोड़ रुपये था, जिसमें से 75 फीसदी (1.12 लाख करोड़ रुपये घरेलू खरीद के लिए और 28,000 करोड़ रुपये निजी उद्योग के लिए आरक्षित रहे। सुधारों के सन् 2025 के लक्ष्य के अनुरूप ही सन् 2026 में भी रक्षा उद्योगों के स्वदेशीकरण और आधुनिकतम प्रौद्योगिकी के समावेश का लक्ष्य रखा गया है। 23 अक्टूबर को जारी और एक नवंबर से लागू होने वाले डिफेंस प्रोक्योरमेंट मैनुअल 2025 ने सालाना लगभग एक लाख करोड़ रुपये की रेवेन्यू प्रोक्योरमेंट प्रक्रियाओं को भी आसान बनाया गया है। रक्षा मंत्रालय द्वारा हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को 62,370 करोड़ रुपये में 97 एलसीए विमानों के निर्माण करने का ऑर्डर दिया गया है, मिसाइलों, रडारों और गोला-बारूद के लिए डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग के साथ कई रक्षा अनुबंध किए गए हैं।

एरो इंडिया का आयोजन

सन् 2029 तक रक्षा सामग्री उत्पादन का लक्ष्य तीन लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। नई दिल्ली में डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग-डीपीएसयू-भवन का उद्घाटन अंजाम दिया गया और बेंगलुरु में एरो इंडिया 2025 का सफल आयोजन किया गया । भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए जिस तेजी के साथ स्वदेश में ही आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण कार्य आरंभ किया गया है, यकीनन वह दिन दूर नहीं है, जबकि भारत रक्षा क्षेत्र के उत्पादन में अपने पैरों पर पूर्णतया खड़ा हो जाएगा

उल्लेखनीय है स्वदेशी रक्षा प्रणाली की प्रगति

मुद्दा

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

आधुनिक युग में विश्व के किसी भी राष्ट्र की महत्ता जिन शक्तिशाली संसाधनों के आधार पर निर्धारित होती है, उनमें युद्धक अस्त्र-शस्त्र प्रथम हैं। भारत के संदर्भ में विचार किया जाए तो गत साढ़े आठ दशकों से इस दिशा में यहां उत्तरोत्तर प्रगति होती रही। हमारे रक्षा वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं तथा अन्यान्य संबद्ध कर्मचारियों ने राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ मिलकर इस संबंध में अविस्मरणीय कार्य किए हैं। विशेषकर गत चौदह-पंद्रह वर्षों में रक्षा अनुसंधान, निर्माण, उत्पादन, मित्र राष्ट्रों के साथ सहयोग पर आधारित आधुनिक रक्षण प्रणालियों की खोज व निर्माण तथा अंततः रक्षा उपकरणों के निर्माण में आत्मनिर्भर होने के बाद निर्यात में भी अग्रिम पंक्ति के देशों में सम्मिलित होने की उपलब्धि सराहनीय है। भारत की स्वदेशी रक्षा प्रणाली पिछले एक दशक में 'आयात निर्भरता' से 'आत्मनिर्भरता' की ओर तीव्रतापूर्वक बढ़ी है। सन् 2025 तक भारत ने रक्षा क्षेत्र में न केवल अपनी तकनीकी व प्रौद्योगिकीय क्षमता को सिद्ध किया है, बल्कि हमारा देश वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख रक्षा निर्यातक के रूप में भी उभरा है। आज यहां आधुनिक अस्त्र-शस्त्रों का बड़े पैमाने पर नवोन्नत ढंग से निर्माण हो रहा है। नित नवीन स्वदेशी रक्षा प्रणालियां विकसित की जा रही हैं। इस क्षेत्र में मित्र देशों के साथ खोज से लेकर उत्पादन तक उपयोगी साझेदारियां भी की जा रही हैं। वर्तमान में देश की आधुनिक प्रक्षेपास्त्र (मिसाइल) प्रणाली एक बड़ी उपलब्धि है। यह प्रक्षेपास्त्रीय तकनीक विश्व की सबसे उन्नत प्रणालियों में से एक है। इस उन्नतिकरण में 'इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम' की विशाल भूमिका रही है। इसके अंतर्गत अग्नि-5 और अग्नि-6 अति उल्लेखनीय है। इस वर्ष तक भारत की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता अत्यधिक परिष्कृत हो चुकी है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित अग्नि-5 की मारक क्षमता 5000 किलोमीटर से अधिक है। इस प्रयास से प्रेरित होकर अब अग्नि-6 का निर्माण हो रहा है, जो मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल रीएंट्री व्हीकल तकनीक से युक्त है। गत वर्ष मई माह में ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के साथ हुए अल्पावधि के युद्ध में देशवासियों ने ब्रह्मोस प्रक्षेपास्त्र का युद्धक प्रदर्शन देखा ही था। ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। भारत अब इसके हाइपरसोनिक संस्करण ब्रह्मोस-दो पर काम कर रहा है, जो मैक 7 से अधिक गति प्राप्त करने में सक्षम है। प्रलय मिसाइल का भी उल्लेख हो रहा है। यह एक कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसे विशेष रूप में पारंपरिक युद्ध के लिए डिजाइन किया गया है। राष्ट्र की वायु रक्षा प्रणाली भी प्रशंसनीय है। शत्रु के वायु मार्गीय आक्रमणों को वायुक्षेत्र में ही नष्ट करने के लिए भारत ने एक बहुस्तरीय सुरक्षा कवच तैयार किया है। इसके अंतर्गत पहले वर्णन आता है आकाश का। यह कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है, जिसके नए संस्करण 'आकाश प्राइम' में स्वदेशी एक्टिव रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर लगा है। वीशॉड्र्स नामक एक मैनपैड मिसाइल भी भारत में बनी है। ये बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली है, जो युद्धक प्रतिरोध के लिये विश्वसनीय होने के साथ-साथ पर्वतों में सैनिकों द्वारा सुगमता से कंधे पर लादकर उपयोग की जा सकती है। समर का उल्लेख भी आवश्यक है। ये भारतीय वायु सेना द्वारा विकसित प्रणाली है, जो पुरानी रूसी मिसाइलों को आधुनिक लॉन्चर के साथ जोड़कर बनाई गई है। इस समय स्वदेशी लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर के विनिर्माण में भी तेजी आई है। भारतीय वायु सेना 'मेक इन इंडिया' के अंतर्गत विकसित विमानों पर अधिक भरोसा कर रही है। इस श्रृंखला का महत्वपूर्ण अंग है तेजस। तेजस एमके1ए एवं एमके2 भी नवोन्नत विमान हैं। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में बन रहे दो रक्षा उत्पादन केंद्रों ने निजी और सरकारी क्षेत्र के निर्माण को गति दी है। भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में रुपये 21,083 करोड़ का ऐतिहासिक रक्षा निर्यात किया, जो गत वर्ष की तुलना में 32.5 प्रतिशत अधिक है। भारत अब 80 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। भारतीय शासन ने 2024-25 तक रक्षा उत्पादन का लक्ष्य 1.75 लाख करोड़ रखा था, जिसमें 35,000 करोड़ का निर्यात लक्ष्य सम्मिलित है, जिसे पाने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। शासन ने 5,000 से अधिक रक्षा मदों की 'सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची' निर्गत की है। इन मदों का निर्माण अब केवल भारत में ही किया जाएगा।

इस वर्ष तक भारत की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता अत्यधिक परिष्कृत हो चुकी है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित अग्नि-5 की मारक क्षमता 5000 किलोमीटर से अधिक है।

स्वदेशी मिसाइल शक्ति ने बदली सामरिक

तकनीक

कांतिलाल मांडोत

स्वतंत्र पत्रकार

साल के आखिरी दिन ओडिशा के तट पर आसमान में जो दृश्य उभरा, उसने भारत की सामरिक क्षमता को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। कुछ ही सेकंड के अंतर पर दागी गईं दो प्रलय मिसाइलें न सिर्फ अपने तय लक्ष्यों तक सटीकता के साथ पहुंचीं, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि भारत की स्वदेशी रक्षा तकनीक अब परिपक्वता के उस स्तर पर पहुंच चुकी है, जहां भरोसे, सटीकता और ताकत एक साथ दिखाई देती है। परीक्षण के बाद जो निष्कर्ष सामने आया, उसने रक्षा वैज्ञानिकों और सशस्त्र बलों के आत्मविश्वास को और मजबूत किया। प्रलय मिसाइल पूरी तरह स्वदेशी है और सॉलिड फ्यूल पर आधारित है। यह तथ्य अपने आप में अहम है, क्योंकि सॉलिड फ्यूल मिसाइलें त्वरित प्रतिक्रिया, आसान रखरखाव और अधिक विश्वसनीयता के लिए जानी जाती हैं। इस मिसाइल में अत्याधुनिक इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम के साथ रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर लगाया गया है, जो उड़ान के दौरान उसे अपने रास्ते से भटकने नहीं देता। यही वजह है कि प्रलय तय लक्ष्य तक बिल्कुल सही दिशा में पहुंचती है और अंतिम क्षणों में भी सटीकता बनाए रखती है। आधुनिक युद्ध में जहां सेकंडों का महत्व होता है, वहां यह क्षमता निर्णायक साबित हो सकती है। इसकी तेज रफ्तार के कारण दुश्मन को प्रतिक्रिया का मौका तक नहीं मिल पाता। जब तक यह समझ में आए कि हमला हुआ है, तब तक लक्ष्य पर विनाशकारी असर हो चुका होता है। यही कारण है कि प्रलय को थिएटर लेवल की बैलिस्टिक मिसाइल के तौर पर देखा जा रहा है, जो पारंपरिक और आधुनिक दोनों तरह के युद्ध परिदृश्यों में भारत को बढ़त दिला सकती है। यह स्पष्ट है कि भारत अब केवल आयातक देश नहीं रहा, बल्कि रक्षा तकनीक के क्षेत्र में नवाचार करने वाला और समाधान देने वाला देश बन रहा है। दुश्मन देशों के लिए यह संदेश साफ है कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की ढिलाई बरतने वाला नहीं है। प्रलय जैसी मिसाइलें यह साबित करती हैं कि अगर जरूरत पड़ी, तो भारत तेजी से और सटीक जवाब देने में सक्षम है। यही कारण है कि इस परीक्षण के बाद दुश्मन देशों की भृकुटियां तनना स्वाभाविक है। यह सिर्फ एक मिसाइल का सफल परीक्षण नहीं, बल्कि भारत की सामरिक दृढ़ता और तकनीकी क्षमता का सार्वजनिक प्रदर्शन है। आने वाले समय में जब प्रलय मिसाइल आधिकारिक तौर पर सेना में शामिल होगी, तो यह भारतीय सशस्त्र बलों की मारक क्षमता को एक नई धार देगी। देश के वैज्ञानिक और सैनिक मिलकर भारत की सुरक्षा को मजबूत बनाने में लगातार जुटे हुए हैं। साल के आखिरी दिन हुआ यह परीक्षण नए साल के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि भारत आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

यह स्पष्ट है कि भारत अब केवल आयातक देश नहीं रहा, बल्कि रक्षा तकनीक के क्षेत्र में नवाचार करने वाला और समाधान देने वाला देश बन रहा है।

भारतीय रक्षा व्यवस्था की विश्व पटल पर बन रही पहचान

उपलब्धि

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

भारत जैसे देश को युद्ध व लड़ाइयों को लेकर हमेशा तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन हमेशा ही विजय प्राप्त की। इसका कारण था कि हमारी रक्षा व्यवस्था व सैन्य शक्ति को हम समय-समय पर अपडेट व अपग्रेड करते रहे। हमारे शौर्य का जलवा पूरा विश्व जानता है। देश की रक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने में डीआरडीओ का बड़ा योगदान रहा है। अपने 68 साल के इतिहास में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं।

बीता वर्ष डीआरडीओ के लिए ऐतिहासिक रहा चूंकि 1.30 लाख करोड़ की डील करने में सफलता हासिल की है। यह एक साल में अभी तक का सर्वाधिक आंकड़ा बताया जा रहा है जिसको देखकर विश्व के संपन्न देश भी चौक गए। डिफेंस सेक्टर में भारत ग्लोबल पावर बनता जा रहा है। डीआरडीओ के वैज्ञानिकों का ही कमाल है कि भारत आज के दिन डिफेंस इक्विपमेंट एक्सपोर्टर बन गया है। आज इस उपलब्धि से देश का हर नागरिक खुश है तो वहीं दूसरी ओर विश्व पटल पर हमारी इज्जत बढ़ी है। लगभग दो दशक पूर्व भी कुछ शक्तिशाली देश हमें रक्षा व्यवस्था के आधार पर बेहतरीन नहीं मानते थे। समय बदला तो बाहरी देशों की मिथ्या बदली, चूंकि रक्षा व्यवस्था को लेकर हमारा बजट व सोच बहुत बड़े स्तर पर बढ़ी।

भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किया है, जो पिछले वर्ष के 6.21 लाख करोड़ रुपये से अधिक है और इसमें सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए 1.82 लाख करोड़ के पूंजीगत अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इतने बड़े बजट के साथ हम बलशाली बनकर उभरे हैं। आज हम जनसंख्या के आधार पर प्रथम स्थान पर आते हैं और हमारे देश पर सबकी निगाहें रहती हैं, जिसकी वजह से हमें हर समय चौकन्ना रहना होता है। डीआरडीओ की 68वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान चीफ कामत ने बताया कि सरकार ने वर्ष 2025 में लगभग 1.30 लाख करोड़ रुपये मूल्य की 22 स्वदेशी रक्षा प्रणालियों के लिए 'एक्सेप्टेंस ऑफ नेसेसिटी' प्रदान की है। यह किसी एक वर्ष में दी गई सबसे अधिक मंजूरी है।

इस प्रकरण की सबसे अच्छी बात यह है कि सभी प्रणालियां भारतीय उद्योगों द्वारा निर्मित की जाएंगी, जिससे देश की रक्षा उत्पादन क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। डीआरडीओ द्वारा विकसित जिन प्रमुख सिस्टम्स को एओएन मिली है उनमें इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम, कन्वेंशनल बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम, क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल सिस्टम 'अनंत शास्त्र', लंबी दूरी की हवा से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके-II और हवा से हवा में मार करने वाली 'अस्त्र' एमके-II मिसाइल शामिल हैं। इसके अलावा एंटी-टैंक नाग मिसाइल सिस्टम एमके-2, एडवांस्ड लाइटवेट टॉरपीडो, प्रोसेसर बेस्ड मूरड माइन की नेक्स्ट जनरेशन, एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल वनए, माउंटेन रडार और एलसीए तेजस एमके-1ए के लिए फुल मिशन सिम्युलेटर को भी मंजूरी दी गई है। एओएन रक्षा खरीद प्रक्रिया का पहला और अहम चरण होता है। भारत की सैन्य शक्ति लगातार मजबूत हो रही है। खासकर 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहलों के तहत स्वदेशी उत्पादन, गोला-बारूद में आत्मनिर्भरता, उन्नत मिसाइलों (प्रलय, ब्रह्मोस) के सफल परीक्षण, और ड्रोन व नई तकनीक के एकीकरण के कारण जिससे भारत एक बड़ी रक्षा शक्ति के रूप में उभर रहा है और आयात पर निर्भरता कम कर रहा है। अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत सबसे शक्तिशाली सेनाओं में शामिल है और पाकिस्तान टॉप-10 से बाहर हो गया है। भारत के पास बड़ी संख्या में सक्रिय सैनिक, टैंक, विमान और नौसैनिक पोत हैं और यह लगातार अपनी सैन्य क्षमता में भी वृद्धि कर रहा है। आज जरूरत है कि हम अपनी रक्षा व्यवस्था को लगातार अपडेट व अपग्रेड करते रहें।

भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किया है। इसमें सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए 1.82 लाख करोड़ के पूंजीगत अनुबंध किए हैं।

डीआरडीओ ने दी देश की डिफेंस क्षमता को नई ऊंचाई

योगदान

डॉ. एन. के. सोमानी

स्वतंत्र स्तंभकार

बीते वर्ष ने भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत को यह उपलब्धि इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' (आईएडीडब्ल्यूएस) के सफल परीक्षण के जरिए हासिल हुई है। आईएडीडब्ल्यूएस के सफल परीक्षण के बाद न केवल भारत की एयर डिफेस क्षमता नई ऊंचाई पर पहुंच गई है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी बड़ी मजबूती मिली है। अहम बात यह है कि आईएडीडब्ल्यूएस पूरी तरह से भारत में स्वदेशी तकनीक से तैयार किया गया रक्षा उपकरन है। इस बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा तैयार किया गया है।

इसमें क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल, एडवांस वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस मिसाइल और लेजर आधारित डायरेक्टेड एनर्जी वेपन शामिल है। यह प्रणाली दुश्मन देशों की ओर से लड़ाकू विमान, हेलिकॉप्टर, ड्रोन और क्रुज मिसाइल से किए गए हमलों को अलग-अलग स्तर पर रोकने और दुश्मन के विमानों को हवा में ही मार गिराने में मदद करती है। खासतौर पर इसमें लगा हाई-पावर लेजर हथियार पलक झपकते ही शत्रु के हवाई लक्ष्यों को नष्ट कर सकता है। इस साल के अंत तक आईएडीडब्ल्यूएस को सेना में शामिल कर किए जाने की संभावना है।

आईएडीडब्ल्यूएस के सफल परीक्षण के बाद भारत उन चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो गया है जिनके पास आधुनिक और बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली मौजूद है। दरअसल भारत को लंबे समय से पश्चिम और उत्तर-पूर्व से सामरिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर-पूर्व में चीन से उसके संबंध तनाव पूर्ण हालात में रहे हैं। भारत के दोनों परम्परगात शत्रुओं के पास आधुनिक लड़ाकू विमान, क्रुज मिसाइलें, बैलिस्टिक मिसाइलें और उच्च तकनीक के ड्रोन सिस्टम का बड़ा जखीरा है। ऐसी स्थिति में भारत एक ऐसी प्रतिरक्षा प्रणाली की आवश्यकता महसूस कर रहा था तो शत्रु देशों के हवाई हमलों को नाकाम कर सके। आईएडीडब्ल्यूएस 'सुदर्शन चक्र' भारत की इसी सोच का परिणाम है। भारत का सुरक्षा कवच 'सुद्रर्शन चक्र': मिसाइल डिफेंस सिस्टम सुदर्शन चक्र अपनी तकनीकी क्षमताओं के कारण बेहद खास है। यह सिस्टम 2500 किलोमीटर तक की रेंज में पाकिस्तान और चीन से आने वाली मिसाइलों को नष्ट करने में सक्षम होगा। सुदर्शन चक्र 150 किलोमीटर की ऊंचाई तक हवा में किसी भी मिसाइल को इटरसेप्ट करने में सक्षम होगा। इसमें आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस और लेजर-गाइडेड सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीकों का भी इस्तेमाल हुआ है। यह 5 किलोमीटर प्रति सेंकड की रफ्तार से मिसाइल दाग सकता है और इसकी संरचना एक ग्रांउड-बेस्ट और स्पेस बेस्ड हाइब्रिड सिस्टम पर आधारित है जिसमें सैटेलाइट और रडार नेडवर्क दोनों शामिल है। इसका लक्ष्य दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइल, क्रुज मिसाइल और हाइपरसोनिक हथियारों को निष्क्रिय करना है। इसकी अनुमानित लागत 50,000 करोड़ रूपये बताई जा रही है। कहना गलत नहीं होगा कि सुदर्शन चक्र भारतीय वायु सेना के लिए एक आधुनिक एकीकृत और शक्तिशाली 'आयरन डोम' है, जो देश के संवेदनशील क्षेत्रों और बुनियादी ढांचे की हवाई हमलों से रक्षा करने में मदद करेगा। साल 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद देश की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने व रक्षा क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से काम हुआ है। सरकार के इन प्रयासों को गति देने व देश की रक्षा व्यवस्था को दुरस्त करने में डीआरडीओ का बड़ा योगदान रहा है। डीआरडीओं न केवल भारत की रक्षा जरूरतों को पुरा कर रहा है बल्कि भारत के हथियार निर्यात को भी बढ़ा रहा है। वर्तमान में भारत 100 से अधिक देशों का रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया प्रमुख खरीददार है। इसके अलावा रूस, इटली, संयुक्त अरब अमीरात, फिलीपींस, सऊदी अरब, स्पेन, अर्जेंटीना, नाइजीरिया, वियतनाम और मॉरिशस भी भारत से हथियार खरीद रहा है। भारत इन देशों को तेजस विमान, आकाश मिसाइल, पिनाक रॉकेट सिस्टम, आर्टिलरी गन और ब्रहमोस जैसी मिसाइलों के साथ-साथ सॉफ्टवेयर व कल-पुर्जे भी निर्यात कर रहा है। डीआरडीओं का योगदानः आर्थिक और सामरिक मोर्चे पर भारत दुनिया की बड़ी ताकत के तौर पर उभर रहा है। सैन्य मोर्चे पर भारत को शक्तिशाली देश बनाने में डीआरडीओं का बड़ा योगदान रहा है। डीआरडीओ ने न केवल आधुनिक हथियारों का अनुसंधान एवं विकास कर देश की सुरक्षा को मजबूत बनाने में योगदान दिया है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के आह्वान को गति देने में भी बड़ी भूमिका निभाई है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि डीआरडीओं ने स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को मजबूती देने के लिए कई पहल की है। ब्रह्मोस मिसाइल जैसे सौदे और स्वदेशी उत्पादन पर फोकस किए जाने के कारण आज भारत डिफेंस सेक्टर में ग्लोबन पॉवर बन कर उभर रहा है। कोई दो राय नहीं कि इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' के सफल परीक्षण से हमारे पारंरिक शत्रु सकते में हैं।

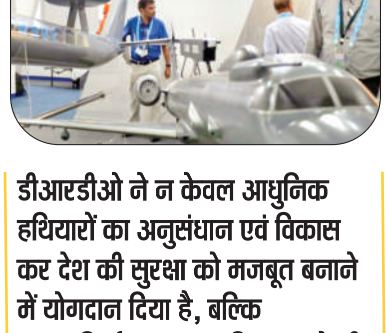

डीआरडीओ ने न केवल आधुनिक हथियारों का अनुसंधान एवं विकास कर देश की सुरक्षा को मजबूत बनाने में योगदान दिया है, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को भी

औद्योगिक क्षेत्र में एमपीआईडीसी ने बेरोजगारों को स्वरोजगार के लिए आवंटित की थी 8 बाय10 की जगह

मंडीदीप में बेरोजगारों के लिए आवंटित की दुकानें बनी 'जुआ-शराब' का अड्डा, वहीं जमकर फल-फूल रहा अवैध कबाड़ का बड़ा कारोबार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप

मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम ने मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र में स्थानीय बेरोजगारों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए अलग-अलग स्थान पर 8X10 की जगह आवंटित की थी। विभाग द्वारा आवंटित जगह को ज्यादातर लोगों ने किराए पर उठा दिया है। जहां पर ढाबों के रूप में अवैध शराब और जुओं के अड्डे खुल गए हैं। वहीं कई जगह कबाड़ियों ने अपनी दुकाने खोल ली है, जहां बड़े पैमाने पर चोरियों का माल का खपाया जा रहा है। वहीं जगह-जगह खुले अवैध होटल और ढाबे जो कही न कही अनैतिक कार्यों में संलिप्त है, जिससे नगर में अपराधिक घटनाएं घटित हो रही है।

आवंटित जगह पर चल रहे ढाबे, स्क्रैप और अवैध करोबार की दुकानें

कबाड़ की दुकानों में खपाया जा रहा बड़े पैमाने पर चोरी का माल

नगर में सड़क किनारे खुली अवैध कबाड़ की दुकानें।

नगर में सड़क किनारे खुली अवैध दुकानें।

नगर में जगह-जगह खुली कबाड़ की दुकानें

औद्योगिक क्षेत्र में विभाग द्वारा आवंटित जगह के साथ खाली पड़ी जगह पर कबाड़ की दुकान खुल गई है। सतलापुर थाने के पुलिस कर्मचारियों ने कार्रवाई की। यहां आए दिनों कारखानों से चोरी होने वाले सामान को इन कबाड़ियों के पास खपाया जाता है। बीते दिनों पुलिस द्वारा कई चोरियों का खुलासा किया जा चुका है, जिसमें चोरी का माल खरीदने में स्थानीय कबाड़ियों की संलिप्ता सामने आई है।

यहां आवंटित है दुकानें

एमपीआईडीसी ने आयशर कंपनी के पास करीब तीन दर्जन लोगों को जगह आवंटित की है। इसके अलावा सांवरिया रोड से एसबीआई रोड तक एवं वर्धमान ढाबे के सामने भी कई लोगों को जगह आवंटित की गई है। इसमें ज्यादातर लोगों द्वारा आवंटित जमीन को किराए पर उठा दिया गया है, जो की विभाग द्वारा तय नियम शर्तों का सीधा-सीधा उल्लंघन है।

पुलिस को अंकुश लगाना चाहिए

अपना स्वरोजगार स्थापित करने के लिए आवंटित जमीन पर अनैतिक गतिविधियों का चलना औद्योगिक क्षेत्र के लिए खतरे की घंटी है। इस पर पुलिस और एमपीआईडीसी को अंकुश लगाना चाहिए

नीरज जैन, सचिव, एसोसिएशन ऑफ ऑल इंडस्ट्रीज मंडीदीप

जांच कराकर कार्रवाई करेंगे

बेरोजगारों के लिए आवंटित जगह का यदि दुरुपयोग हो रहा है, तो इसकी जांच कराकर आवंटन को निरस्त करने की कार्रवाई करेंगे।

विशाल चौहान
ईडी, एमपीआईडीसी

खबर संक्षेप

कलश यात्रा के साथ भगवत गीता कथा शुरू

तामोट। ग्राम तामोट में शनिवार को कलश यात्रा के साथ भगवत गीता कथा का शुभारंभ हुआ। इस दौराना जिला पंचायत सदस्य चंद चौहान, जनपद सदस्य सुलेखा चौहान, रामपाल चौहान, बाबूलाल चौहान, रामकिशोर चौहान, संजीव चौहान, जनपद सदस्य रूपेश चौहान आदि स्थानीय लोग शामिल थे।

संगीतमयी शिव महापुराण कथा कल से

औबेदुल्लागंज। भोजपुर नारी शक्ति समिति प्रभात फेरी मंडल, एकादशी ग्यारस महिला मंडल की संरक्षक अनीता पांडे, अध्यक्ष आरती यादव ने बताया कि 5 जनवरी से सांगितमय शिव महापुराण कथा का आयोजन शिव मंदिर अर्जुन नगर पर किया जा रहा है। कथा का वाचक पंडित राजेंद्र शास्त्री करेंगे। सोमवार को कलश यात्रा निकाली जाएगी।

पटवा ने सांसद बांसुरी स्वराज को दी बधाई

औबेदुल्लागंज। विधायक सुरेंद्र पटवा ने लोकसभा सांसद बांसुरी स्वराज को उनके जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। पटवा ने कहा ईश्वर आपको स्वास्थ्य, दीर्घायु और यशस्वी प्रदान करे।

युवा मोर्चा नेता शुभम को दी जन्मदिन की बधाई

औबेदुल्लागंज। जिला भाजपा उपाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा के सुपुत्र शुभम शर्मा के जन्मदिन पर जाखला धाम हनुमान में हनुमान चालीसा का पाठ कर आरती की। शुभम शर्मा युवा मोर्चा नेता हैं। विधायक सुरेंद्र पटवा, जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश शर्मा, मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर, जेपी शर्मा, कैलाश डब्बू नागर, आनंद पांडे, पीडी शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार ऋषभ जैन, जीतू नंदवंशी आदि ने बधाई दी।

शुभांक

कल्याण:	1736		
दिन:	880	68	378
रात:	190	03	120
तारा:			
दिन:	113	59	234
रात:	127	04	347

बैरागढ़ मेन रोड पर देर रात हुआ हादसा, महिला चला रही थी कार

तेज रफ्तार कार ने ऑटो को मारी जोरदार टक्कर, अस्पताल में ड्राइवर की हुई मौत

पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जब्त की कार, कार्रवाई में जुटी, पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नरेश यादव, मृतक

बैरागढ़ थाना क्षेत्र स्थित आकाश गार्डन के पास मेन रोड पर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात सीहोर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने सीएनजी ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो चालक बुरी तरह जख्मी हो गया। उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान शनिवार तड़के मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया था। बताया जा रहा है कि कार एक महिला चला रही थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर कार जब्त कर ली है।

पुलिस के मुताबिक बैरागढ़ गांव निवासी नरेश यादव पुत्र शंकर यादव (36) सीएनजी ऑटो चलाते थे। शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे वह अपना ऑटो लेकर घर की ओर जा रहे थे। तभी आकाश गार्डन के पास मेन रोड पर सीहोर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से ऑटो चालक नरेश यादव बुरी तरह जख्मी हो गए। एंबुलेंस की मदद से उन्हें हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलते ही परिजन व पुलिस अस्पताल पहुंच गए थे। इलाज के दौरान शनिवार तड़के नरेश यादव की मौत हो गई। मृतक के भांजे अजय का कहना है कि कार एक महिला चला रही थी। हादसे के बाद आरोपी महिला चालक मौके से फरार हो गई थी। कार ने ऑटो को साइड से जोरदार टक्कर मारी थी।

रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन से टकराया युवक, मौत

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित बरखेड़ी फाटक पर शुक्रवार दोपहर रेलवे ट्रैक पार करते समय एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। उसे एंबुलेंस की मदद से हमीदिया अस्पताल ले जाया गया था। वहां डॉक्टर ने चेक करने पर उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया। मृतक के पास मिले दस्तावेज से उसकी पहचान करते हुए परिजन से संपर्क कर लिया गया था। पुलिस के अनुसार शुक्रवार दोपहर बरखेड़ी फाटक पर रेलवे ट्रैक पार करते समय एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। उसे एंबुलेंस अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक की तलाशी ली। इस दौरान उसकी पहचान फग्गन शाह बोसम पिता तेजीलाल बोसम (21) ग्राम छाउ, गठरी पानी, तहसील दमुआ, जिला छिंदवाड़ा के रूप में कर ली। फग्गन शाह बोसम यहां ऐशबाग इलाके में रहता था और मजदूरी करता था।

मोपेड को मारी अज्ञात वाहन ने टक्कर, युवक की मौत, साथी घायल

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित आरिफ नगर ब्रिज पर हादसा

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित आरिफ नगर ब्रिज पर अज्ञात वाहन ने मोपेड सवार मैकेनिक और उसके साथी को टक्कर मार दी। घटना गत 28 दिसंबर की है। टक्कर लगने से मोपेड सवार दोनों युवकों को गंभीर चोट आई थी। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह मैकेनिक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार रिसालदार कॉलोनी निवासी शादाब खान (23) मैकेनिक था। गत 28 दिसंबर की रात वह अपने साथी अरबाज खान निवासी छोला नाका के साथ मोपेड से घूमने निकला था। रात करीब साढ़े दस बजे दोनों दोस्त मोपेड से देवकी नगर ब्रिज करोंद होते हुए अपने घर जा रहे थे। मोपेड शादाब चला रहा था, जबकि अरबाज पीछे बैठा हुआ था। जैसे ही वह देवकी नगर ब्रिज करोंद में पहुंचे। सामने से आ रहे किसी अज्ञात वाहन ने उनकी मोपेड को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों सड़क पर गिर गए थे। हादसे में अरबाज को सिर में पीछे की तरफ और अंदरूनी चोट आई थी, जबकि शादाब को भी सिर मे गंभीर चोट थी। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, वहां इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह शादाब की मौत हो गई।

सावित्रीबाई फुले की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करते समिति के सदस्य।

नगर के बास्केटबॉल मैदान पर हुआ आयोजन

सेवा समिति ने सावित्रीबाई फुले की जयंती पर की पुष्पांजलि अर्पित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप

भारत की प्रथम महिला शिक्षिका और समाज सुधारक सावित्री बाई फुले की जयंती शनिवार को औद्योगिक नगर के बास्केटबॉल मैदान पर सेवा समिति ने श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। भाजपा के जिला मंत्री प्रार्थना चौहान, पूर्व जिला मंत्री पूजा मिश्रा, समाजसेवी राधिका पाल, डॉ. साधना नागर, शिरोमणि बांके, दीपा नागर, वंदना मालवीय सहित अन्य महिला नेत्रियों ने सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस दौरान भाजपा के जिला मंत्री प्रार्थना चौहान, पूर्व जिला मंत्री पूजा मिश्रा, समाजसेवी राधिका पाल, डॉक्टर साधना नागर ने कहा कि सावित्रीबाई ने 19वीं सदी में बाल विवाह, छुआछूत और सती प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों की समाप्ति के लिए अपने पति के साथ मिलकर संघर्ष किया। सावित्रीबाई फुले न केवल महिलाओं और दलितों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी, बल्कि भारतीय समाज में जागरूकता का एक नया युग प्रारंभ किया। आज भी उन्हें भारतीय नारीवादी आंदोलन की प्रेरणा के रूप में जाना जाता है।

नशे में पिया टॉयलेट क्लीनर, इलाज के दौरान मौत

भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित बिहारी मोहल्ला सुभाष नगर में शराब के नशे में सब्जी व्यापारी से टॉयलेट क्लीनर पी लिया। परिजन उन्हें जय प्रकाश अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां हालत नाजुक देखते हुए उन्हें हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। हमीदिया में शनिवार सुबह उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार असफाक खान पिता खुदादीन (40) बिहारी मोहल्ला, सुभाष नगर में रहते थे और सब्जी की दुकान लगाते थे। वे शराब पीने के आदी थे। गत 1 जनवरी को वे नशे में घर पहुंचे और टायलेट क्लीनर पी लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें जय प्रकाश अस्पताल ले गए। वहां से डॉक्टर ने हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया। हमीदिया अस्पताल में दो दिन चले इलाज के बाद शनिवार सुबह असफाक की मौत हो गई। मरने से पूर्व पुलिस ने असफाक के बयान दर्ज कर लिए थे। असफाक ने बताया कि शराब के नशे में उसने टायलेट क्लीनर पिया था।

उमरिया स्थित गुरुद्वारा में पाठ करते हुए।

गुरु गोविंद सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में चल रहा पाठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

गुरु गोविंद सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में उमरिया स्थित गुरु नानकपुरा गुरुद्वारा गुरु हरगोबिंद साहिब जी में पाठ की लड़ियां चल रही है, जिसमें सभी सेवादार और संगत मिलजुल कर तन मन धन से सेवा कर रहे हैं।

महिलाएं सत्संग में सेवा कर रही हैं, जिसमें प्रधान नरेंद्र सिंह गिल, राजेंद्र सिंह, जसविंदर सिंह, शिवराज सिंह, हरेंद्र सिंह, हरजीत सिंह मंगू, हरजीत काका, रणजीत सिंह, गुलशन गुल्लू सिंह, इंद्रपाल बब्बन, सुखविंदर रिंपी, जसपाल सिंह ने सभी से अपील की है कि 6 जनवरी को गुरु गोविंद सिंह जयंती मनाई जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में धर्म लाभ लें।

दूषित जल प्रदाय की शिकायत के बाद भी नहीं हुई सुनवाई

संतनगर। मध्य प्रदेश के इंदौर में दूषित जल से हुई मौतों के बाद प्रदेश में नागरिक अलर्ट हो गए हैं और दूषित पानी की सप्लाई को लेकर चिंता व्यक्त की है। संत हिरदाराम नगर बैरागढ़ के कैंप नंबर 12 एवं सीटीओ क्षेत्र में दूषित पानी की सप्लाई निरंतर जारी होने की शिकायत रहवासियों कर रहे हैं। जल विभाग को कई शिकायत की, लेकिन इसका निराकरण नहीं हो सका। लाइन में लीकेज होने के कारण नाली का गंदा पानी मिल रहा है, जिसके कारण करीब 20 मिनट गंदा एवं बदबूदार पानी आता है।

लोगों को साफ पानी मिले, दिए आवश्यक निर्देश

सीएमओ किरण राहंगडाले ने किया पानी की टंकियों का निरीक्षण

हरिभूमि ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था टंकियों की नहीं हो रही सफाई का समाचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

खबर का असर

हरिभूमि की खबर का हुआ असर। शनिवार को हरिभूमि समाचार पत्र में छपि खबर का यह असर हुआ कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीएमओ किरण राहंगडाले ने कर्मचारियों के साथ नगर की पानी की टंकियों तथा पाइप लाईनों का निरीक्षण करने पहुंचीं। नागरिकों को साफ पानी मिले, इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी दिए। जिन उपभोक्ता के कनेक्शन में टोंटी नहीं लगी है, उनके विरुद्ध कार्रवाई के भी निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर इंजीनियर मुकेश जैन एवं अन्य नगर परिषद के कर्मचारी मौजूद रहे।

पानी की टंकी का निरीक्षण करतीं सीएमओ किरण राहंगडाले व अन्य।

कांग्रेस की किसान जन आंदोलन यात्रा कल से

औबेदुल्लागंज। कांग्रेस पार्टी की किसान जन आंदोलन यात्रा 5 जनवरी सोमवार को भोजपुर मंदिर से प्रारंभ होगी। यात्रा में किसानों की समस्याएं जैसे खाद समय पर उपलब्ध न होना, उपार्जन के बीज की गुणवत्ता, फसल की कीमत, गेहूं एमएसपी रेट न मिलने आदि को प्रमुखता उठाया जाएगा।

किसान कांग्रेस द्वारा पूरे भोजपुर विधानसभा क्षेत्र में यह यात्रा जारी रहेगी। पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष किसान कांग्रेस नेता हरजीत सिंह मंगू, ब्लॉक अध्यक्ष इमरत सिंह दरबार, किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष रणजीत सिंह रघुवंशी, राजेश खटीक, संजय सिंह, पंकज नागरानी, परेश नागर, राजू मेहरा, सूरजमल गौर, संजय सिंह चौहान, महेंद्र धाकड़, उत्तम यादव, मोहन अहिरवार, सुदर्शन लवंशी आदि शामिल रहेंगे।

विधायक रामेश्वर ने किया सभी विजेताओं को पुरस्कृत

बोट रेस में कुल 36 टीमों ने लिया भाग, बड़ी संख्या में पहुंचे लोग

विधायक बोट रेस में विशाल और सुधीर ने पाया प्रथम स्थान, पुरस्कार में मिली जिक्सर बाइक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विधायक बोट रेस कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास के साथ रोहन (रामू केवट) द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रामेश्वर शर्मा उपस्थित रहे। बोट रेस में 36 टीमों ने भाग लिया, जिसमें सीनियर बोट रेस में प्रथम पुरस्कार विशाल रैकवार, सुधीर रैकवार को मिला, जिन्हें जिक्सर बाइक पुरस्कार के रूप में दिया गया।

इसके अलावा 10 प्रतियोगियों को भी पुरस्कृत किया गया। इनमें सीनियर बोट रेस में द्वितीय पुरस्कार पवन मांझी, रोहित रैकवार को नगद राशि के रूप में 21,000 रुपए दिए गए। सीनियर बोट रेस में तृतीय पुरस्कार रोहित मांझी, अर्जुन मांझी को मिला, जिन्हें 11,000 रुपए नगद राशि प्रदान की गई।

बोट रेस में लोगों का अभिवादन करते विधायक रामेश्वर।

कश्ती बोट रेस के विजेता हुए पुरस्कृत

कश्ती बोट रेस में प्रथम पुरस्कार गौतम चोहान, अजय मांझी को मिला, जिन्हें जिक्सर बाइक पुरस्कार के रूप में दिया गया। कश्ती बोट रेस में द्वितीय पुरस्कार विजय मांझी, अजय मांझी को मिला, जिन्हें 21000 रुपए नगद पुरस्कार दिया गया। कश्ती वोट रेस में तृतीय पुरस्कार नीरज चोहान, समीर रैकवार को मिला, जिन्हें 11000 रुपए नगद दिया गया।

जूनियर बोट रेस के विजेताओं को मिला पुरस्कार

जूनियर बोट रेस में प्रथम पुरस्कार संजय रैकवार, प्रयांस रैकवार को मिला, जिन्हें 21000 रुपए नगद इनाम दिया गया। द्वितीय पुरस्कार राज मांझी, आयुष चौहान को मिला, जिन्हें 11000 रुपए नगद दिया गया। तृतीय पुरस्कार सौरब मांझी, सुमित मांझी को मिला, जिनहें 5100 रुपए नगद इनाम दिया गया। उक्त सभी पुरस्कार विधायक के करकमलों द्वारा भेंट किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, चन्दू ईसरानी, प्रमोद राजपूत कमल वीधानी, सभी नेतागण एवं क्षेत्रीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे, जिन्होंने बड़ी ही उत्सुकता के साथ बोट रेस का लुत्फ उठाया।

शिकायतों का शीघ्र निराकरण करने के दिए आदेश

क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण करने सड़कों पर उतरा प्रशासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

जिला कलेक्टर के आदेश पर शनिवार को अंकित जैन प्रभारी एसडीएम, हेमन्त शर्मा तहसीलदार, निलेश सरवटे नायब तहसीलदार, किरण राहंगडाले मुख्य नगर पालिका अधिकारी, मुकेश जैन उपयंत्री नगर परिषद औबेदुल्लागंज द्वारा पंप अटेंडेंट से पेयजल की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए चर्चा की। इसके साथ ही क्षेत्र में निरीक्षण कर लोगों से चचा की। साथ ही पेयजल व्यवस्था को सुधारने के निर्देश दिए।

शनिवार को निरीक्षण के दौरान विभिन्न कॉलोनी में पेयजल समस्याओं एवं निर्माण से संबंधित सभी शिकायतों का शीघ्र निराकरण करने के आदेश दिए। नगरीय क्षेत्र के समस्त वार्डों की पानी की टंकियों का भी निरीक्षण किया तथा पेयजल व्यवस्थाओं से संबंधित पेयजल लाइनों का निरीक्षण किया गया और लीकेज से संबंधित समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाने के आदेश दिए।

पेयजल की समस्याओं की जानकारी लेने के लिए स्थानीय रहवासियों से चर्चा करते हुए एसडीएम, तहसीलदार और सीएमओ।

जंगल, पशु और पक्षियों के चित्रों को बचपन से बनाया और यही से प्रेरणा लेकर चित्रकारी शुरू की

चित्रकार मनीषा बारिया अपनी पेंटिंग दिखाते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पहले मेरे परिवार की महिलाएं व बुजुर्ग घर की दीवारों और आंगन में गोबर, चूना और गेरू से चित्रकारी करते थे, जिसमें आस-पास के परिवेश को उकेरते थे।

इसमें जंगल, पशु और पक्षियों के चित्रों को बनाते और यहीं से मैंने पारंपरिक चित्रों को देखा और उनसे प्रेरणा लेकर चित्रकारी करना शुरू की... यह कहना है भील जनजातीय चित्रकार मनीषा बारिया का, जिनके चित्रों की प्रदर्शनी जनजातीय संग्रहालय में 'लिखन्दरा प्रदर्शनी दीर्घा' में आयोजित की जा रही है।

> हमारे बुजुर्ग पहले अपने घर की दीवारों और आंगन में गोबर, चूना और गेरू से विभिन्न प्रकार की चित्रकारी करते थे

प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार की कलाकृतियों का प्रदर्शन किया गया।

जनजातीय संग्रहालय में 'लिखंदरा प्रदर्शनी दीर्घा' में भील जनजातीय चित्रकार मनीषा बारिया के चित्रों की प्रदर्शनी

हमारी आजीविका का प्रमुख माध्यम हैं चित्र

मनीषा ने कहा कि चित्र सिर्फ हमारी परंपरा को जीवित रखने का माध्यम ही नहीं थे, बल्कि हमारे परिवार की आजीविका भी पेंटिंग्स को बेचकर ही चलती थी। इसलिए मैं बचपन से ही इस कला को सीखती और संवारती आ रही हूं। उन्होंने कहा कि मेरे चित्र मप्र सहित देश के कई स्थानों में प्रदर्शित किए जा चुके हैं। जिन्हें कला प्रेमियों द्वारा काफी सराहा गया है। एक्रेलिक रंगों से पेंटिंग बनाने वाली मनीषा ने कहा कि मुझे 2 से 10 दिन तक का समय एक चित्र को बनाने में लगता है, जिसमें कला की बारीकी के साथ हमारी परंपरा दोनों का ध्यान रखा जाता है। मनीषा ने कहा कि मेरे बने चित्रों में जंगली पशु-पक्षी और प्राकृतिक परिवेश विशेषतौर पर दृष्टव्य होते हैं और मैं अपनी सफलता का सम्पूर्ण श्रेय अपने पिता रमेश बारिया को देती हूं। उनकी सतत प्रेरणा और मार्गदर्शन ने मेरी इस चित्रकला को सुघड़ बनाया।

मानव संग्रहालय में आयोजित लोसर महोत्सव में सांस्कृतिक विरासत और लोक अनुभूति का सजीव प्रदर्शन

हिमालय के शांत ढलानों की अठखेलियों पर आधारित प्रस्तुत किया 'यो कुरा गोपे' नृत्य

हिमालय वेशभूषा में कलाकार।

कलाकारों ने मंच को ऊर्जा और आध्यात्मिक भावों से भर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मानव संग्रहालय में आयोजित लोसर महोत्सव के अंतर्गत शनिवार को हिमालयी समाज की सांस्कृतिक चेतना, लोकभाव और सामुदायिक परंपराएं अत्यंत गरिमामय रूप में सामने आईं। कार्यक्रम ने लद्दाख एवं सिक्किम की समृद्ध विरासत को नृत्य, संगीत, अनुष्ठान और पारंपरिक आतिथ्य के माध्यम से जीवंत किया। सांस्कृतिक संध्या में नेपाली गीत एवं नृत्य 'यो कुरा गोपे' की भावपूर्ण प्रस्तुति ने दर्शकों को आत्मिक स्तर पर छुआ। हिमालय की शांत ढलानों से उपजे इस गीत का भावार्थ है यह बात मैं छुपाकर रखूंगा-रखूंगी। यह उस अनुभूति का प्रतीक है जो शब्दों में नहीं ढलती, पर हृदय में गहराई से बस जाती है। कोमल मुद्राओं, झुकी दृष्टि और संयत गतियों के साथ यह नृत्य नेपाली लोकजीवन की संवेदनशीलता और शालीनता को अभिव्यक्त करता हुआ नजर आया।

लोसर महोत्सव के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए।

हिम-शेर के रूप में सुसज्जित कलाकारों ने किया शक्ति, साहस और पवित्रता का प्रदर्शन

सिक्किम से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सिंघी नृत्य ने मंच को ऊर्जा और आध्यात्मिक गरिमा से भर दिया। स्नो लायन अर्थात हिम-शेर के रूप में सुसज्जित कलाकारों ने शक्ति, साहस और पवित्रता का प्रतीकात्मक रूप प्रस्तुत किया। बौद्ध परंपराओं से जुड़ा यह नृत्य नकारात्मक शक्तियों के नाश और मंगल कामनाओं का प्रतीक माना जाता है।

लोसर महोत्सव के अंतर्गत सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत करते कलाकार।

लेपचा संस्कृति में होता है मनुष्य और प्रकृति के बीच गहरा संबंध

कार्यक्रम में सिक्किम की प्राचीन लेपचा जनजाति द्वारा प्रस्तुत लेपचा नृत्य भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस नृत्य की सहज, प्रवाही और प्रकृति-संवादी गतियों ने यह संदेश दिया कि लेपचा संस्कृति में मनुष्य और प्रकृति के बीच गहरा और सम्मानपूर्ण संबंध है। सादगीपूर्ण वेशभूषा और मद्धम लय में प्रस्तुत यह नृत्य दर्शकों को एक शांत, आत्मीय अनुभव प्रदान करता रहा।

परंपरिक बांसुरी वादन करता कलाकार।

उपन्यास को मनोवैज्ञानिक प्रभावों से दूर रखा: लोकेश

मन के भीतर ही शुरू होकर मन में खत्म हो जाती हैं कहानियां

> दुष्यंत संग्रहालय में क्लब लिटराटीका 'मोहिनी' पर एक साहित्यिक संवाद

कार्यक्रम में संवाद करते लोकेश गुलयानी और त्रिशा कौशिक।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

क्लब लिटराटी की ओर से शनिवार को दुष्यंत संग्रहालय में उपन्यास 'मोहिनी' पर एक साहित्यिक संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रख्यात साहित्यकार लोकेश गुलयानी दिल्ली से विशेष वक्ता के रूप में उपस्थित रहे, जबकि उनसे संवाद का संचालन त्रिशा कौशिक ने किया। लोकेश ने कहा कि मेरा यह उपन्यास मेरे साहित्यिक सफर की ग्यारहवीं पुस्तक और चौथा उपन्यास है। लोकेश ने बताया कि आजकल कहानियों और उपन्यासों में मनोविज्ञान पर बहुत जोर दिया जा रहा है। यही कारण है कि मैंने अपने इस उपन्यास को मनोवैज्ञानिक प्रभावों से दूर रखा।

भोपाल प्रवास की साहित्यिक स्मृतियों से उपजी रचना है 'मोहिनी'

यह उपन्यास प्राचीन कथा-परंपरा की स्मृति को पुनर्जीवित करने का प्रयास है। राजा, राज्य, नीति, कूटनीति, तंत्र-मंत्र, वरदान और श्राप की पृष्ठभूमि में रची यह कथा राजा यशोवर्धन के जीवन और राजसत्ता में घटित षड्यंत्रों को सामने लाती है। लेखक ने यह भी साझा किया कि 'मोहिनी' उनके भोपाल प्रवास की साहित्यिक स्मृतियों से उपजी रचना है।

राजा और उसके मिले वरदान की कहानी पर आधारित 'मोहिनी'

लोकेश ने बताया कि इस उपन्यास की कहानी एक ऐसे राजा के इर्द-गिर्द घूमती है जो जंगल में वन देवी से वरदान प्राप्त करने जाता है, लेकिन राजा से अनजाने में एक गंभीर भूल हो जाती है, जिससे वन देवी क्रोधित हों वरदान के साथ-साथ राजा को एक ऐसा अभिशाप भी देती हैं, जो उसके जीवन भर गले की फांस बना रहता है। इस अभिशाप से मुक्ति कैसे मिलती है यह रहस्य उपन्यास के अंत में खुलता है।

महिला शिक्षा और सामाजिक समानता के लिए कार्य करने वाली सावित्रीबाई फुले

कोटरा स्थित दृष्टिमान थिएटर में नाटक 'हां मैं, सावित्रीबाई फुले' का मंचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारत की पहली महिला शिक्षिका और समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले ने अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर महिला शिक्षा और सामाजिक समानता के लिए कार्य किया और उनके अभूतपूर्व काम के दौरान ही उन्होंने 1848 में पुणे में पहला बालिका विद्यालय खोला, और जातिवाद व छुआछूत जैसी सामाई बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाई, जिसके लिए उन्हें भारी विरोध और अपमान सहना पड़ा, लेकिन वे शिक्षा को सशक्तिकरण का हथियार मानकर चलीं। शिक्षा के क्षेत्र में सावित्रीबाई फुले के इसी योगदान को दर्शाता नाटक 'हां मैं, सावित्रीबाई फुले' का मंचन शनिवार शाम कोटरा स्थित दृष्टिमान थिएटर में किया गया।

पुणे में की पहले बालिका विद्यालय की शुरुआत

नाटक 'हां मैं, सावित्रीबाई फुले' का मंचन करती कलाकार।

नाटक में सावित्रीबाई फुले के जीवन के कुछ अत्यंत महत्वपूर्ण तथ्यों को दर्शकों के सम्मुख रखा, जिसमें दिखाया कि उन्होंने भारत में लड़कियों की शिक्षा की नींव रखी और 1848 में भिड़ेवाड़ा, पुणे में पहला बालिका विद्यालय शुरू किया, जहां वे खुद पहली शिक्षिका बनीं समाज सुधारः उन्होंने बाल विवाह, सती प्रथा, और जातिगत भेदभाव का विरोध किया विधवाओं के मुंडन के खिलाफ आवाज उठाई और दलितों व महिलाओं के उत्थान के लिए काम किया।

मासिक फिल्म श्रृंखला का प्रदर्शन

पर्यावरण, मानव बसाहट और विस्थापन पर फिल्म प्रदर्शन नया, महत्वपूर्ण कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पर्यावरण, मानव बसाहट और विस्थापन जैसे सामाजिक सरोकारों पर फिल्म प्रदर्शन एक नया और महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल लोगों को दृश्य माध्यम के जरिये न केवल सामाजिक यथार्थ से जोड़ती है, बल्कि पर्यावरण और तकनीक के प्रति अधिक सजग भी बनाती है यह कहना है एनसीएचएसई के अध्यक्ष डॉ. पी. के. दाश का जो शनिवार को नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट तथा सिने क्लासिक के द्वारा शुरू की गई मासिक फिल्म श्रृंखला की पहली कड़ी में प्रदर्शित फिल्म ह्यूमन्स इन द लूप के प्रदर्शन के अवसर पर बोल रहे थे। कार्यक्रम में उपस्थित महानिदेशक पीके नंदी ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में सजग और संवेदनशील दर्शकों की उपस्थिति अत्यंत उत्साहवर्धक है और यह इस बात का संकेत है कि समाज में सार्थक सिनेमा के लिए एक जीवंत दर्शक वर्ग मौजूद है।

पूर्व छात्रों ने पुराने किस्से याद कर कहा बीएसएसएस का कुआं बहुत याद आया

बीएसएसएस में हुई 1999-2000 बैच की एल्यूमनाई मीट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज महाविद्यालय में एल्यूमनाई मीट के दौरान वर्ष 1999-2000 बैच के पूर्व छात्रों ने मिलकर जब पुराने किस्सों को साझा किया तो ऐसा लगा मानों स्मृतियां पूरी तरह लौट आईं और अतीत वर्तमान में बदल गया। कॉलेज में एकत्रित हुए पूर्व छात्रों ने कॉलेज कैंपस का जब भ्रमण किया तो ऐसा लगा मानो बहुत छोटी-छोटी बातों को याद कर अपने जमाने में लौट गए। 25 वर्ष के बाद भी उन्हें कॉलेज की कक्षाओं से बंक कर कुए पर बैठना, कैंटीन के ब्रेड पकौड़े और गरम चाय की चुस्कियों के साथ कई शरारतें याद आईं। अल्युमिनियम मीट की आयोजक डा. लैला साइमन और जूडी अब्राहम ने पूर्व छात्रों का तिलक लगाकर स्वागत किया, जिसमें पूर्व छात्रों में किसी ने बीएसएसएस की केंटीन में बिताए पलों को याद किया तो वहीं किसी ने कहा कि आज भी बीएसएसएस का कुआं बहुत याद आता है, जिसके पास बैठकर हम अपना भविष्य संजोते थे।

एल्यूमनाई मीट के दौरान फोटो शूट कराते पूर्व विद्यार्थी।

राजधानी समाचार

ट्रेनों की लेटलतीफी से मिली कुछ राहत, रेलवे अधिकारी बोले- जल्द सुधर जाएगी चाल, पर कैसे सुधरेगी नहीं पता

मालवा व केरला एक्सप्रेस 6 घंटे देर से आई भोपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

घने कोहरे के कारण ट्रेनों की बिगड़ी हुई चाल शनिवार को कुछ पटरी पर नजर आई। इससे यात्रियों को कुछ हद तक राहत मिली। पहले जो 10 से 14 घंटे देरी से चल रही थीं अब वह ट्रेनें 4 से 6 घंटे की देरी से आई। तो वहीं अधिकांश ट्रेनें 4 से 40 मिनट तक की देरी से पहुंची। प्रीमियम श्रेणी की ट्रेनें भी 45 मिनट से एक घंटे तक की देरी से पहुंची। रेलवे अधिकारी का कहना है कि अगले सप्ताह से ट्रेनें अपने निधारित समय (राइट टाइम) से भोपाल व रानीकमलापति स्टेशन पहुंचने लगेगी, हलांकि सवाल उठता है कि ये कैसे पहुंचेगी। शनिवार को भोपाल आने वाली मालवा व केरला एक्सप्रेस ही 6-6 घंटे की देरी से भोपाल पहुंची। कई ट्रेनों की लेटलतीफी में काफी हद तक सुधार हुआ है। शताब्दी एक्सप्रेस आज एक घंटे की देरी से पहुंची।

बढ़ेगी स्पीड

रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार विगत दिनों रेलवे बोर्ड ने कोहरे से ट्रेनों लेट व यात्री सुरक्षा को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में समीक्षा की। इस दौरान अगले सप्ताह से ट्रेनों की स्पीड़ बढ़ाने सहित कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए है।

400 से अधिक यात्रियों ने टिकट कैंसिल कराया, रेलवे ने दिया रिफंड

घने कोहरे के कारण भोपाल व आरकेएमपी स्टेशन पर पिछले एक माह से घंटों कीदेरी से ट्रेनें पहुंचीं। इस वजह से प्लेटफॉर्म पर यात्रियों को ठिठुरते हुए इंतजार करना पड़ा रहा है, तो वहीं ट्रेनों में सफर भी मुश्किलभरा हो रहा है। इस वजह से कई यात्री अपनी यात्रा निरस्त कर रहे है। पिछले दस दिनों में भोपाल व आरकेएमपी स्टेशन से 400 से अधिक यात्रियों ने अपना टिकट निरस्त कराया है। जिनको रेलवे की ओर से लाखों में रिफंड देना पड़ा। जिसका बुरा असर रेलवे की कमाई पर पड़ रहा है।

दर्शनों ट्रेनें घंटों देरी से पहुंची भोपाल

12002 शताब्दी एक्सप्रेस 1.01 घंटे, 11078 झेलम एक्सप्रेस 0.40 घंटे देरी से आई, 22537 कुशीनगर एक्सप्रेस 0:45 घंटे, 20424 पातालकोट 0.40 घंटे, 12920 मालवा एक्सप्रेस 6:17 घंटे, 22692 बंगलौर राजधानी एक्सप्रेस 0:49 मिनट, 11058 अमृतसर एक्सप्रेस 2:27 घंटे, 12138 पंजाब मेल 1:55 घंटे लेट आई, 12622 तमिलनाडू एक्सप्रेस 2.44 घंटे देरी से आई, 12286 हजरत निजामुद्दीन-सिकंदराबाद दुरंतो एक्सप्रेस 2.27 घंटे देरी से आई, 12626 केरला एक्सप्रेस 6.09 घंटे देरी से आई, 12628 कर्नाटका एक्सप्रेस 2.46 घंटे देरी से आई, 20806 एपी एक्सप्रेस 2.48 घंटे देरी से आई, 12722 दक्षिण एक्सप्रेस 2.40 घंटे देरी से आई, 12191 निजामुद्दीन जबलपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 1.40 घंटे देरी से आई।

वारदात के बाद एक्टिवा से अपने साथी के साथ भागा बदमाश

पैदल जा रही महिला के हाथ से मोबाइल झपटा, 14 दिन बाद दर्ज हुई एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित चार मीनार मस्जिद के पास पैदल जा रही महिला के हाथ से अज्ञात बदमाश ने मोबाइल झपट लिया। कुछ दूर आरोपी का साथी एक्टिवा स्टार्ट कर तैयार खड़ा था। दोनों बदमाश एक्टिवा पर सवार होकर भाग निकले। पुलिस ने घटना के 14 दिन बाद झपटमारी का प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक दुर्गा मंदिर के पास हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी ऐशबाग निवासी हेमलता पंथी पत्नी देवेन्द्र पंथी (50) गृहणी हैं। विगत 20 दिसंबर 2025 को वे न्यू मार्केट से घर आ रही थीं। शाम करीब पौने 7 बजे वह चारमीनार मस्जिद के पास ऐशबाग पहुंची ही थीं कि तभी किसी का कॉल आ गया। वह मोबाइल पर बात करने लगीं। तभी पीछे से आए किसी अज्ञात बदमाश ने मोबाइल झपट लिया और आगे कुछ दूर खड़ी अपने साथी की एक्टिवा पर सवार होकर फरार हो गया। फरियादिया का कहना है कि घटना के बाद वह जरूरी काम से अपने रिश्तेदार के यहां झांसी चली गई थी। वहां से लौटकर परिजनों से चर्चा करने के बाद शुक्रवार को वह प्रकरण दर्ज कराने थाने पहुंची। पुलिस ने झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला के पर्स से मोबाइल निकाला

मिसरोद पुलिस के मुताबिक मंडीदीप रायसेन निवासी संजना पत्नी महेन्द्र सिंह राजपूत (43) गृहणी हैं। पेप्सी कंपनी में नौकरी लगने से महेन्द्र सिंह विगत 16 अगस्त 2025 को मुंबई जा रहे थे। संजना उन्हें रेलवे स्टेशन रानी कमलापति छोड़ने के लिए उनके साथ बस से जा रही थीं। राधापुरम में रहने वाला उनका दामाद दीपेश राजपूत सास-ससुर से मिलने के लिए सागर अस्पताल के पास बस स्टॉप पर इंतजार कर रहा था। शाम करीब साढ़े पांच बजे मिसरोद बस स्टॉप पर बस से उतरते समय भीड़भाड़ का फायदा उठाकर किसी अज्ञात व्यक्ति ने संजना राजपूत के पर्स से उनका मोबाइल फोन निकाल लिया। महिला का कहना है कि घटना के बाद वह अपने गांव चली गई थीं। वहां से लौटने के बाद दो जनवरी को चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराने मिसरोद थाने पहुंची। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज किया है।

पीएम ने पिपरहवा अवशेषों की प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

भगवान बुद्ध सबके हैं, सबको जोड़ते हैं, उनके अवशेष पाकर हम सभी धन्य हो गए

प्रधानमंत्री ने कहा- सवा सौ साल के लंबे इंतजार के बाद यह 'धरोहर' देश में लौटी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरहवा अवशेषों की भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा, सवा सौ साल के इंतजार के बाद भारत की विरासत लौटी है, भारत की धरोहर लौटी है। आज से भारतीय जनमानस, भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों के दर्शन कर पाएगा, भगवान बुद्ध के आशीर्वाद ले पाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान बुद्ध सबके हैं, सबको जोड़ते हैं। मैं इस शुभ अवसर पर यहां मौजूद सभी अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन करता हूं।

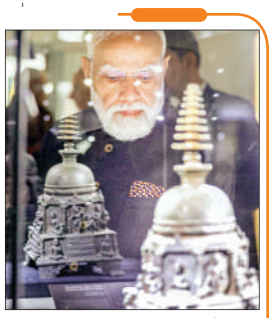

भगवान बुद्ध के आशीर्वाद से यह साल दुनिया के लिए शांति, समृद्धि और सद्भाव लेकर आए

कार्यक्रम के दौरान संतों को नमन करते हुए प्रधानमंत्री

2026 का मेरा पहला सार्वजनिक कार्यक्रम

उन्होंने कहा कि 2026 के शुरुआत में ही यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि 2026 का ये मेरा पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है, जो भगवान बुद्ध की चरणों से शुरू हो रहा है। मेरी कामना है कि भगवान बुद्ध के आशीर्वाद से 2026 दुनिया के लिए शांति, समृद्धि और सद्भाव का नया दौर लेकर आए। जिस स्थान पर यह प्रदर्शनी लगी है वो भी अपने-आप में विशेष है। किला राय पिथौरा का यह स्थान भारत के गौरवशाली इतिहास की यशभूमि है।

बुद्ध के पवित्र अवशेष हमारे आराध्य- सभ्यता के ही अंश

पीएम मोदी ने कहा कि भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष को अपने बीच पाकर हम सभी धन्य हैं। सबक ये है कि गुलामी कोई राजनीतिक और आर्थिक नहीं होती, गुलामी हमारी विरासत को भी तबाह कर देती है। भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष के साथ भी यही हुआ। गुलामी के कालखंड में इन्हें भारत से छीना गया। करीब सवा सौ साल तक ये देश से बाहर ही रहे हैं। अब इनकी प्राप्ति हो रही है।

देश को उनकी परंपरा का जीवंत वाहक बताया

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं खुद को बहुत भाग्यशाली समझता हूं, क्योंकि भगवान बुद्ध का मेरे जीवन में बहुत ही गहरा स्थान रहा है। मेरा जन्म जिस वडनगर में हुआ, वो बौद्ध शिक्षा का बहुत बड़ा केंद्र था। जिस भूमि पर भगवान बुद्ध ने प्रथम उपदेश दिए, वो सारनाथ आज मेरी कर्मभूमि है। भारत केवल भगवान बुद्ध के पावन अवशेषों का संरक्षक नहीं है, बल्कि उनकी परंपरा का जीवंत वाहक भी है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध से जुड़े अवशेष बुद्ध के संदेश की जीवित उपस्थिति है।

पूरी मानवता को ज्ञान दिया उन्होंने कहा, भगवान बुद्ध का ज्ञान, उनका दिखाया मार्ग... पूरी मानवता का है। यह भाव हमने बीते कुछ महीनों में बार-बार अनुभव किया। बुद्ध के पावन अवशेष जिस भी देश में गए, वहां आस्था और श्रद्धा का ज्वार उमड़ आया।

खबर संक्षेप

प्रताड़ना मामले में आरोपित प्रोफेसर सस्पेंड

सोलन। धर्मशाला कॉलेज की छात्रा से रैगिंग व प्रताड़ना के बाद मौत मामले में हिमाचल प्रदेश के

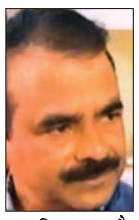

मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के आदेश पर आरोपित एसोसिएट प्रोफेसर अशोक कुमार को सस्पेंड कर दिया गया है। विभाग ने इस संबंध में लिखित ऑर्डर जारी कर दिए हैं। आरोपित को शिक्षा निदेशालय शिमला भेज दिया है। उस पर शर्तें लगाई गई हैं।

तेलंगाना ने खत्म किया 2 बच्चों वाला नियम

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा ने स्थानीय निकाय चुनाव के लिए दो बच्चों के नियम को समाप्त करने

वाला विधेयक शनिवार को पारित कर दिया। इसके के तहत दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्ति स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हो जाते थे। पंचायत राज मंत्री दानसारी अनुसूया ने कहा कि दो बच्चों का नियम जनसंख्या नियंत्रण को लागू किया गया था।

नशे में मंदिर के ऊपर चढ़ा शख्स, शराब मांगी

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के तिरुपति स्थित श्री गोविन्दराज स्वामी मंदिर में एक व्यक्ति ने शराब के नशे में

हंगामा किया। वह सुरक्षाकर्मियों को चकमा देने में कामयाब रहा और मंदिर की दीवारों पर चढ़कर शराब की बोतल की मांग करने लगा। व्यक्ति ने कहा कि उसे एक क्वार्टर शराब की बोतल चाहिए तभी वह नीचे उतरेगा। उसकी पहचान कुट्टाडी के रूप में हुई है।

पहली हाइड्रोजन ट्रेन 20 को सोनीपत जाएगी

जींद। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन आखिर जींद पहुंच गई है। जीद से ही यह ट्रेन 20 जनवरी के बाद

सोनीपत के लिए पहली बार रवाना होगी। ट्रेन व हाइड्रोजन प्लांट की टेस्टिंग के लिए लखनऊ से अनुसंधान और विकास संगठन (आरडीएसओ) की दो टीमें भी जींद पहुंच चुकी हैं। यह टीमें प्लांट की मशीनों की टेस्टिंग कर रही हैं। इसके बाद टेस्टिंग के बाद हरी झंडी देगी।

गांधीनगर में टाइफाइड का कहर, 100 लोग भर्ती

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में टाइफाइड के मामलों में बढ़ोतरी से स्वास्थ्य विभाग में

हड़कंप है। 3दिनों में 100 से अधिक लोग, जिनमें बच्चे शामिल हैं, गांधीनगर सिविल अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। प्रशासन और सरकार दोनों स्तर पर कदम उठाए गए हैं। इस पर गृह मंत्री अमित शाह ने भी कलेक्टर से फोन पर कई बार बात की।

संदेशखाली में मूसा मोल्लाह की गिरफ्तारी पर मचा बवाल

टीएमसी कार्यकर्ता को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस टीम पर किया हमला, 6 जवान घायल

गांव के एक समूह ने हमला किया और पुलिस की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया

एजेंसी ▶▶ संदेशखाली

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली इलाके में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता को गिरफ्तार करने के बाद भीड़ ने पुलिस पर हमला कर दिया। इस हमले में 6 पुलिसकर्मी घायल हो गए। बताया जा रहा है कि नजात पुलिस थाने की टीम शुक्रवार रात संदेशखाली ब्लॉक के बोयरमारी गांव में टीएमसी कार्यकर्ता मूसा मोल्लाह को गिरफ्तार करने गई थी। अधिकारी ने बताया कि पुलिसकर्मियों पर गांव के एक समूह ने हमला किया और पुलिस की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया। घायल छह पुलिसकर्मियों, जिनमें एक अधिकारी भी शामिल है, उनको स्थानीय अस्पताल में इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। बताया जा रहा है कि जब पुलिस टीम मोल्लाह को उसके घर से उठाकर पुलिस की गाड़ी में ले जा रहे थे, तो गांव वालों के एक समूह ने टीम पर पत्थर फेंके, जिससे वे घायल हो गए।

भीड़ ने पत्थरबाजी भी की

एक अधिकारी भी इस दौरान घायल हो गया जिसे भर्ती कराया

पुलिस और भीड़ के बीच होती रही कहासुनी

2 टीएमसी नेताओं को भी हिरासत में लिया

एक अधिकारी ने बताया कि मोल्लाह को इलाके में मछली पालन के लिए जबरन तालाबों पर कब्जा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अतिरिक्त पुलिस बल भेजे जाने और भीड़ को खदेड़ने के बाद आखिरकार उसे पुलिस स्टेशन ले जाया जा सका। अधिकारी ने बताया कि उसके अलावा, भीड़ को उकसाने के आरोप में ग्राम पंचायत प्रधान सहित दो स्थानीय टीएमसी नेताओं को भी हिरासत में लिया गया है।

अभिषेक का भाजपा पर हमला

भाजपा सांप की तरह, अपने आंगन में रखेंगे तो काटेंगे ही

अलीपुरद्वार। बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीति गरमा गई है। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बेनर्जी ने

शनिवार को बीजेपी पर बड़ा जुबानी हमला किया। बेनर्जी ने जनता से कहा कि भाजपा एक सांप की तरह है। अगर आप अपने आंगन में 1 या 18 सांप रखेंगे, तो आखिरकार वह आपको काटेंगे ही। इस बार आने वाले चुनावों में यह पक्का करें कि अलीपुरद्वार में कोई सांप न रहे। भाजपा को इस राज्य से बाहर करना होगा।

टीएमसी का नया चुनावी कैंपेन

घायल हूं, इसलिए घातक हूं

बंगाल चुनाव की औपचारिक घोषणा भले ही अभी नहीं हुई है, लेकिन राजनीतिक दलों ने चुनावी तैयारियां शुरू कर दी हैं। टीएमसी ने भी अपने नए चुनावी अभियान की शुरुआत कर दी है। अभिषेक की बंगाल यात्रा को लेकर एक नया वीडियो जारी किया गया है, जिसमें फिल्म 'धुरंधर' के डायलॉग और गाने का इस्तेमाल किया गया है। दरअसल, इस वीडियो में अभिषेक का संदेश 'घायल हूं इसीलिए घातक हूं' सामने रखा गया है, जिसे पार्टी के नए कैंपेन की टैगलाइन के तौर पर पेश किया गया है।

चक्रवर्ती का आरोप

बंगाल को 'वेस्ट पाकिस्तान' बना रहे कश्मीर फाइल्स जैसी स्थिति हो रही

भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने बंगाल की कानून-व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। कूचबिहार में मिथुन ने आरोप लगाया कि बंगाल में जान-बूझकर ऐसे हालात बनाए जा रहे हैं, जो कश्मीर फाइल्स में दिखाए गए घटनाक्रम से मिलते-जुलते हैं। वे इसे वेस्ट पाकिस्तान बना रहे।

टीएमसी सांसद नूर कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा सियासी घटनाक्रम सामने आया है। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा

सांसद मौसम बेनजीर नूर ने कांग्रेस का दामन थाम लिया है। अटकलों पर विराम लगाते हुए उनकी यह घर वापसी कांग्रेस के लिए बंगाल से आई बड़ी खुशखबरी मानी जा रही है। 2026 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मौसम नूर का कांग्रेस में शामिल होना सिर्फ एक दल-बदल नहीं, बल्कि बंगाल की राजनीति में सियासी संतुलन बदलने वाला कदम माना जा रहा है।

चेन्नई में 9वें सिद्धा दिवस समारोह का किया उद्घाटन

सिद्धा आधुनिक विश्व के लिए समग्र व निवारक स्वास्थ्य प्रणाली: राधाकृष्णन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने 9वें सिद्धा दिवस समारोह का उद्घाटन करते हुए कहा कि सिद्धा चिकित्सा प्रणाली आधुनिक विश्व के लिए एक समग्र, निवारक और टिकाऊ स्वास्थ्य प्रणाली है, जिसकी प्रासंगिकता और बढ़ गई है।

नीति निर्माताओं, सिद्धा चिकित्सकों, शिक्षाविदों और छात्रों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा कि भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां सिद्धा, आयुर्वेद, योग एवं अन्य आयुष प्रणालियां अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि जीवंत परंपराएं हैं, जो आज भी करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने सिद्धा चिकित्सा को भारत की सबसे प्राचीन और गहन चिकित्सा परंपराओं में से एक बताते हुए कहा कि यह शरीर, मन और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित करने पर आधारित है।

ग्रंथ नष्ट हो रहे

उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐतिहासिक उपेक्षा और अपर्याप्त दस्तावेजीकरण के कारण कई बहुमूल्य ग्रंथों के नष्ट होने का खतरा रहा है। उन्होंने पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान के संरक्षण, संग्रह और शोध के लिए निरंतर और व्यवस्थित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। तेज जीवनशैली, तनाव और अस्वस्थ आदतों से उत्पन्न बीमारियों के संदर्भ में उपराष्ट्रपति ने सिद्धा की निवारक चिकित्सा, जीवनशैली प्रबंधन और रोगों की जड़ तक उपचार की पद्धति को अत्यंत प्रासंगिक बताया। उन्होंने आधुनिक चिकित्सा की उपलब्धियों को स्वीकार करते हुए कहा कि दीर्घकालिक उपचार और संतुलन बहाली में पारंपरिक प्रणालियों की भूमिका अहम है। उपराष्ट्रपति ने विश्वास जताया कि सिद्धा चिकित्सा में असाध्य बीमारियों के स्थायी उपचार संभव हैं। उन्होंने शोधार्थियों को वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराने की जरूरत पर भी जोर दिया।

सिद्धा शिक्षा में प्रगति का उल्लेख किया

सिद्धा शिक्षा और अनुसंधान में हुई प्रमुख प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि डब्ल्यूएचओ की आईसीडी-11 में सिद्धा मॉर्बिडिटी कोड्स को शामिल किया जाना और अंतरराष्ट्रीय मानक शब्दावली का विकास, सिद्धा को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। समारोह में सिद्धा चिकित्सा में उल्लेखनीय योगदान के लिए पाँच प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। इनमें डॉ. बी. माइकल जेयराज, डॉ. टी. कन्नन राजाराम, दिवंगत डॉ. आई. सोर्नामारियम्मल, डॉ. मोहना राज और प्रो. डॉ. वी. बनुमति शामिल हैं। 'वैश्विक स्वास्थ्य के लिए सिद्धा' विषय पर आधारित इस आयोजन में देशभर से सिद्धा चिकित्सक, वैज्ञानिक, शिक्षाविद और छात्र शामिल हुए। कार्यक्रम ने सिद्धा चिकित्सा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणालियों का अभिन्न अंग बनाने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

पटना में बोले सीजेआई

कानून प्रणाली में सहानुभूति जरूरी, त्वरित न्याय मिले

एजेंसी ▶▶ पटना

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि कानून प्रणाली में

'सहानुभूति' होना जरूरी है, क्योंकि इसी से एक न्यायपूर्ण समाज और अन्यायपूर्ण समाज में फर्क होता है। उन्होंने यह भी कहा कि न्याय सबसे ज्यादा उन लोगों और समुदायों तक पहुंचना चाहिए जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।सीजेआई ने ये बातें पटना के चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में कहीं। उन्होंने युवा वकीलों को कहा कि मेहनत और जोश होना जरूरी है।

न्याय मशीनों से नहीं मिलता

सीजेआई ने कहा कि न्याय मशीनों से नहीं, बल्कि संवेदनशील और सक्षम लोगों से मिलता है और इसी समझ के साथ न्याय व्यवस्था को एक समावेशी, सक्षम और मानवीय न्याय प्रणाली के निर्माण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ना होगा।

एआईएमआईएम नेता जलील बोले

गलत इरादे से मुस्लिम महिलाओं को छुआ तो मैं हाथ काट दूंगा

एजेंसी ▶▶ जालना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक महिला के चेहरे से नकाब

हटाए जाने और फिर इस पर उत्तर प्रदेश के एक मंत्री की टिप्पणी से उठे विवाद के बीच, एआईएमआईएम नेता इम्तियाज जलील ने कहा है कि जो भी व्यक्ति मुस्लिम महिलाओं को गलत इरादे से छूने की हिम्मत करेगा, वह उसके हाथ काट देंगे। जलील ने महाराष्ट्र के जालना में कहा कि 'तथाकथित धर्मनिरपेक्ष दल' गुंडों और आपराधिक तत्वों का पक्ष लेते हैं, लेकिन मुसलमानों का समर्थन करने से हिचकते हैं। उन्होंने हिजाब विवाद को लेकर नीतीश कुमार पर निशाना साधा। औरंगाबाद के पूर्व सांसद ने कहा, उत्तर प्रदेश के एक मंत्री ने आपत्तिजनक बयान दिया था। अगर कोई भी मुस्लिम बहन को गलत इरादे से छूने की हिम्मत करेगा, तो मैं उसका हाथ काट दूंगा। उत्तर प्रदेश के मंत्री संजय निषाद ने नीतीश कुमार से जुड़े हिजाब विवाद के सिलसिले में बात की थी।

दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग

गोपालगंज में रामायण मंदिर में स्थापित होगा गोपालगंज। दुनिया के सबसे बड़े शिवलिंग की स्थापना मोतिहारी के कल्याणपुर प्रखंड अंतर्गत कैथवलिया गांव के जानकीनगर में बन रहे विराट रामायण मंदिर में की जाएगी। महाबलीपुरम से 38 दिन की यात्रा तय कर तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश से बिहार पहुंचा।

शाह ने अंडमान एवं निकोबार में बैठक की अध्यक्षता की

रणनीतिक महत्व, नवीनतम प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर दिया जोर

संसदीय सलाहकार समिति की बैठक में शामिल रहे कई अधिकारी

एजेंसी ▶▶ श्री विजयपुरम

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में गृह मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की शनिवार को अध्यक्षता की। बताया गया कि यह बैठक पूर्वाह्न 11 बजे शुरू हुई और अपराह्न करीब दो बजकर 40 मिनट पर समाप्त हुई। इस बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, साइबर सुरक्षा और क्षेत्रीय अवसंरचना से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई।उन्होंने बताया कि अपराध से लड़ने के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकियों का उपयोग किए जाने और केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) एवं राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) जैसे अत्याधुनिक केंद्रों की क्षेत्रीय स्तर पर स्थापना किए जाने पर भी बैठक में जोर दिया गया।

आज पहुंचेंगे दिल्ली

राज्य के अधिकारियों ने किया शाह का सम्मान

प्रदर्शनी का उद्घाटन और परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया

शाह दोपहर बाद श्री विजय पुरम (पूर्व में पोर्ट ब्लेयर) के 'आईटीएफ ग्राउंड' में 'नवीन न्याय संहिता' पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके बाद वह नेताजी स्टेडियम में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय एवं बंडी संजय कुमार, समिति के सदस्य, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और अन्य अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

एक महीने में यह था दूसरा दौरा यह एक महीने से भी कम समय में शाह का यहां दूसरा दौरा है। उन्होंने इससे पहले 12 दिसंबर को वीडी सावरकर की प्रतिष्ठित कविता 'सागर प्राण तलमाला' की 116वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में द्वीपसमूह का दौरा किया था। अधिकारियों ने बताया कि शाह के दौरे के मद्देनजर केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। शाह चार जनवरी को यहां से रवाना होंगे।

चुनावी माहौल में महाराष्ट्र में बयानबाजी तेज

भाजपा ने अजित पर किया पलटवार आरोप लगाने से पहले जरा सोच लें

मैं बोला तो अजित की मुश्किलें बढ़ जाएंगी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार द्वारा

पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम में भ्रष्टाचार और कर्ज के आरोप लगाए जाने पर भाजपा ने कड़ा पलटवार किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने कहा कि आरोप लगाने से पहले अजित को आत्ममंथन करना चाहिए। अगर भाजपा भी आरोप-प्रत्यारोप शुरू करेगी तो इससे अजित के लिए गंभीर मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। अजित को यह बात अच्छी तरह से सोच लेनी चाहिए।

अजित महायुति को छोड़ें

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने अजित की अगुवाई वाली एनसीपी को शरद पवार के नेतृत्व

वाली एनसीपी (एसपी) में विलय करने की सलाह दी है। राउत का कहना है कि जब पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निकाय चुनाव में दोनों गुट साथ आ गए , तो अजित को महायुति छोड़ देनी चाहिए।

बांग्लादेश में एक और हिंदू की मौत

खोकन चंद्र दास ने इलाज के दौरान तोड़ा दम, भीड़ ने लगाई थी आग

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शरियतपुर जिले के बाजार में मेडिकल स्टोर चलाने वाले हिंदू व्यापारी खोकन चंद्र दास की शनिवार सुबह ढाका के नेशनल बर्न इंस्टीट्यूट में इलाज के दौरान मौत हो गई। नए साल की पूर्व संध्या पर हमलावरों ने उन पर पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया था। डॉक्टरों के मुताबिक, खोकन दास के शरीर का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा झुलस गया था। उनके चेहरे और श्वसन तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचा था। अस्पताल के प्रोफेसर डॉ. शौन बिन रहमान ने बताया कि सुबह करीब 7:20 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

मृतक खोकन दास

डॉक्टरों के मुताबिक खोकन दास के शरीर का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा झुलस गया था। उनके चेहरे और श्वसन तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचा था। अस्पताल के प्रोफेसर डॉ. शौन बिन रहमान ने बताया कि सुबह करीब 7:20 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली

शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा झुलस गया था

आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर

31 दिसंबर की रात किया था हमला

यह घटना 31 दिसंबर की रात करीब 9:30 बजे दामुदिया उपजिला के कोनेश्वर यूनियन स्थित केउरभांगा बाजार के पास हुई। दुकान बंद कर घर लौट रहे खोकन दास को रास्ते में बदमाशों ने रोका, धारदार हथियारों से हमला किया और फिर पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

पहचान होने पर की हत्या

खोकन दास की पत्नी सीमा दास ने कहा कि उनके पति ने दो हमलावरों को पहचान लिया था, इसी वजह से बदमाशों ने उनकी हत्या की नीयत से पेट्रोल डालकर आग लगा दी। परिवार ने मामले की निष्पक्ष जांच और सभी आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। रिश्तेदार प्रांतो दास ने कहा कि दोषियों को बख्शा न जाए।

दो आरोपी पहचाने गए

दामुदिया थाने के प्रभारी मोहम्मद रबिउल हक के अनुसार, पुलिस ने दो आरोपियों रब्बी और सोहाग की पहचान कर ली है। दोनों स्थानीय निवासी हैं और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। अन्य संभावित आरोपियों की भी तलाश जारी है।

दिसंबर माह में पांचवें हिंदू व्यक्ति की मौत

बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के प्रवक्ता काजोल देबनाथ ने कहा कि दिसंबर से हिंदू समुदाय के किसी व्यक्ति की यह पांचवीं मौत है और बांग्लादेश में कट्टरपंथी समूह अल्पसंख्यक समुदायों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। इस महीने अल्पसंख्यकों पर सात हमले दर्ज किए हैं। देबनाथ ने कहा कि किसी व्यक्ति या उसके घर को जलाने के लिए पेट्रोल या बारूद का इस्तेमाल करना सिर्फ आपराधिक कृत्य नहीं है, बल्कि एक अशुभ संकेत है... शायद हम एक कट्टरपंथी (दक्षिणपंथी) संस्कृति के उदय के साक्षी बन रहे हैं।

वायरल वीडियो में छात्र नेता का दावा

एसआई संतोष को हमने जिंदा जलाया

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में बांग्लादेश का एक कथित छात्र नेता खुलेआम एक हिंदू पुलिस अफसर की लिंचिंग पर डींग मारता दिखाई दे रहा है। यह वीडियो 'एक्स' पर एक पत्रकार और लेखक साहिदुल हसन खोकोन ने शेयर किया था। वीडियो में युवक खुद को हबीगंज जिले का छात्र समन्वयक बताते हुए पुलिस अधिकारियों को खुलेआम धमकी देता नजर आता है। वह कहता है कि जुलाई 2024 के आंदोलन के दौरान उन्होंने एक पुलिस स्टेशन को आग के हवाले कर दिया था और हिंदू सब-इंस्पेक्टर संतोष भाभू को जिंदा जला दिया।

पुराने जख्म एक बार फिर हरे

इस बयान ने अगस्त 2024 में हुई उस भयावह घटना को फिर से चर्चा में ला दिया है, जब हबीगंज जिले के बनियाचोंग थाने में तैनात सब-इंस्पेक्टर संतोष भाभू की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी।

खबर संक्षेप

उमर-शरजील की बेल पर कल होगा फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े साजिश के मामले में आरोपी उमर खालिद, शरजील इमाम समेत अन्य की जमानत याचिकाओं पर 5 जनवरी को अपना फैसला सुनाएगा। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ इस मामले में निर्णय सुनाएगी। शीर्ष अदालत ने 10 दिसंबर को इन आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई पूरी करने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता उपस्थित थे।

'फर्जी' डिग्री में दो लोग भगोड़े अपराधी घोषित

शिमला। शिमला की विशेष धनशोधन निवारण अधिनियम अदालत ने हिमाचल प्रदेश के कथित फर्जी डिग्री घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में राज्य के एक निजी विश्वविद्यालय के दो प्रवर्तकों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया है। भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत मनदीप राणा और उसकी मां अशोनी कंवर के खिलाफ यह घोषणा की गई है। ये दोनों सोलन स्थित मानव भारती विश्वविद्यालय के प्रवर्तक हैं और कंवर का पति राजकुमार राणा विश्वविद्यालय का मुख्य प्रवर्तक है।

एआईएमएसए की जयशंकर से गुहार

ईरान में फंसे 3,000 भारतीय मेडिकल छात्र, कदम उठाएं

ईरान में सड़कों पर प्रदर्शन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

ईरान में लगातार फैल रहे हिंसक प्रदर्शनों को देखते हुए ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएमएसए) के फॉरेन स्टूडेंट विंग ने शनिवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से दखल देने की मांग की है। एसोसिएशन का कहना है कि इस समय करीब 3,000 भारतीय मेडिकल छात्र मध्य-पूर्व के इस देश में हैं, जहां कई शहरों में अशांति फैलती जा रही है। इस चिट्ठी में ईरान में मौजूद भारतीय मेडिकल छात्रों और उनके परिवार वालों में सुरक्षा का भरोसा बहाल करने की अपील की गई है। बता दें, ईरान में विरोध प्रदर्शन छठे दिन में प्रवेश कर गए हैं। कई हिस्सों में हिंसक प्रदर्शन और गिरफ्तारियों की खबरें हैं। अमेरिका स्थित मानवाधिकार कार्यकर्ता समाचार एजेंसी (एचआरएएनए) ने बताया कि अब तक 10 प्रदर्शनकारी मारे जा चुके हैं और दर्जनों को गिरफ्तार किया गया है। प्रदर्शन की शुरुआत सोमवार को हुई, जब तेहरान में कारोबारियों ने बाजार को बंद किया।

छात्र और परिवार वाले गहरी चिंता में

शुक्रवार को एआईएमएसए ने पीएम नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर उनसे दखल की मांग की थी, ताकि वहां रह रहे भारतीय मेडिकल छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके, खासकर जो घाटी से हैं और ईरान में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। अब शनिवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर को लिखी चिट्ठी में एआईएमएसए के जम्मू और कश्मीर यूनिट के वाइस प्रेसिडेंट मोहम्मद मोमिन खान ने कहा कि ईरान में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे करीब 3,000 भारतीय मेडिकल छात्रों की सुरक्षा और हितों को लेकर बढ़ती हुई चिंता की ओर आपका ध्यान खींचना चाहता हूं। ईरान की जमीनी स्थिति को देखते हुए वे छात्र और उनके परिवार वाले बहुत ज्यादा दहशत में हैं।

ऐहतियाती कदम उठाने की अपील

एसोसिएशन ने विदेश मंत्रालय से सभी एहतियाती कदम उठाने का आग्रह किया है, जिसमें इमरजेंसी हेल्पलाइन स्थापित करने के अलावा जरूरत पड़ने पर वहां से निकालने की योजना भी शामिल है। भारत सरकार से विनम्र निवेदन करता है कि वह स्थिति पर बारीकी से नजर रखे और ईरान में मौजूद भारतीय मेडिकल छात्रों की सुरक्षा, सलामती और बिना किसी रुकावट के संपर्क सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय और एहतियाती कदम उठाए।

अमेरिका की गिरफ्त में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी

ट्रंप का बड़ा आरोप- मादुरो मादक पदार्थ तस्करों और आतंकी संगठनों के मददगार, छोड़ेंगे नहीं

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका ने शनिवार को दक्षिण अमेरिका में वेनेजुएला पर हमला बोला। यह हमला राजधानी काराकास में किया गया। इस घटना के कई वीडियो वायरल हुए, जिसके बाद खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी पुष्टि की।

अमेरिका का कहना है कि वेनेजुएला की सरकार अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन रही थी और वहां से अमेरिका के खिलाफ साजिशें हो रही थीं। वेनेजुएला में लोकतंत्र खत्म हो चुका है और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन हो रहा था। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो अवैध गतिविधियों और हिंसा को बढ़ावा दे रहे थे। अमेरिका के न्याय विभाग ने 2020 में वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो पर नार्को-आतंकवाद के गंभीर आरोप लगाए थे। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान दायर कई अभियोगों में कहा गया कि मादुरो और उनके सहयोगियों ने वेनेजुएला को मादक पदार्थ तस्करों और आतंकी संगठनों के हित में काम करने वाले एक आपराधिक उद्यम में बदल दिया। इस नेटवर्क के जरिए अरबों डॉलर की लूट की गई।

अमेरिका का कहना है कि वेनेजुएला की सरकार अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन रही थी और वहां से अमेरिका के खिलाफ साजिशें हो रही थीं। वेनेजुएला में लोकतंत्र खत्म हो चुका है और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन हो रहा था। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो अवैध गतिविधियों और हिंसा को बढ़ावा दे रहे थे

◆ 2020 में वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो पर नार्को-आतंकवाद के गंभीर आरोप लगे थे

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस

सब तेल के लिए हुआ: रक्षा मंत्री

निकोलस मादुरो को बंधक बनाए जाने के बाद वेनेजुएला के रक्षा मंत्री जनरल व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज ने कहा, यह हमला देश पर अब तक का सबसे बड़ा अत्याचार है। उन्होंने हम पर हमला किया है, लेकिन वे हमें हरा नहीं पाएंगे, हम प्रतिरोध की एक अटूट दीवार बनाएंगे।

तेल सेक्टर खोलने का दबाव

2013 में वेनेजुएला में वामपंथी राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज की मौत के बाद निकोलस मादुरो वेनेजुएला के राष्ट्रपति बने। तबसे लेकर अब तक वेनेजुएला की विदेश नीति अमेरिका के प्रति जैसी की तैसी ही बनी हुई है। हालांकि, अमेरिका लगातार वेनेजुएला पर अपने तेल सेक्टर को खोलने का दबाव बनाने के लिए तरह-तरह के प्रतिबंध लगाता रहा है। इससे वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ा है।

तेल, सोना और गैस का बड़ा भंडार

अर्थशास्त्रियों के अनुसार वेनेजुएला के पास है दुनिया में सर्वाधिक 303 अरब बैरल से अधिक का तेल भंडार, 8900 टन सोना, 2.8 करोड़ टन निकेल, दुनिया में 8वें स्थान पर 201 ट्रिलियन क्यूबिक फीट प्राकृतिक गैस, 14600 टन लोहा और बॉक्साइट 32 करोड़ टन है। अगर अमेरिका की इस तक पहुंच होती है तो ट्रंप प्रशासन तेल खरीद पर निर्भर नहीं रहेगा।

बस ड्राइवर से राष्ट्रपति तक का सफर

निकोलस मादुरो राजनीति में आने से पहले राजधानी काराकास में एक बस ड्राइवर थे। अपने इसी पेशे के दौरान ही पहली बार उनका राजनीति से परिचय तब हुआ, जब उन्हें बस ड्राइवरों की यूनियन का नेता चुना गया। 1992 में जब वेनेजुएला में सैन्य अफसर रह चुके ह्यूगो शावेज ने सरकार के तख्तापलट की असफल कोशिश की तो उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। 2012 में शावेज को कैंसर का पता चला और उन्होंने मादुरो को उपराष्ट्रपति नामित किया। शावेज ने मादुरो को अपना उत्तराधिकारी चुना था।

अंतिम वर्ष में जल सहयोग जारी

भारत-बांग्लादेश ने शुरू की गंगा पद्मा नदियों की संयुक्त माप

फरक्का बांध

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और बांग्लादेश ने गुरुवार से गंगा और पद्मा नदियों पर संयुक्त जल माप की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब 30 साल पुरानी गंगा जल बंटवारा संधि अपने अंतिम वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। यह संधि वर्ष 1996 में भारत और बांग्लादेश के बीच हस्ताक्षरित हुई थी और इसकी अवधि दिसंबर 2026 में समाप्त होनी है। बांग्लादेश में पद्मा नदी पर हार्डिंग ब्रिज से करीब 3,500 फीट ऊपर एक बिंदु पर जल माप शुरू की गई है। वहीं भारत में गंगा नदी पर फरक्का बिंदु पर भी संयुक्त माप की जा रही है। यह प्रक्रिया दोनों देशों के जल संसाधन विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में की जा रही है। संयुक्त माप के लिए भारत की ओर से दो सदस्यीय टीम बांग्लादेश पहुंची है।

चमोली के नीती घाटी में पहली बर्फबारी

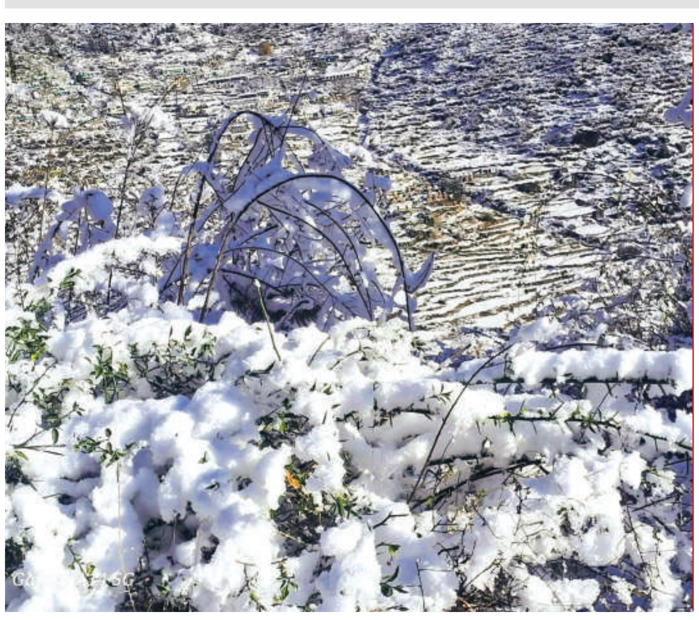

***चमोली।** उत्तराखंड के चमोली जिले में भारत चीन सीमा से लगी नीती घाटी में साल की पहली बर्फबारी देखने को मिली है। सैलानी लंबे समय से बर्फबारी का इंतजार कर रहे थे। अब नीती घाटी के आखिरी बसे गांव में मौसम की पहली बर्फबारी हुई। जिससे अल्पाइन वनस्पति बर्फ की चादर से ढक गई। नीती घाटी बर्फ की चादर ओढ़े नजर आई, यहाँ पर बर्फबारी का सुन्दर दृश्य देखने को मिल रहा है।*

अमेरिका में हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, 4 की मौत

सुपीरियर। अमेरिका में एरिजोना के पहाड़ी इलाके में एक हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई। पिनाल काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि यह दुर्घटना फीनिक्स से लगभग 103 किलोमीटर पूर्व में स्थित टेलीग्राफ कैन्यन के पास शुक्रवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे हुई। हलिकॉप्टर में सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 59 वर्षीय पायलट, 21 वर्षीय दो महिलाएं और 22 वर्षीय एक अन्य महिला शामिल हैं। 'फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन' (एफएए) और 'नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड' (एनटीएसबी) दुर्घटना की जांच कर रहे हैं।

मेयर बनने पर किया था पंजाबी डांस

मेयर ममदानी ने बंगाली खाने का उठाया लुत्फ, कामकाज संभाला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

न्यूयॉर्क शहर के नए मेयर जोहरान ममदानी का ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह हुआ। इस समारोह के दौरान ममदानी पंजाबी गाने पर थिरकते नजर आए। अब ममदानी ने अपने मेयर बनने के दूसरे दिन बंगाली व्यंजनों का लुत्फ उठाया है।

ममदानी ने बंगाली भोजन की तस्वीर अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भी शेयर की है। जोहरान ममदानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि 'दूसरे दिन का सबसे अच्छा अंत, बोइशाखी से चिकन रोस्ट और आलू भर्ता।' ममदानी ने जन भागीदारी कार्यालय की स्थापना के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य न्यूयॉर्क के लोगों को सरकारी निर्णयों में भाग लेने में मदद करना है।

जोहरान ममदानी

दिल्ली कैंट में बोले एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स

एनसीसी के 'गणतंत्र दिवस कैंप-26' में देशभर से शामिल हुए 2 हजार 406 कैडेट

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राजधानी के दिल्ली कैंट में शनिवार को राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के 'गणतंत्र दिवस कैंप-2026' की शुरुआत हो गई है। इस अवसर पर मीडिया को संबोधित करते हुए कोर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने कहा कि में इस वर्ष हमारे एनसीसी के मासिक कैंप में कुल 2 हजार 406 युवा कैडेट भाग ले रहे हैं। जिनमें 127 जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से हैं। जबकि 131 उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से हैं। इसके अलावा भारत के 25 मित्र देशों के कैडेट और अधिकारी यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम (वाईईपी) के तहत कैंप में भाग ले रहे हैं। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। यहां बता दें कि एनसीसी के युवा कैडेटों की एक टुकड़ी 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर आयोजित किए गए जाने वाले गणतंत्र दिवस परेड समारोह में भी भाग लेगी।

28 जनवरी को पीएम नरेंद्र मोदी करेंगे युवा कैडेटों को संबोधित

20 लाख हुई कैडेटों की संख्या

युवाओं को गणतंत्र दिवस कैंप का महत्व समझाते हुए कहा कि यह कैंप एक ऐसा माध्यम या मंच है, जिसके जरिए हम कैडेटों को देश की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं से रूबरू कराते हैं। नई दिल्ली में संविधान लागू होने के मुख्य पर्व के पूर्व में महीने भर की अवधि के दौरान कई महत्वपूर्ण गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। कैडेटों की संख्या आज कई गुना बढ़कर 20 लाख तक पहुंच गई है।

पीएम रैली संग होगा कैंप का समापन

उन्होंने बताया एनसीसी के कैंप का कई वीवीआईपी दौरा करेंगे। 28 जनवरी को पीएम नरेंद्र मोदी युवा कैडेटों को संबोधित करेंगे। जिसे पीएम रैली का नाम दिया गया है और इसी के साथ एनसीसी कैंप का औपचारिक रूप से समापन हो जाएगा। जबकि इससे पहले उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सीडीएस जनरल अनिल चौहान, तीनों सशस्त्र सेनाओं के प्रमुख और रक्षा सचिव एनसीसी कैंप में भाग ले रहे युवा कैडेटों से मुखातिब होंगे। मंत्रालय ने बताया कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस, 28 जनवरी को बीटिंग द रिट्रीट समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल होगी।

ऑपरेशन सिंदूर में रही भागीदारी

लेफ्टिनेंट जनरल वत्स ने कोर की 77 वर्षीय सफल राष्ट्र सेवा के लिए कैडेटों को बधाई दी और कहा कि वर्तमान समय में एनसीसी की उपस्थिति देशभर में बढ़ी है। आंकड़ों के हिसाब से कोर ने भारत के 90 फीसदी से अधिक जिलों को कवर किया है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि 7 से 10 मई 2025 तक पश्चिमी-सीमा पर पाकिस्तान के साथ चले सैन्य संघर्ष ऑपरेशन सिंदूर के दौरान स्थानीय स्तर पर प्रशासन को सहयोग प्रदान करने के लिए एनसीसी के 75 हजार कैडेटों ने अहम भूमिका निभाई थी।

एके-47, इंसास और एसएलआर राइफल बरामद

सुरक्षा बलों ने 14 नक्सलियों को मार गिराया, शव बरामद

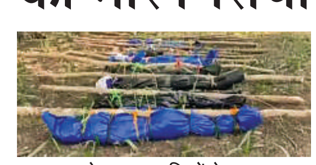
मारे गए नक्सलियों के शव

एजेंसी ▶▶ बस्तर

सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर इलाके के सुकमा और बीजापुर जिलों में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में 14 से ज्यादा माओवादियों को मार गिराया। मौके से बरामद हथियारों में एक एके-47, एक इंसास और एक एसएलआर राइफल के साथ-साथ अन्य गोला-बारूद और विस्फोटक शामिल हैं।

20 और नक्सलियों ने किया समर्पण

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-माओवादी (भाकपा-माओवादी) के शीर्ष कमांडर बदसे सुक्का उर्फ देवा ने इस प्रतिबंधित संगठन के 19 भूमिगत लड़ाकों के साथ तेलंगाना पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। देवा अपने साथियों के साथ तेलंगाना के मुलुगु पहुंचा था, जहां से पुलिस उसे हैदराबाद लेकर पहुंची थी।

बीते गुरुवार ही नया वर्ष 2026 आरंभ हुआ है। हम सभी को इस बात को लेकर बहुत उत्सुकता है कि इस साल विभिन्न क्षेत्रों में क्या कुछ नया होने वाला है? हमारी लाइफस्टाइल में क्या बदलाव देखने को मिलेंगे? यहां विस्तार से बताया जा रहा है कि इस साल हमारे डेली रूटीन, वर्क कल्चर, डाइट हैबिट, हेल्थ अवेयरनेस और टेक्नोलाइफ में क्या नया होने वाला है?

कवर स्टोरी

संध्या सिंह

इस साल हमारी लाइफस्टाइल होगी हेल्दी-बैलेंस्ड-टेंशनफ्री

साल 2026 की लाइफस्टाइल में जीवन जीने के तरीके में गहरे बदलाव साफतौर पर देखने को मिलेंगे। ये बदलाव सिर्फ सतही फैशन या ट्रेंड के स्तर पर नहीं होंगे बल्कि हमारी सोच, प्राथमिकताओं और जीवन दर्शन के स्तर पर भी दिखेंगे। एक वाक्य में कहा जाए, तो साल 2026 तेज रफ्तार जीवनशैली का नहीं बल्कि संतुलित जीवनशैली का साल होने जा रहा है। आइए क्रमबद्ध ढंग से देखें कि ये बदलाव किस तरह के होंगे।

'ज्यादा' नहीं 'जरूरी' पर होगा फोकस

इस साल लोग ज्यादा चीजों और उपलब्धियों की तरफ न भागकर, जीवन में जरूरी यानी वास्तविक जरूरतों की तरफ फोकस करेंगे। व्यावहारिक तौर पर यह जीवनशैली हमें कम सामान, कम दिखावा और कम चीजों में खुश रहना सिखाएगी। हालांकि इसकी वजह सिर्फ सोच में परिवर्तन नहीं है। इस तरफ बढ़ने की और भी कई वजहें हैं। मसलन, बेतहाशा बढ़ती महंगाई का दबाव, जलवायु संकट, मानसिक थकान और अनिश्चित भविष्य। लब्बोलुआब यह कि इस साल मिनिमलिज्म को अधिकतर लोग अपनाएंगे। लेकिन ऐसा करना मजबूरी नहीं, हमारी समझदारी की वजह से भी होगी।

हेल्थ के प्रति बढ़ेगी अवेयरनेस

कई आंकड़े बताते हैं कि भारतीय लोग, दुनिया में सबसे ज्यादा दवाएं खाते हैं। एंटीबायोटिक दवाएं खाने को तो बहुत सामान्य माना जाने लगा है। दरअसल, हम में से अधिकतर लोग स्वास्थ्य के प्रति सजग नहीं बल्कि ज्यादा चिंतित रहते हैं। लेकिन इस साल हमारी इस सोच में भी बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल भारतीय अपने स्वास्थ्य के लिए दवा से ज्यादा दिनचर्या के बदलाव पर जोर देंगे। अच्छी नींद, तनाव से मुक्ति, बेहतर भोजन और भावनात्मक संतुलन पर इस साल हम भारतीय पिछले किसी साल के मुकाबले ज्यादा सहज और सजग रहेंगे, क्योंकि हमारी लाइफस्टाइल में जो तेजी और मारामारी बीते वर्षों में शामिल हुई है, उसके चलते 30 से 40 की उम्र में ही बड़े पैमाने पर भारतीयों में हेल्थ संबंधी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। ज्यादातर समय चिंतित रहने के कारण आज 30 से 40 की उम्र में ही बहुत बड़े पैमाने पर भारतीय लोग लाइफस्टाइल डिजीज से पीड़ित हो रहे हैं। कोविड के बाद भारतीयों में बीमारी के प्रति डर और स्वास्थ्य के प्रति चेतना में बढ़ोत्तरी हुई है, जिसका परिणाम यह हुआ है कि अब लोग आयुर्वेद और वेलनेस की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यानी पिछले वर्षों में लोगों में रेग्युलर हेल्थ चेकअप, कंसल्टेशन और डाइट कॉन्शसनेस बढ़ी है, उसमें इस साल और इजाफा होगा।

कामयाबी की बदलेगी परिभाषा

आज की तारीख में हम अच्छी नौकरी और ज्यादा से ज्यादा कमाई को अपनी सफलता का पैमाना मानते हैं। लेकिन इस साल हमारी यह सोच भी थोड़ी बदलेगी। इस साल हम कामयाबी यानी अच्छी नौकरी और ज्यादा पैसे के मुकाबले मानसिक शांति को ज्यादा महत्वपूर्ण समझेंगे। इस साल हम समय की कीमत को, कमाई से ज्यादा महत्व देने वाले हैं और फैशन या दिखावे की तुलना में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ेगी। मतलब साफ है कि इस साल हम अर्थपूर्ण ढंग से काम करेंगे और इसकी वजह यह होगी कि एआई और ऑटोमेशन ने नौकरी की स्थिरता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। एआई के इस युग में किसी की भी नौकरी अचानक जा सकती है। युवा पीढ़ी ने पिछले कुछ सालों में महसूस किया है कि सब कुछ पाने के बाद भी एक खालीपन बना रहता है। इसलिए सब कुछ पाना अब कामयाबी की आखिरी परिभाषा नहीं होगी। जरूरत भर की इनकम में भी अपनों के साथ और प्रकृति के करीब जीवन गुजारने की दिशा में हम आगे बढ़ेंगे।

बदलेगा वर्क कल्चर

वर्क कल्चर की दिशा में इस साल सबसे ज्यादा बदलाव देखने को मिलेगा। अब हमारे रूटीन जीवन पर हमारा प्रोफेशनल वर्क हावी नहीं रहेगा। अब जीवन पर काम का इतना दबाव नहीं होगा कि सिर्फ काम ही काम जिंदगी की प्राथमिकता रहे। अब काम और जीवन में एक व्यापक और समानुपातिक बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल जो ट्रेंड सबसे ज्यादा दिखने वाले हैं, उनका रिश्ता भी जीवन और काम से सीधे-सीधे जुड़ता है। मसलन, हाइब्रिड जॉब कल्चर। इस साल सबसे ज्यादा हाइब्रिड जॉब कल्चर के प्रति यंगस्टर्स का झुकाव देखने को मिलेगा। फ्रीलांस वर्क अब नए सिरे से प्रतिष्ठित हो रही गतिविधि है। पहले इसे लोग मजबूरी समझते थे लेकिन अब इसे अपने मन की मर्जी और और पसंद समझा जाने लगा है। इस साल अपनी इच्छा से करियर में ब्रेक को सामाजिक स्वीकृति मिलेगी। अब तक करियर ब्रेक को असफलता के रूप में दर्ज किया जाता था। और इस साल जो देश में लाइफस्टाइल के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे, वह सबसे ज्यादा जीवंत इस तथ्य से होगा कि अब हाई प्रोफेशनल पहचान वाले लोग सिर्फ मेट्रोज में ही नहीं बल्कि छोटे शहरों और दक्षिण भारत के तो गांवों में भी मिलेंगे।

टेक्नोलॉजी का बैलेंस्ड इस्तेमाल

हाल के सालों में टेक्नोलॉजी ने जिस तरह से हर खास और आम लोगों के जीवन में दखल बढ़ाया है, उसके कुछ साइड इफेक्ट्स भी दिखते रहे हैं। अच्छी बात है कि लोगों में इसके प्रति भी अवेयरनेस बढ़ी है। अब टेक्नोलॉजी से लोगों का एडिक्शन कम होना शुरू हो गया है। इस साल अनुमान है कि भारतीय लोग बीते कुछ सालों के मुकाबले कम फोन करेंगे और सोशल मीडिया पर भी कम से कम समय जाया होने देंगे। सोशल मीडिया से दूरी इस साल काफी ज्यादा बढ़ेगी और डिजिटल डिटॉक्स हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का सबसे जरूरी और सहज ढंग बन जाएगा। वास्तव में इस बदलाव का प्रमुख कारण होगा बड़े पैमाने पर भारतीयों में डिजिटल थकान बढ़ने लगी है और आपा-धापी में मन और तन दोनो की एकाग्रता में भारी कमी आई है। इसलिए इस साल बड़े पैमाने पर भारतीय लोग डिजिटल थकान से बचने पर ध्यान देंगे और रिश्तों में बढ़ रही दूरियों को कम करने की कोशिश करेंगे।

इसी तरह इस साल हमें अपने लाइफस्टाइल में रिश्तों की एक नई संस्कृति, खान-पान में स्वास्थ्य के प्रति चेतनता बढ़ी हुई दिखेगी। हर समय काम में डूबे रहने की जगह अपनी रुचि, अपने परिवार और हेल्थ के लिए भी समय निकालेंगे। निश्चित ही ये बदलाव हम सभी के जीवन में सकारात्मक दिशा में बढ़ने में मददगार साबित होंगे। *

साइंस-टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में इस वर्ष खुलेंगे नए आयाम

नया वर्ष 2026 भारत के लिए विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्रों में प्रगति और चुनौतियों के साथ परिवर्तनकारी संभावनाओं को लेकर आया है। इस साल साइंस और टेक्नोलॉजी में किस तरह के बदलाव दिखेंगे, क्या कुछ दिखेगा नया और अभूतपूर्व, आगामी दिनों की संभावनाओं पर एक नजर।

साइंस-टेक 2026

संजय श्रीवास्तव

नया साल भारत के विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाओं को लेकर आया है। अगर सही नीति के तहत निश्चित कार्य योजना बनाकर आगे बढ़ा गया तो देश का 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और वैश्विक टॉप थ्री सुपरपावर्स में शामिल होने का सपना जरूर पूरा होगा। बेशक, इस मार्ग में चुनौतियां कम नहीं हैं, पर हम इस वर्ष से सस्ते हरित ऊर्जा, तेज इंटरनेट, सुरक्षित साइबर स्पेस, रक्षा आत्मनिर्भरता से मजबूत होती सुरक्षा, पर्यावरण सुधार, शुद्ध पेयजल के साथ समृद्ध कृषि की आशा रख सकते हैं। सरकार, उद्योग और नागरिकों का समेकित प्रयास इस लक्ष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

डीपटेक में होगी प्रगति: इस साल डीपटेक सबसे बड़ी संभावना वाला क्षेत्र बनकर उभरेगा। अनुमान है कि आने वाले समय में एक लाख स्टार्टअप्स में से 20 प्रतिशत डीपटेक, खासकर क्वांटम, बायोटेक पर केंद्रित होंगे। इस क्षेत्र में निवेश 2025 के 50 बिलियन डॉलर से बढ़कर 70 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। सेमीकंडक्टर मैन्युफेक्चरिंग व डिजाइन में प्रोत्साहन योजनाओं, एआई मिशन और विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग के विस्तार से रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक मजबूती मिलेगी। सेमीकंडक्टर डिजाइन में भारत की प्रतिभा वैश्विक कंपनियों को भा रही है, सो इस साल इस क्षेत्र में घरेलू स्टार्टअप्स के उभरने की पूरी संभावना है।

नए आसमान छुएगा इसरो: इसरो बीते सालों की तरह ही इस साल भी अपनी उपलब्धियों की वजह से खबरों में छाया रहेगा। स्वदेशी इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन प्रणाली के प्रदर्शन, इंडो-मॉरीशस संयुक्त उपग्रह और ध्रुव स्पेस का लीप-2 उपग्रह भेजने के साथ गगनयान परियोजना का पहले मानवरहित मिशन समेत तकरीबन दर्जन भर महत्वपूर्ण प्रक्षेपण उसकी कार्य सूची में हैं। इसकी कम लागत नवाचार, उपग्रह संचार और पृथ्वी-अवलोकन सेवाएं कृषि, आपदा प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स में बड़े बदलाव लाएंगी। रडार सिस्टम, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, प्रिसिजन इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैपिंग तकनीक की दुनियाभर में मांग बढ़ रही है। इन सेक्टर में छोटे-छोटे स्मॉलकैप कंपनियों की बढ़ती भूमिका के तहत 2026 तक स्पेस टेक्नोलॉजी से कमाई की तस्वीर बदलेगी।

डिफेंस सेक्टर में होंगे मजबूत: डीआरडीओ और निजी उद्योग की भागीदारी रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की गति को बढ़ाएगी तो स्वदेशी हथियार प्रणालियों, ड्रोन, एआई-डिफेंस और साइबर क्षमताओं में नई उपलब्धियां हासिल होंगी। हाइपरसोनिक हथियार, उन्नत लड़ाकू विमान, अग्नि-6 मिसाइल परीक्षण, सुखोई 30 को तेजस एमके-2 से बदलना और डीआरडीओ के एआई-संचालित ड्रोन सेल्फ अरमाडा परियोजना चर्चा में होंगे, तो आईडेक्स की फंडिंग से तकनीकी स्टार्टअप्स फलेंगे-फूलेंगे। इस बरस डीप ओशन मिशन के तहत विकसित मत्स्य 6000 पनडुब्बी, जो 6000 मीटर की गहराई तक, तीन वैज्ञानिकों को ले जाएगी। यह समुद्री संसाधन, खनिज खोज और वैज्ञानिक अनुसंधान तथा निगरानी के लिए अहम साबित होगी।

बढ़ेंगे 5जी यूजर्स: संसार के दूसरे सबसे बड़े दूरसंचार बाजार में 5जी उपभोक्ता इस वर्ष करीब 330 मिलियन हो जाएंगे। सैटेलाइट इंटरनेट से संचार क्षेत्र में आई क्रांति का एजुकेशन, टेलीमेडिसिन, ग्रामीण कनेक्टिविटी पर प्रभाव दिखेगा। 2026 में भारतनेट के विस्तार से जब गांवों में 100 एमबीपीएस स्पीड वाली कनेक्टिविटी 50 फीसदी तक पहुंचेगी, डिजिटल साक्षरता अभियान के तहत 5 लाख डिजिटल साक्षरता केंद्र खुलेंगे। 6जी पर अनुसंधान भी तेज होगा, इसका असर 2026 में पायलट टेस्ट, पेटेंट और वैश्विक साझेदारियों के रूप में दिखेगा।

ग्रीन एनर्जी का बढ़ेगा यूज: इस साल ग्रीन एनर्जी की फील्ड में स्टार्टअप्स नई उम्मीदें जगाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत 5 मिलियन टन उत्पादन लक्ष्य से ऊर्जा स्वायत्तता मिलेगी। लाइफ मिशन से वन कवर 33 प्रतिशत के करीब पहुंच सकता है। पर्यावरण में हरित हाइड्रोजन, ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग और प्रदूषण-नियंत्रण तकनीक शहरों के लिए जीवनरेखा बन सकती हैं। सरकार ऊर्जा-कुशल चिप्स, सस्टेनेबल क्लाउड और एआई-संचालित जलवायु समाधानों में निवेश बढ़ाएगी। प्रदूषण नियंत्रण, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और जल संरक्षण पर नई योजनाओं की उम्मीद है। पर्यावरण में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग एक्सचेंज शुरू होगा और कृषि में 'रीइमेजिनिंग एग्रीकल्चर' रोडमैप। कृषि में एग्री-टेक, एआई डिजिटल ट्विन्स, ड्रोन स्प्रे, सेंसर, प्रिसिजन फार्मिंग, जलवायु-प्रतिरोधी बीजों से उत्पादकता 20 प्रतिशत बढ़ेगी तो किसानों की आय भी बढ़ेगी। *

दोहे

गोविंद भारद्वाज

मिलते पुष्पाहार

धन-दौलत के मोह से, दूर रहो सब यार।
शुद्ध भाव से नित करो, अपना सब व्यापार।।

गीता पढ़ना ज्ञान की, होगा जीवन पार।
फिर जीत मिलेगी सदा, दूर रहेगी हार।।

देश निकाला दीजिए, आए सीमा पार।
फूल नहीं वो देश के, बने हुए हैं खार।।

बात करो बस प्यार से, नेक रहे व्यवहार।
मेल मिलाप रहे सदा, जीवन का आधार।।

सत्य-अहिंसा से मिले, जीव-जगत को प्यार।
सन्मार्ग पर यदि चलें, सुखी रहे संसार।।

सत्य वचन पर हों अडिग, झुक जाएं हथियार।
तोप-तमंचे फेल फिर, मिलते पुष्पाहार।।

लघुकथाएं

पेट का स्वाभिमान

अपनी थाली देखकर रम्मू ने पत्नी रमिया से पूछा, 'रोटियां तो पांच ही हैं, तो तुम इतनी बड़ी थाली में क्यों परोसती हो?'

'थाली बड़ी नहीं है, रोटियां छोटी हो गई हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है पर आमदनी नहीं। ऐसे में रोटी तो छोटी होती ही जाएगी।' रमिया ने मायूस होकर कहा।

'मेरे पास इस समस्या का एक हल है। कल से छोटी थाली में रोटी परोसना।' रम्मू ने सुझाव दिया।

'तुम्हें छोटी थाली में परोस तो दूंगी, लेकिन समस्या यह है कि हमारे पास दो ही थालियां हैं। तुम्हारी जूठी थाली में मैं खा लेती हूं। छोटू अपनी थाली में खाता है। वह तो इतनी छोटी है कि उसमें तुम्हारी ये रोटियां भी नहीं आ सकती हैं।' रमिया ने बताया।

'तो हमें सोचना पड़ेगा कि ऐसा क्या करें, जिससे हमारी रोटियां बड़ी हो सकें।'

रम्मू और रमिया लेटे-लेटे इस गंभीर समस्या पर विचार करते रहे। रात भर उनके दिमाग में रोटियां घूमती रहीं। सुबह-सुबह आंख लगी तो दोनों ने एक ही सपना देखा। कोई उन्हें बड़ी-बड़ी रोटियां दे रहा है, किंतु फेंक-फेंककर।

दोनों हड़बड़ाकर उठ बैठे। एक-दूसरे को अपने सपने के बारे में बताया। फिर दोनों ने एक राय से निश्चय किया। 'हम भीख किसी भी स्थिति में नहीं मांगेंगे। पेट का भी स्वाभिमान होता है। रोटियां बड़ी करनी हैं तो अब हम दोनों ज्यादा से ज्यादा मेहनत करेंगे।' *

-बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

सच्ची साधना

काफी पुरानी बात है। किसी वन में स्थित एक आश्रम में एक गुरु अपने दो शिष्य मोहनदास और चैतन्यदास के साथ रहते और साधना करते थे। मोहनदास स्वभाव से अहंकारी था, इसलिए गुरुजी को हमेशा अपनी साधना को सच्ची बताया करता था। चैतन्यदास, मोहनदास की बातों पर ध्यान न देते हुए अपनी साधना में लीन रहता था।

एक दिन गुरुजी ने मोहनदास का अहंकार दूर करने की सोची। उन्होंने दोनों शिष्यों को बुलाकर कहा, 'जाओ घने जंगल में जाकर कुछ दिन एकांत में साधना करो। मैं स्वयं आकर देखूंगा कि किस शिष्य की साधना सच्ची है?'

दोनों शिष्य घने जंगल में पहुंचे। अत्यंत सर्द मौसम था। ठंड से बचने के लिए दोनों ने अलाव जलाया और उसके निकट ही बैठकर साधना करने लगे। कुछ ही देर में अचानक 'बचाओ..बचाओ..' की आवाज सुनाई पड़ी। यह सुनकर चैतन्यदास अलाव में से एक जलती लकड़ी लेकर आवाज आने की दिशा में दौड़ा। उसने देखा कि एक भालू किसी बुजुर्ग महिला पर हमला करने वाला है। चैतन्यदास ने जलती लकड़ी से भालू को भगाया और महिला का जीवन बचा लिया। उसने पूछा, 'मां आप इतनी ठंड में घने जंगल में क्या कर रही हैं?'

'बेटा, मैं कई वर्षों से इस जंगल से लकड़ी बीन कर अपने घर की रसोई में खाना बनाती हूं। आज न जाने यह भालू कहां से आ गया?' महिला ने बताया।

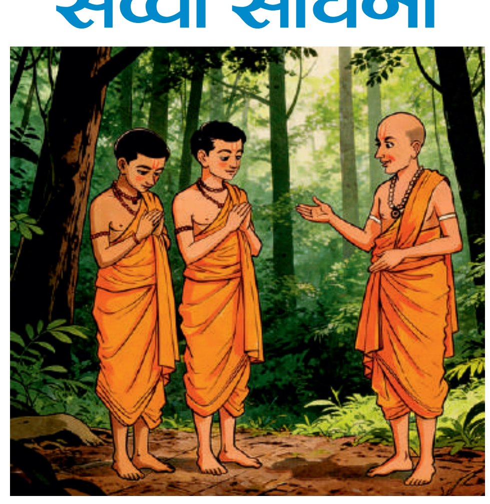

'मां, पहाड़ी पर बर्फबारी होने के कारण भालू नीचे जंगल में आ गया होगा। आगे आप संभलकर ही इस घने जंगल में आना। चलिए, आपको मैं घर तक छोड़ देता हूं।' चैतन्यदास बोला।

उधर गुरुजी साधना स्थल पर पहुंचे और पूछा, 'अरे! मोहनदास, चैतन्यदास कहां चला गया?'

'गुरुजी, मैं यहां हूं।' कहते हुए चैतन्यदास गुरुजी के पास पहुंचा। उसे देखकर मोहनदास बोला, 'अब तो आपको समझ में आ ही गया होगा कि चैतन्यदास तो साधना छोड़कर कहीं चला गया लेकिन मैं कहीं नहीं गया। इसलिए मेरी साधना ही सच्ची है।' गुरुजी ने चैतन्यदास से पूछा, 'तुम कहां गए थे?' चैतन्यदास ने पूरी घटना के बारे में बता दिया। इस पर मोहनदास ने पूछा, 'अब आप ही बताइए गुरुजी, किसकी साधना सच्ची है?'

गुरुजी ने कहा, 'सच्ची साधना वही होती है, जिसमें मानवता हो। तपस्या तो बाद में भी की जा सकती है, लेकिन किसी का जीवन बचाना ही सच्ची साधना है। इसलिए चैतन्यदास की साधना ही सच्ची साधना है।'

यह सुनकर मोहनदास का सिर शर्म से झुक गया। *

-चंद्रप्रकाश डाले

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

शताब्दी स्मरण : अमरकांत

कुछ समय पूर्व प्रसिद्ध साहित्यकार अमरकांत के जन्मशती के अवसर पर 'बनास जन' का 'शताब्दी स्मरण : अमरकांत' विशेषांक छपकर आया है। इसमें अमरकांत की बहुआयामी साहित्यिक छवियों पर विस्तार से चर्चा की गई है। इस समृद्ध अंक के अलग-अलग खंडों में उनके विभिन्न साहित्यिक पक्षों पर प्रकाश डाला गया है। 'स्मृतियों में अमरकांत' खंड में ममता कालिया, हरीश पांडे और मनोज कुमार पांडे ने उनसे जुड़ी स्मृतियों को मार्मिकता से संजोया है। 'लेखकों के लेखक' शीर्षक संस्मरणात्मक लेख में ममता कालिया ने कुछ प्रसंगों के जरिए अमरकांत जी के स्वाभिमानी रचनाकार की छवि को प्रकट किया है। प्रेमचंद के बारे में अप्रिय टिप्पणी करने पर अमरकांत जी, 'मनोरमा' के मालिक-संपादक आलोक मित्र से यह कहने से नहीं हिचके, 'प्रेमचंद सर्वहारा के पक्षधर रचनाकार थे। आप लोग भूख और गरीबी बेचते हैं। प्रेमचंद ऐसे विक्रेता नहीं थे।' जबकि उन दिनों वे उसी पत्रिका में संयुक्त संपादक के पद पर कार्य कर रहे थे। 'कुछ पते कुछ चिट्ठियां' खंड में अमरकांत जी द्वारा लिखे गए कुछ पत्रों को संकलित किया गया है। इन्हें पढ़ते हुए उनके भीतर मौजूद एक अत्यंत भावुक रचनाकार की छवि प्रकट होती है। यहां अमरकांत जी के सभी उपन्यासों और कथा संग्रहों पर कई समीक्षकों के विवेचनात्मक लेख भी पढ़े जा सकते हैं। इनसे गुजरते हुए अमरकांत जी की कथादृष्टि का विस्तार और मानवीय संवेदना की गहनता को महसूस किया जा सकता है। उनके कथा संग्रह 'कुहासा' पर उमाशंकर चौधरी की यह टिप्पणी देखी जा सकती है, जिसमें वह कहते हैं, 'अमरकांत के यहां पात्रों के संघर्ष का विश्वसनीय चित्रण है। वे अपने समय की समस्याओं को भी पकड़ते हैं और विडंबनाओं को भी।' कहने की जरूरत नहीं कि यह अंक पठनीय ही नहीं संग्रहणीय भी है। *

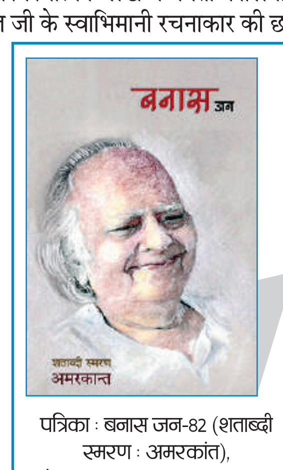

पत्रिका : बनास जन-82 (शताब्दी स्मरण : अमरकांत), संपादकः पल्लव, मूल्यः 200 रुपए

खबर संक्षेप

मयंक यादव जल्द करेंगे मैदान में वापसी

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज मयंक यादव पीठ के निचले हिस्से में ऐंठन के कारण लगभग एक साल तक मैदान से बाहर रहने के बाद अब अपनी पूरी क्षमता से गेंदबाजी करने के लिए फिट होने के करीब हैं। इस 23 वर्षीय तेज गेंदबाज ने आईपीएल 2024 में अपनी तूफानी गेंदबाजी से सबका ध्यान खींचा था। इसके बाद वह सबसे छोटे प्रारुप में भारत के लिए भी खेले। हालांकि पीठ की चोट के कारण वह 2025 में केवल दो प्रतिस्पर्धी मैच ही खेल पाए।

चोट के बाद अय्यर फिट खेलेंगे रिटर्न टू प्ले मैच

मुंबई। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पिछले साल अक्टूबर में लगी तिल्ली (स्पलीन) की चोट से उबरने के बाद अपना पहला प्रतिस्पर्धी मैच खेलने के लिए तैयार हैं। वह विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई और हिमाचल प्रदेश के बीच 6 जनवरी को होने वाले मैच में खेलेंगे लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी श्रृंखला में उनकी उपलब्धता फिटनेस पर निर्भर करेगी। सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे मैच के दौरान अय्यर को चोट लगी थी। उन्हें तिल्ली में घाव और आंतरिक रक्तस्राव के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नाओमी ओसाका कर सकती हैं वापसी

पर्थ। चार बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन नाओमी ओसाका यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट के दौरान अस्वस्थ महसूस कर रही हैं लेकिन उन्हें 18 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन तक पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है।
ओसाका यूनान की मारिया सकारी से 6-4, 6-2 से हार गई थी। उन्होंने मैच के बाद कहा कि वह क्रिसमस की छुट्टियों के दौरान 'वास्तव में बीमार' हो गई थीं और इसलिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाई। मैच के दौरान ओसाका को बीच-बीच में खांसी आ रही थी और वह थकी हुई लग रही थीं।

विजय हजारे ट्रॉफी में पडिक्कल ने लगाया शतकों का चौका

हार्दिक ने एक ओवर में लगाए लगातार 5 छक्के 144.57 की स्ट्राइक रेट से खेली शतकीय पारी

पंड्या ने विदर्भ के खिलाफ 68 गेंदों पर पूरा किया शतक

एजेंसी ▸▸| राजकोट

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का बल्ला जमकर गरज रहा है। हार्दिक ने विजय हजारे ट्रॉफी के इस सीजन के पांचवें चरण के मुकाबले में विदर्भ के खिलाफ तूफानी बैटिंग की और ओवर में लगातार 5 छक्के व एक चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया। वहीं देवदत्त पडीक्कल ने भी अपने शतकों का चौका पूरा किया।

हार्दिक पंड्या ने विदर्भ के खिलाफ अपना शतक 68 गेंदों पर पूरा किया। उन्होंने अपने शतक को एक ही ओवर में लगातार 5 छक्के और एक चौका लगाकर यानी 6 गेंदों पर 34 रन बनाकर पूरा किया। विदर्भ के खिलाफ हार्दिक ने इस मैच में 92 गेंदों पर 11 छक्के और 8 चौकों की मदद से 133 रन की जोरदारा पारी खेली। इस पारी के दौरान हार्दिक का स्ट्राइक रेट 144.57 का रहा। हार्दिक की इस पारी के दम पर बड़ोदा ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 293 रन बनाए।

पडिक्कल ने लगाया शतकों का चौका

विजय हजारे के इस सीजन में देवदत्त पडिक्कल का बल्ला रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है और 5वें मैच में उन्होंने सीजन का चौथा शतक लगाया। कर्नाटक के इस बैटर ने त्रिपुरा के खिलाफ 120 गेंदों पर 3 छक्का और 8 चौकों की मदद से 108 रन की पारी खेली और उनकी टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 332 रन बनाए। देवदत्त का बल्ला इस सीजन में चल नहीं गरज रहा है। उन्होंने इससे पहले यानी इस सीजन के पहले मुकाबले में झारखंड के खिलाफ 147 रन की पारी खेली थी जबकि दूसरे मैच में केरल के खिलाफ 124 रन बनाए थे। तीसरे मैच में उन्होंने तमिलनाडु के खिलाफ 22 रन की पारी खेली थी जबकि चौथे मैच में पुडुचेरी के खिलाफ 113 रन की की पारी खेली थी। अब 5वें मैच में उन्होंने 108 रन बनाए।

अक्षर पटेल ने खेली 130 रन की पारी

गुजरात के ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने आंध्रा के खिलाफ तूफानी बैटिंग की। इंजरी से वापसी के बाद अक्षर पहली बार मैदान पर उतरे थे और उन्होंने अपने बल्ले का दम दिखाते हुए इस टीम के विरुद्ध 111 गेंदों पर 130 रन ठोक दिए। अक्षर ने अपनी इस पारी के दौरान 5 छक्के और 10 चौके भी जड़े। गुजरात के लिए रवि बिश्नोई ने भी आखिरी पलों में 20 गेंदों पर नाबाद 31 रन का पारी खेली जबकि विशाल जायसवाल ने 60 गेंदों पर 70 रन की बेहतरीन पारी खेली। गुजरात ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 318 रन बनाए। आंध्रा के लिए कप्तान नितीश रेड्डी ने 2 विकेट लिए जबकि सत्यनारायण राजू ने 4 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा।

सैमसन ने 90 गेंदों पर ठोका शतक, इशान की टीम हारी

5वें चरण के मुकाबले में केरल ने संजू सैमसन और कप्तान रोहन कुन्नुमल की शानदार शतकीय पारी के दम पर इशान किशन की कप्तानी वाली झारखंड की टीम को हरा दिया। संजू और रोहन ने केरल को जोरदार शुरुआत की, जिसके दम पर इस टीम को आसान जीत मिली।इस मैच में झारखंड ने टॉस जीता था और फिर 50 ओवर में 7 विकेट पर 311 रन बनाए। केरल को जीत के लिए 312 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 42.3 ओवर में 2 विकेट पर 313 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीत लिया। संजू और रोहन ने पहले विकेट के लिए 212 रन की साझेदारी करके टीम की जीत की राह आसान कर दी।

टी20 विश्व कप 2026

नामीबिया टीम का ऐलान इरास्मस होंगे कप्तान

दुबई। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में फरवरी-मार्च में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए नामीबिया क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी ऑलराउंडर गेरहार्ड इरास्मस करेंगे। टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज जेन ग्रीन, जेजे स्मिट, जान फ्राइलिंक और बर्नार्ड शोल्ट्ज शामिल हैं। इसके अलावा, निकोल लॉफ्टी-ईटन, मायबर्ग और मालन क्रूगर नामीबिया की बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करेंगे। तेज गेंदबाज रूबेन ट्रम्पेलमैन और बेन शिकोंगो भी टीम का हिस्सा हैं। क्रिकेट नामीबिया ने एक्स पर लिखा, हमारी टीम भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए तैयार है। टीम और मैनेजमेंट को शुभकामनाएं क्योंकि वे वैश्विक मंच पर नामीबिया का झंडा फहराएंगे। नामीबिया लगातार चौथी बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा। उसे भारत, पाकिस्तान और यूएसए, और नीदरलैंड के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। नामीबिया टूर्नामेंट का अपना पहला मैच 10 फरवरी को अरुण जेटली स्टेडियम में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलेगा। 12 फरवरी को भारत के खिलाफ उसका दूसरा मैच भी अरुण जेटली स्टेडियम में ही खेला जाएगा। 15 फरवरी को चेन्नई में यूएसए के साथ और 18 फरवरी को कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में पाकिस्तान के साथ नामीबिया के लीग मैच हैं।

न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान, गिल संभालेंगे कमान

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज 11 जनवरी से होना है। इसके लिए बीसीसीआई ने वनडे टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। इसमें टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल गर्दन मे इंजरी के बाद पूरी तरह से वापस आ गए हैं जबकि उपकप्तान श्रेयस अय्यर और तेज गेंदबाज सिराज की वापसी हुई है। उनकी वापसी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फाइनल फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर है। वह पिछले साल अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खलिाफ सिडनी वनडे में चोटिल हो गए थे।

हार्दिक का वर्कलोड मैनेज

वहीं टीम इंडिया के धाकड़ तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एक बार फिर जगह बनाने से चूक गए। इस बीच, हार्दिक पंड्या को पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करने की इजाजत नहीं मिली है, जिसके चलते टीम मैनेजमेंट उनके वर्कलोड को ध्यान से मैनेज कर रहा है और उन्हें वनडे सीरीज के लिए नहीं चुना गया है। दरअसल इसके बाद भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप खेलेगी, जिसे देखते हुए सेलेक्टर्स खिलाड़ियों की फिटनेस और लंबे समय तक तैयार रहने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

वनडे टीम इंडिया का स्क्वॉड

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा,प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत, नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह और यशस्वी जायसवाल.

इन प्लेयर्स को मिला मौका

शुभमन गिल चोट के कारण साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए थे। रोहित शर्मा और विराट कोहली वनडे टीम में बने रहेंगे। टीम में विकेटकीपिंग ऑप्शन के तौर पर केएल राहुल और ऋषभ पंत भी शामिल हैं, साथ ही ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी भी हैं। तेज गेंदबाजी की कमान मोहम्मद सिराज संभालेंगे, जिन्हें अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा का साथ मिलेगा, जबकि कुलदीप यादव स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगे।

वनडे सीरीज का शेड्यूल

तारीख	मैच	स्थान
11 जनवरी	पहला वनडे	वडोदरा
14 जनवरी	दूसरा वनडे	राजकोट
18 जनवरी	तीसरा वनडे	इंदौर

आईएलटी20 : एमआई एमिरेट्स ने बनाई फाइनल में जगह

शारजाह। एमआई एमिरेट्स ने अपने ऑलराउंड खेल का शानदार नजारा पेश करते हुए एक कम स्कोर वाले मैच में अबूधाबी नाइट राइडर्स को 7 विकेट से हराकर आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। टूर्नामेंट के फाइनल में रविवार को एमआई एमिरेट्स का सामना डेजर्ट वाइपर्स से होगा। एमआई एमिरेट्स ने नाइट राइडर्स को केवल आठ विकेट पर 120 रन पर रोक दिया और फिर 16.1 ओवर में तीन विकेट पर 122 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। नाइट राइडर्स के लिए अलीशान शरफू ने 40 गेंदों में 50 रन बनाए, लेकिन एमआई एमिरेट्स ने नियमित अंतराल में विकेट लेकर उस पर दबाव बनाए रखा। एमआई एमिरेट्स की तरफ से एएम ग़ज़नफ़र ने 24 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि मुहम्मद रोहिद और फजलहक फारुकी ने दो-दो विकेट हासिल किए। छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए एमआई एमिरेट्स ने दूसरे ओवर की शुरुआत में ही मोहम्मद वसीम (10) का विकेट खो दिया और आंद्रे फ्लेचर (05) के सस्ते में आउट होने के बाद टीम का स्कोर दो विकेट पर 36 रन हो गया। लेकिन टॉम बैंटन (53 गेंदों में नाबाद 64) और शाकिब अल हसन (24 गेंदों में 38) के बीच तीसरे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की मदद से एमआई एमिरेट्स ने 23 गेंद शेष रहते हुए लक्ष्य हासिल कर दिया।

पार्ल रॉयल्स ने एमआई केपटाउन को 1 रन से हराया

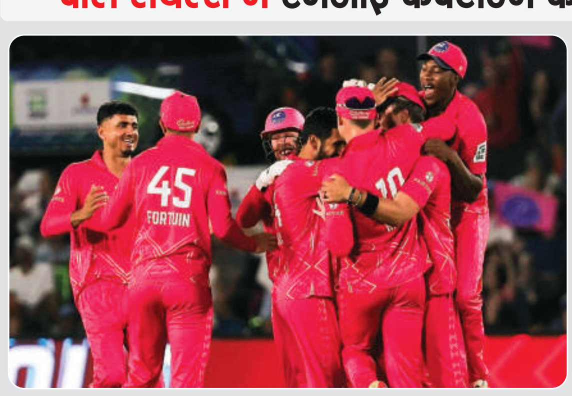

पार्ल। लुआन ड्रे प्रिटोरियस 98 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे पार्ल रॉयल्स ने एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट के रोमांचक मैच में एमआई केपटाउन को एक रन से हराया। प्रिटोरियस शतक बनाने से चूक गए, लेकिन उनकी 69 गेंद पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से खेली गई शानदार पारी और आसा ट्राइब (34 गेंदों में 51 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की मदद से रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 181 रन बनाए। इसके जवाब में एमआई केपटाउन ने आठ विकेट 180 रन बनाए। रयान रिकेलटन (36) और रासी वैन डेर डुसेन (42 गेंदों में 59 रन) ने पहले विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी करके एमआई केपटाउन को अच्छी शुरुआत दिलाई लेकिन इसके बाद उसने लगातार विकेट गंवाए और 15 ओवर तक उसका स्कोर छह विकेट पर 118 रन हो गया। एमआई केपटाउन के कप्तान राशिद खान (18 गेंदों में 35 रन) ने जॉर्ज लिंडे (नाबाद 20) के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी करके टीम को संभाला। उसे अंतिम ओवर में 15 रन की जरूरत थी, लेकिन राशिद और कागिसो रबाडा के आउट होने से उसकी टीम लक्ष्य तक पहुंचने में नाकाम रही। रॉयल्स की तरफ से ओटनील बार्टमैन ने 51 रन देकर चार और सिकंदर रजा ने 27 रन देकर तीन विकेट लिए।

हरिभूमि
जन्मदिन उत्सव
उपहार वितरण सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि जन्मदिन उत्सव में भाग्यशाली विजेता अपना उपहार 5 जनवरी 2026 से हरिभूमि कार्यालय, जिला कार्यालय या अपने क्षेत्र के अभिकर्ता से प्राप्त कर सकते है। उपहार प्राप्त करने के लिये अपना पहचान पत्र, माह दिसंबर 2025 हरिभूमि अखबार का मासिक बिल साथ लावें।
समय : सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक।
नोट : रविवार के दिन उपहार का वितरण नहीं होगा।
पता :- हरिभूमि कार्यालय 4 फ्लोर, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, भोपाल

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930